जबलपुर

रविवार, 15 मार्च 2026

चैत्र मास कृष्ण पक्ष-12

वर्ष : 20, अंक : 313

पृष्ठ : 14 मूल्य : 3 .00 *

मौसम

अधि. 37

न्यून. 22

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ट्रैक्टर चलाते हुए

राज्य में दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य 9 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि दूध-दही के कारण हजारों साल से भारत की पहचान है। राज्य सरकार ने प्रदेश में दूध का उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। बच्चों को हृष्ट-पुष्ट बनाने के लिए माता यशोदा योजना में स्कूलों में बच्चों को निः शुल्क दूध के पैकेट बांटे जाएंगे। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब ड्रॉपआउट 6 प्रतिशत से शून्य पर आ गया है।

लोकतंत्र का फर्ज सीखने की आवश्यकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब देश की सीमाओं पर दुनिया के संकट की आहट होती है तो स्व. अटल बिहारी वाजपेयी से लोकतंत्र का फर्ज सीखने की जरूरत है। वर्तमान परिस्थितियों में खाड़ी के देशों में जारी संकट के बीच नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान शर्मनाक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर बार की तरह अपने

उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए युद्ध में फंसे विद्यार्थियों और नागरिकों को सुरक्षित निकाला है। प्रधानमंत्री मोदी ने देश के हितों को सर्वोपरि रखा है।

ट्रक ने बकरी... फिर युवक को मारी टक्कर, 25 किमी घसीटा

मुरैना। जिले में एक बेहद क्रूर और दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ है। यहां शनिवार सुबह करीब 10 बजे पहाड़गढ़ थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक (एमपी 31 एचए 1220) ने पहले एक बकरी को कुचल दिया, जब इस ट्रक को रोकने की कोशिश की गई ट्रक ने युवक सोनू रजक (25) को टक कर मार दी। इस दौरान सोनू का पैर फंस गया और ट्रक ड्राइवर उसे करीब 25 किमी तक घसीटता रहा। इस दौरान सोनू का सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं और उसकी दर्दनाक मौत हो गई। ट्रक शिवपुरी से कैलारस की ओर जा रहा था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कटनी को दी कई सौगातें, बरही में संजय पाठक के संयोजन में आयोजित 'कृषि महोत्सव' में हुए शामिल

कटनी में मेडिकल कॉलेज खुलेगा व खेल स्टेडियम बनेगा

विधायक के प्रयास हुए सफल

- बरही में बनेगा बालीबॉल का इंडोर स्टेडियम
- किसानों को सिंचाई के लिए दिन में भी प्रदाय की जाएगी बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कटनी जिले के बरही में किसान सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने कटनी जिले को कई सौगातें दी। उन्होंने जल्दी ही कटनी में मेडिकल कॉलेज खोलने व युवाओं के लिए खेल स्टेडियम, बरही में बालीबॉल का इंडोर स्टेडियम बनाने की भी घोषणा की। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक विजयराधवगढ़ विधायक संजय सत्येंद्र पाठक ने मुख्य मंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कृषि कल्याण वर्ष में कटनी को 1000 करोड़ रुपए की सौगात दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कई परियोजनाओं का लोकार्पण किया

किसानों की समृद्धि के लिए सरकार सिंचाई के लिए पर्याप्त जल देगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार सिंचाई के लिए पर्याप्त जल, बिजली और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में 2004 से अब तक गेहूं का मूल्य 2000 रुपए प्रति क्विंटल से अधिक बढ़ाया है। किसानों को बोनस का लाभ देकर इस वर्ष 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं खरीदा जा रहा है। प्रदेश में पिछले 2 वर्ष में सिंचाई का रकबा बढ़ाकर 55 लाख हेक्टेयर हो गया है, जिसे आगामी वर्षों में 100 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया

बड़ी खुशखबर : 'शिवालिक और 'नंदा' नाम के एलपीजी टैंकर होर्मुज पास को पार कर चुके

92,700 मीट्रिक टन गैस का बड़ा शिपमेंट भारत आ रहा, दूर होगा एलपीजी का संकट

इतनी बड़ी मात्रा में गैस की आवक से घरेलू बाजार में ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित होगी और औद्योगिक व घरेलू मांग को सुचारू रूप से पूरा किया जा सकेगा

सुजाता शर्मा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में रसोई गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में सरकार सक्रिय है। भारत की राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा और मैरीटाइम लॉजिस्टिक्स के मोर्चे पर महत्वपूर्ण गतिविधियां दर्ज की गई हैं। एक तरफ जहां भारी मात्रा में एलपीजी गैस लेकर विशाल टैंकर भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ घरेलू बाजार में आपूर्ति श्रृंखला को बाधित करने वालों के खिलाफ एजेंसियों ने सख्त रुख अपना लिया है।

शनिवार को पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि 'शिवालिक और 'नंदा' नाम के एलपीजी टैंकर इस समय रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज पास को पार कर चुके हैं ।भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यह एक बड़ा ऊर्जा लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन है, क्योंकि ये दोनों पोत कुल मिलाकर 92,700 मीट्रिक टन गैस का बड़ा शिपमेंट लेकर आ रहे हैं। ये वाणिज्यिक जहाज पश्चिमी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाहों- मुंद्रा पोर्ट और कांडला पोर्ट पर एंकर करेंगे।

सरकार ने बताया कालाबाजारी के खिलाफ देशभर में अभियान

फाइल फोटो

- शेड्यूलिंग के अनुसार ये शिपमेंट 16 और 17 मार्च को भारत पहुंच जाएंगे
- ये वाणिज्यिक जहाज पश्चिमी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाहों- मुंद्रा पोर्ट और कांडला पोर्ट पर एंकर करेंगे

कालाबाजारी के खिलाफ संयुक्त टीमों की छापेमारी

आपूर्ति तंत्र को मजबूत करने के साथ-साथ, घरेलू बाजार में गैस और आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम किल्लत पैदा करने वाले तत्वों पर भी कड़ा प्रहार किया जा रहा है। कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कई संयुक्त टीमों का गठन किया गया है, जो लगातार रेड कर रही हैं। इस प्रवर्तन अभियान का सीधा प्रभाव कई राज्यों में देखा जा सकता है। उत्तर प्रदेश में व्यापक कार्रवाई हुई है। राज्य में कालाबाजारी पर लगाम लगाने के लिए बड़े पैमाने पर 1400 स्थानों पर छापेमारी की गई है। इस दौरान अनियमितताओं में संलिप्त पाए गए 19 लोगों के खिलाफ मामले भी दायर किए गए हैं। अन्य राज्यों में भी चौकसी है। मप्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में भी कई जगहों पर संयुक्त टीमों द्वारा छापेमारी की जा रही है।

सीएम ने कहा-कालाबाजारी की तो छोड़ेंगे नहीं

11 एलपीजी बॉटलिंग प्लांटों में पर्याप्त स्टॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचनाओं का शिकार न हों। उन्होंन स्पष्ट किया है कि प्रदेश में ईंधन की कोई कमी नहीं है। होम डिलीवरी पूरी तरह से सुचारू है। प्रदेश के 11 एपीजी बॉटलिंग प्लांटों में पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। सीएम ने कहा कि तेल कंपनियां मांग के अनुसार निरंतर आपूर्ति कर रही हैं।

कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई वितरक कालाबाजारी करता है या सिलेंडर देने में आनाकानी करता है, तो कंज्यूमर हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। रविवार को भी एजेंसियां खुलेंगी। इंदौर जिले में घरेलू गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी जारी रहेगी। सभी एजेंसियों से सिलेंडर सप्लाई की जाएगी। कई जिलों से ऐसी सूचनाएं हैं।

छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदलने पर सियासत

छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम रखने का प्रस्ताव

महापौर बोले-कांग्रेस पहले यह बताए छोटा नेहरू आखिर कौन?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

शहर के छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदलने को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। नगर निगम की एमआईसी (मेयर-इन-काउंसिल) द्वारा स्टेडियम का नाम बदलने का प्रस्ताव पास किए जाने के बाद कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने आ गई हैं।

नगर निगम की एमआईसी ने छोटा नेहरू स्टेडियम का नाम बदलकर छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित किया है। कांग्रेस प्रवक्ता नीलाभ शुक्ला ने कहा कि शहर को भव्य और आधुनिक स्टेडियम की जरूरत है। अगर नया स्टेडियम बनाया जाता है और उसका नाम छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रखा जाता है तो यह पूरे शहर के लिए गौरव की बात होगी। उन्होंने कहा कि जब भी किसी स्वतंत्रता सेनानी या ऐतिहासिक व्यक्तित्व के नाम की बात आती है तो भाजपा नेताओं की कुंठा सामने आ जाती है। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि कांग्रेस पहले यह बताए कि छोटा नेहरू आखिर कौन हैं, जिनका नाम बदलने की बात पर इतना विवाद खड़ा किया जा रहा है। महापौर ने कहा कि एक नेहरू की नीतियों का खामियाजा देश आज तक भुगत रहा है, और अब ये छोटे नेहरू कौन हैं, इसके बारे में भी स्पष्ट जानकारी नहीं है।

मच्छर अगरबत्ती से टाटा सूमो में जिंदा जला व्यक्ति

जबलपुर। जिले के सिहोरा में शनिवार सुबह टाटा सूमो के अंदर सो रहा एक व्यक्ति जिंदा जल गया। आग की लपटों ने पास की एक दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते दुकान भी जलकर खाक हो गई। आशंका है कि मच्छर भगाने के लिए जलाई गई अगरबत्ती से गाड़ी के अंदर पड़े कचरे में आग भड़क गई, जिससे व्यक्ति बाहर नहीं निकल पाया।

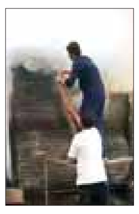

मुरैना, भिंड, ग्वालियर, छिंदवाड़ा में होगी बारिश

नर्मदापुरम में दूसरे दिन भी लू, आज से गिरेगा 'पारा'

भोपाल। पिछले एक हफ्ते से सूरज के तेवर तीखे बने हुए हैं। नर्मदापुरम में शनिवार को भी लू का असर बना रहा। यहां दिन का तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह मंडला में भी दिन का पारा 39 डिग्री पर पहुंच गया। हालांकि, रविवार को गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। प्रदेश के उत्तरी-पूर्वी हिस्से ग्वालियर-चंबल, जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग के जिलों में बारिश होने का अनुमान है। प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तेज गर्मी की वजह से लू का खतरा बना हुआ है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या सुरेंद्रन का कहना है कि लोग दोपहर में जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। ठंडे पानी का सेवन करें।

प्रबंधन का दावा- हार्ट अटैक से हुई मौत

200 से ज्यादा पुलिस बल तैनात

श्रमिक की मौत, भड़के मजदूरों ने गाड़ियां तोड़ी, प्लांट में आग लगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिंगरौली

सिंगरौली जिले बधौरा स्थित एक पावर प्लांट में शनिवार सुबह मजदूर की मौत के बाद जमकर हंगामा हो गया। गुस्साए मजदूरों ने प्लांट परिसर में जमकर तोड़फोड़ की और आग लगा दी। गुस्साए मजदूरों ने ठेकेदार के ऑफिस को आग के हवाले कर दिया। थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारी की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। कंपनी के अधिकारी कर्मचारियों के साथ

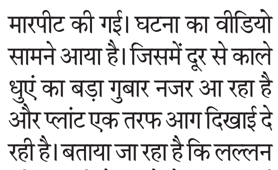

आक्रोशित मजदूर तोड़फोड़ करते हुए

मारपीट की गई। घटना का वीडियो सामने आया है। जिसमें दूर से काले धुएं का बड़ा गुबार नजर आ रहा है और प्लांट एक तरफ आग दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि लल्लन की ऊंचाई से गिरने के कारण हुई मौत की अफवाह फैली थी।

थ्रेशर मशीन की चपेट में आने से किसान की मौत

आगर-मालवा। जिले में थ्रेशर मशीन की चपेट में आने से आज शनिवार को एक किसान की मौत हो गई। सुसनेर तहसील के ग्राम पिपलियाचाचा में खेत पर थ्रेशर मशीन से गेहूं निकालते समय संतुलन बिगड़ने से किसान मांगीलाल पिता भुवानसिंह (56) मशीन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

सड़क चौड़ीकरण के दौरान लगा करंट, परिजनों ने किया चक्काजाम

उज्जैन। उज्जैन में सिंहस्थ से जुड़े निर्माण काम के दौरान करंट लगने से एक श्रमिक की मौत के बाद शनिवार सुबह चरक अस्पताल के सामने हंगामा हो गया। मृतक के परिजनों और समाज के लोगों ने आगर रोड पर चक्काजाम कर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई और आर्थिक सहायता की मांग की। मृतक की पहचान राकेश सूर्यवंशी (42) पिता रामचंद्र सूर्यवंशी, निवासी ग्राम खड़ोतिया के रूप में हुई है।

अमेरिका से ट्रेड डील का जिक्र कर राहुल ने सरकार को घेरा

किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस लड़ती रहेगी, एमएसपी पर भी किए सवाल

केंद्र की नीतियों को लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने फिर फेसबुक पोस्ट लिखकर किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया है। राहुल ने कहा कि उन्होंने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से जुड़ा सवाल पूछा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार की नीतियों को लेकर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने फिर फेसबुक पोस्ट लिखकर किसानों से जुड़ा मुद्दा उठाया है। राहुल ने कहा कि उन्होंने सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से जुड़ा सवाल पूछा, लेकिन सरकार ने जवाब देने से बचने का रास्ता चुना और संसद के पटल पर पुरानी नीतियों को दोहराया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों के हक में संसद से लेकर सड़क तक आवाज उठाते रहेगी।

न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्धारण करना चाहिए

स्वामीनाथन समिति के सुझावों पर जोर

राहुल ने पोस्ट में लिखा-लोकसभा में मैंने सरकार से सीधा सवाल पूछा। 2021 में किसानों से किया गया सी2 प्लस 50फीसदी कानूनी एमएसपी का वादा अब तक लागू क्यों नहीं हुआ? सरकार ने अपनी पुरानी एमएसपी नीति दोहरा दी। इसे आम तौर पर स्वामीनाथन समिति के सुझावों की तरह भी देखा जाता है। इसके तहत सरकार को ये सुझाव दिया गया है कि खेती की कुल लागत (सी2) में 50 फीसदी मुनाफे को जोड़ने के बाद ही फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का निर्धारण किया जाना चाहिए।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर भी घेरा

राहुल ने सरकार से संसद में मिले जवाब की प्रति भी साझा की है। विपक्ष के नेता ने सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि उसने राज्यों पर एमएसपी बोनस खत्म करने का दबाव डाला, जिसे बिना किसी तर्क के 'राष्ट्रीय प्राथमिकताओं' के नाम पर सही ठहराया गया।

कांशीराम को लेकर राहुल पर भड़कीं मायावती

कांग्रेस की मानसिकता की वजह से ही बसपा बनी

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बसपा के संस्थापक

कांशी राम के अनुयायियों और समर्थकों को कांग्रेस के खिलाफ सतर्क रहने की सलाह दी और कहा कि उनकी दलित विरोधी मानसिकता और सोच के कारण ही बसपा का गठन हुआ। राहुल से कई सवाल भी किए।

राहुल के कमेंट पर डीयू ने जताई आपत्ति

बयान देने से पहले उन्हें जानकारी तो लेनी थी...

दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) ने राहुल गांधी के बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। डीयू ने कहा कि छात्रों के प्रवेश और शिक्षकों की भर्ती को लेकर जो बातें कही गई हैं, वे सही तथ्यों पर आधारित नहीं है। यसार्वजनिक बयान देने से पहले तथ्यों की सही जानकारी लेना चाहिए। प्रवेश मुख्य रूप से कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट के अंकों के आधार पर किया जाता है।

भर्ती प्रक्रिया पर भी राहुल ने झूठ बोला : डीयू ने कहा कि अगर राहुल का बयान शिक्षकों या अन्य पदों पर भर्ती से जुड़ा था तो यह भी सही नहीं है। भर्तियों में सभी वर्गों को अवसर दिया गया है औरप्रक्रिया तय नियमों और मानकों के अनुसार की जाती है।

खबर संक्षेप

बिहार के नए राज्यपाल हसनैन ने ली शपथ

पटना। बिहार के नए राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने शपथ ले लिया है। उन्होंने हाईकोर्ट के मुख्य

न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन ने शपथ दिलाई। शनिवार सुबह बिहार लोकभवन में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह में सीएम नीतीश कुमार, दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा और कई मंत्री के साथ अधिकारी मौजूद रहे।

एनडीए से गठबंधन नहीं करेगी टीवीके पार्टी

चेन्नई। अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली टीवीके ने तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन

(राजग) के साथ गठबंधन की किसी भी संभावना से शनिवार को इनकार किया। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने पत्रकारों से इनकार कर दिया कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन के लिए बातचीत हो रही है।

मर्डर करके पुलिस के सामने पहुंच गया पति

कल्याण। महाराष्ट्र में कल्याण के उंबर्डे परिसर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक पति

ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने के बाद नासिक गया और सरकारवाड़ा थाने में जाकर पुलिसकर्मियों को हत्या करने की बात बताई। पुलिस को यकीन नहीं हुआ। नासिक पुलिस ने कल्याण की खड़कपाड़ा पुलिस से फौरन संपर्क किया।

10 साल बाद हत्या की आरोपी मां-बेटी अरेस्ट

नई दिल्ली। केरल के कन्नूर जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर हर कोई दंग है। 2016

में एक बुजुर्ग महिला की बेरहमी से हत्या कर फरार हुई दो महिलाओं को पुलिस ने करीब एक दशक बाद गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ी गई आरोपियों की पहचान दिल्ली के नांगलोई की रहने वाली परवीन बानू और उसकी बेटी सकीना फातिमा के रूप में हुई है।

जय माता दी... शर्मा ने वैष्णो देवी में टेका माथा

रियासी। भारतीय क्रिकेट टीम को फाइनल जिताने में युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का अहम रोल रहा

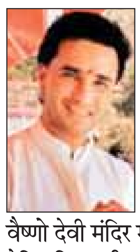

है। आईसीसी टी20 रैंकिंग के नंबर-1 बल्लेबाज शर्मा ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी में पवित्र वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए। ऐतिहासिक जीत के हीरो में से एक रहे अभिषेक ने तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए 'जय माता दी' लिखा।

कोलकाता में भाजपा की मेगा परिवर्तन संकल्प रैली को प्रधानमंत्री मोदी ने किया संबोधित

टीएमसी के किसी अत्याचारी को सरकार छोड़ेगी नहीं, चुन-चुनकर हरेक का हिसाब लेगी, यह अपराधियों की बैशाखी पर चल रही

यहां पर कानून का राज हो गया खत्म, राष्ट्रपति को सम्मान नहीं दिया गया

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ममता सरकार व टीएमसी पर अब तक का सबसे तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वोट बैंक के लिए घुसपैठियों को यहां दिए जा रहे संरक्षण से रोटी, मांटी व बेटी तीनों को खतरा है। विधानसभा चुनाव की घोषणा से ठीक पहले बंगाल के दौरे पर आए पीएम ने कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में भाजपा की मेगा परिवर्तन संकल्प रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार घुसपैठियों को यहां की जमीन पर कब्जा दिला रही है।पीएम ने कहा कि बंगाल के ज्यादातर इलाकों में डेमोग्राफी बदल गई है। टीएमसी सरकार गुंडों व अपराधियों की बैशाखी पर चलती है। पीएम ने सीएम ममता बेनर्जी का नाम लिए बिना उनके हालिया एक बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल के हिंदुओं को खुलेआम धमकी दी जा रही है कि एक समुदाय आपको कभी भी खत्म कर देगी। यह बात अशोभनीय है।

निर्मम सरकार का अंत निकट

पीएम ने लोगों से परिवर्तन का आह्वान करते हुए कहा कि बंगाल से इस निर्मम सरकार का अंत होकर रहेगा। मोदी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में कानून का राज लौटेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार में टीएमसी संरक्षित हर अपराधी व अत्याचारी का चुन-चुन कर हिसाब लिया जाएगा।

रैली में अभिवादन करते प्रधानमंत्री

ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में मोदी की **हुंकार**

'चाई बीजेपी सरकार अबकी बार'

प्रधानमंत्री ने इस दौरान कहा कि बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर भी लिखा जा चुका है और बंगाल के लोगों के दिलों में भी छप चुका है। अब बंगाल से निर्मम सरकार का अंत होकर रहेगा, अब बंगाल से महाजंगलराज का खात्मा होगा।

बंगाल से महाजंगलराज खत्म होगा

प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर निशाना साधा और कहा कि आपका ये उत्साह, जोश बता रहा है कि बंगाल क्या सोच रहा है। ब्रिगेड परेड ग्राउंड का इतिहास साक्षी है कि जब-जब बंगाल देश को दिशा देता है, ये ब्रिगेड मैदान बंगाल की आवाज बनता है। उसका नतीजा ये हुआ कि अंग्रेजों के अत्याचार और लूट का खात्मा हुआ। आज एक बार फिर ब्रिगेड ग्राउंड से नए बंगाल की क्रांति का बिगुल बज गया है। यहां लोगों का उत्साह बता रहा जल्द जंगलराज खत्म होगा।

निर्मम सरकार बौखला गई

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी रैली में आने वाले आप सभी लोगों को चोर कहकर गाली दी है। असली चोर कौन है, ये बंगाल की प्रबुद्ध जनता जानती है। अपनी कुर्सी जाते हुए देखकर यहां की निर्मम सरकार बौखला गई है। सभा को रोकने के लिए निर्मम सरकार ने सारे हथियार निकाल लिए। आप लोगों को आने से रोकने के लिए ब्रिज बंद करवा दिए, गाड़ियां रुकवा दी, ट्रैफिक जाम करवाया, भाजपा के झंडे उखड़वा दिए। निर्मम सरकार देख लो, आज के जनसैलाब को रोक नहीं पाई हो। निर्मम सरकार चाहे अब जितना जोर लगा ले, परिवर्तन की इस आंधी को वो अब रोक नहीं पाएगी।

कटमनी न मिलने से टीएमसी सरकार रोक रही योजनाएं

पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां का युवा न डिग्री ले पा रहा है और न ही उसे रोजगार मिल पा रहा है। आपके बेटे-बेटियों को काम की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करना पड़ता है। पहले कांग्रेस, फिर कम्युनिस्ट और अब टीएमसी... ये आते रहे... अपनी जेबें भरते रहे... और बंगाल में विकास के काम ठप रहे। ये टीएमसी वाले काम नहीं करने देंगे। जब तक इनको अपना कटमनी नहीं मिल जाता, ये किसी भी योजना को बंद कर देते हैं।

राष्ट्रपति का अपमान किया

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी ने राष्ट्रपति का अपमान किया। टीएमसी वाले घुसपैठियों को बुलाते हैं। ये लोग ना काम करेंगे और ना ही करने देंगे। मोदी की गारंटी है कि युवाओं का सपना पूरा करेंगे। जब तक टीएमसी को अपना हिस्सा नहीं मिलता, तब तक योजनाओं को गरीब तक नहीं पहुंचने देते।

रैली से पहले भिड़ी टीएमसी-भाजपा

झड़प, पत्थरबाजी में कई लोग घायल

पीएम मोदी के कोलकाता दौरे से पहले भाजपा और टीएमसी के कार्यकर्ताओं के बीच शहर गिरीश पार्क इलाके में भिड़ंत हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थर भी फेंके। घटना में कई लोगों के चोटिल होने की खबर भी सामने आ रही है। इस घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने मामले को नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

असम को दी 24 हजार करोड़ की सौगात

कांग्रेस का दिमाग जहां से लॉक तो वहीं से हमारा काम अनलॉक

सिलचर में पीएम मोदी

सिलचर। असम के सिलचर में पीएम मोदी ने शनिवार को 24 हजार करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया।अपने संबोधन में पीएम मोदी ने असम की बराक घाटी की अहमियत पर बात करते हुए कहा कि सिलचर को बराक घाटी का गेटवे कहा जाता है। ये वो जगह है, जिसने भाषा, संस्कृति को मिलाकर एक विशेष पहचान बनाई है।

बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनेगी बराक घाटी

पीएम मोदी ने शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। 166 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर की लागत करीब 22,860 करोड़ होगी। इससे असम और मेघालय के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इस कॉरिडोर से गुवाहाटी से सिलचर यात्रा का समय 5 घंटे रह जाएगा।

दक्षिण पूर्व एशिया के बड़े बाजार का रास्ता खुलेगा

पीएम मोदी ने कहा कि आज करीब 24 हजार करोड़ के सिलचर-शिलॉन्ग कॉरिडोर का भूमि पूजन हुआ है। ये उत्तर पूर्व का पहला एक्सेस कंट्रोल्ड हाई स्पीड कॉरिडोर होगा। इस कॉरिडोर से दक्षिण पूर्व एशिया का बाजार खुलेगा।

कांग्रेस ने फूट डालो... का काम किया

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा का मंत्र है- जो विकास के दौड़ में पीछे रह गया, उसे प्राथमिकता देना। कांग्रेस की सरकारें बॉर्डर एरिया को देश के अंतिम गांव मानती थी। कांग्रेस ने यहां फूट डालो की नीति कायम की।

मोगा में चुनावी रैली को गृहमंत्री शाह ने किया संबोधित

केवल भाजपा मिटाएगी पंजाब से नशे का कारोबार, पंजाब में बनेगी भाजपा सरकार

एजेंसी ▶▶ मोगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मोगा, पंजाब में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की स्थिति और लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने 2027 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प दोहराया। शाह ने पंजाब की कानून व्यवस्था, नशाखोरी और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर प्रशासन पर तीखा हमला बोला। शाह ने कहा कि पंजाब वर्तमान में नशीली दवाओं, गैंगस्टरों के आतंक और बढ़ते कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है।

इस दौरान पंजाब सरकार को लिया आड़े हाथ

बदलाव रैली का किया गया आयोजन

किल्ली चहल में भाजपा की 'बदलाव रैली' का आयोजन किया गया है। शाह मुख्य अतिथि के तौर पर केसरिया पगड़ी पहनकर पहुंचे।

आप-दा सरकार ने ड्रग्स में डुबो दिया

शाह ने आप पर तीखा हमला करते हुए कहा कि रिमोट कंट्रोल वाली 'आप-दा सरकार' में राज्य ड्रग्स को कारोबार में डूब गया।

नष्ट करने के प्रयास में फटा विस्फोटक, बच्चे की मौत, पिता जख्मी

नोनी। मणिपुर के नोनी जिले के ताओलिंगपुंग गांव में शनिवार सुबह बम विस्फोट में एक चार वर्षीय बच्चे

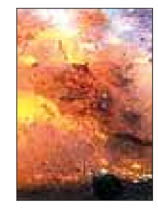

की मौत हो गई। उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना सुबह करीब 8:30 बजे नामकाओलोंग पार्ट-2 इलाके में तब हुई, जब बच्चों के हाथ लगा एक संदिग्ध विस्फोटक अचानक फट गया। बच्चे उसे घर ले आए थे और पिता नष्ट करने का प्रयास कर रहे थे। मृतक बच्चे की पहचान कलाइंगामपौ पामेई (4) के रूप में हुई है।

डब्ल्यूसीएल पहुंचे कोयला एवं खान मंत्री रेड्डी

25 इलेक्ट्रिक वाहनों को हरी झंडी दिखाई प्रोजेक्ट का किया उद्घाटन व शिलान्यास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) के 2 दिनी दौरे में आभासी माध्यम से कई अहम परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने डब्ल्यूसीएल के कार्यों की समीक्षा बैठक की। रेड्डी ने आभासी माध्यम से 25 इलेक्ट्रिक वाहनों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने नागपुर के कामठी क्षेत्र में ब्लैक डायमंड स्पोर्ट्स स्टेडियम, वानी क्षेत्र के ताडाली में स्वामी विवेकानंद इको पार्क और बल्लारपुर क्षेत्र की सास्ती ओपन कास्ट खदान को सौगातें दी।

रिमोट से किया कार्यक्रम

कोयला उत्पादन व सुरक्षा कार्यों की समीक्षा की

मंत्री ने कोयला उत्पादन, सुरक्षा, सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की परियोजनाओं से संबंधित डब्ल्यूसीएल के कार्यों की समीक्षा की। रेड्डी ने टीम डब्ल्यूसीएल की कार्य संस्कृति और प्रदर्शन की सराहना की और चालू वित्त वर्ष में बेहतर परिणामों की उम्मीद जताई। डब्ल्यूसीएल की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की।

भारत में पहली बार इच्छामृत्यु की प्रक्रिया शुरू

हरीश राणा एम्स लाए गए,अब धीरे-धीरे हटेगा लाइफ सपोर्ट

एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में गोपनीय तरीके से शिफ्ट किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली/गाजियाबाद

जिले के राजनगर एक्सटेंशन स्थित राज एंपायर सोसाइटी के निवासी 32 वर्षीय हरीश राणा को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर परोक्ष इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेशिया) के लिए एम्स दिल्ली के पैलिएटिव केयर विभाग में गोपनीय तरीके से शिफ्ट कर दिया गया है। यह पूरी कार्रवाई सीएमओ की देखरेख में की गई यह भारत में पहला ऐसा मामला है जहां सुप्रीम कोर्ट ने किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु की अनुमति दी है।

वर्ष 2013 से कोमा में हैं हरीश

हरीश 2013 में चंडीगढ़ में एक हादसे में चौथी मंजिल से गिरने के बाद स्थायी वेजिटेटिव स्टेट में हैं।13 वर्षों से वे अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े हुए हैं और लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर निर्भर हैं। उनके माता-पिता ने सुप्रीम कोर्ट में लाइफ सपोर्ट हटाने की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है।एम्स की मेडिकल रिपोर्ट में भी हरीश के ठीक होने की कोई संभावना नहीं बताई गई थी।

एम्स निदेशक ही जारी करेंगे बयान

बताया जा रहा कि उन्हें गाजियाबाद से एम्स तक एक ऐसे वाहन में लाया गया जिसमें एंबुलेंस की सुविधाएं तो थीं लेकिन बाहर से कोई प्रतीक नहीं था। डॉक्टरों का कहना है कि हरीश राणा को एम्स लाने में जीवन रक्षक प्रणाली की जरूरत नहीं थी।

पैलिएटिव केयर को जानें

एम्स चिकित्सकों के अनुसार पैलिएटिव केयर में ऐसी चिकित्सा देखभाल होती है, जिसका उद्देश्य गंभीर या असाध्य बीमारी से पीड़ित मरीज को आराम देना और उसकी जीवन गुणवत्ता बेहतर बनाना होता है। बीमारी को ठीक करने के बजाय मरीज के दर्द, सांस लेने में तकलीफ, घबराहट, बेचैनी या अन्य शारीरिक-मानसिक परेशानियों को कम करने पर ध्यान दिया जाता है। डॉक्टर, नर्स, काउंसलर मरीज और उसके परिवार की सहायता करते हैं।

आईटी डिपार्टमेंट ने दिया स्पष्टीकरण

टैक्सपेयर्स को मिले गलत ईमेल, हल निकाला जा रहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टैक्सपेयर्स को 'महत्वपूर्ण लेनदेन' से जुड़े गलत जानकारी वाले ईमेल मिलने के मामले में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने स्पष्टीकरण दिया है। विभाग ने शनिवार को अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट किया है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इस पोस्ट में स्वीकार किया कि टैक्सपेयर्स को गलत जानकारी वाले ईमेल मिले हैं और इसके लिए विभाग ने टैक्सपेयर्स को हुई असुविधा के लिए खेद भी प्रकट किया है। विभाग ने पोस्ट में कहा कि हमें जानकारी

मिली कि कुछ टैक्सपेयर्स को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए चल रहे एडवांस टैक्स ई-कैंपेन के तहत उनके द्वारा किए गए 'महत्वपूर्ण लेनदेन' के बारे में गलत जानकारी वाले ईमेल मिले हैं। ड इस गलती को हमारे संज्ञान में लाने के लिए टैक्सपेयर्स का धन्यवाद करता है। हम सर्विस प्रोवाइडर संग मामले को सुलझाने काम कर रहे हैं।

ईरान के खर्ग द्वीप की उपग्रह से ली गई तस्वीर

खर्ग द्वीप पर अमेरिका द्वारा किए हमले

यहां के टर्मिनलों में हर दिन करीब 70 लाख बैरल कच्चा तेल लोड करने की क्षमता

अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर ईरान के 90 से अधिक सैन्य ठिकानों पर किया हमला

समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों के जरिए ईरान प्रमुख तेल क्षेत्रों से जुड़ा

अब ईरान अमेरिकी तेल और ऊर्जा परियोजनाओं को निशाना बनाएगा

सऊदी अरब में एयर बेस पर ईरान का हमला, 5 अमेरिकी विमान क्षतिग्रस्त

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बोले यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के एक अहम ठिकाने पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़े पैमाने पर बमबारी कर वहां मौजूद सभी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है।

ट्रंप के अनुसार यह हमला अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से किया गया और इसका उद्देश्य ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करना था। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक था। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने खार्ग द्वीप पर मौजूद सभी सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाया और उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका ने जानबूझकर द्वीप के तेल ढांचे को निशाना नहीं बनाया, ताकि ऊर्जा आपूर्ति पर असर न पड़े।

नौसैनिक खदान और मिसाइल भंडारण बंकर नष्ट

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी सेना ने शुक्रवार रात ईरान के खर्ग द्वीप पर एक व्यापक और सटीक हमला किया। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने खारग द्वीप पर ईरान के 90 से ज़्यादा सैन्य ठिकानों पर सफलतापूर्वक हमला किया और तेल बुनियादी ढांचे को सुरक्षित रखा। अमेरिकी सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इस हमले में नौसैनिक खदान भंडारण सुविधाएं, मिसाइल भंडारण बंकर और कई अन्य सैन्य स्थल नष्ट हो गए।

अमेरिका को नहीं छोड़ेंगे: ईरान

ईरान की सेना ने चेतावनी दी है कि यदि उसके तेल ढांचे पर हमला किया गया तो वह क्षेत्र में अमेरिकी हिस्सेदारी वाली तेल और ऊर्जा परियोजनाओं को निशाना बनाएगी। सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे सभी ठिकानों को नष्ट कर दिया जाएगा। यह बयान उस समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खार्ग द्वीप पर ईरानी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया है।

खर्ग द्वीप ईरान की जीवनरेखा

यहां से 90 फीसदी कच्चा तेल निर्यात होता है

खर्ग द्वीप ईरान की जमीन से करीब 50 किमी दूर फारस की खाड़ी में स्थित है। सिर्फ 6 से 8 किमी लंबे इस द्वीप को कूटनीतिक तौर पर ईरान की लाइफलाइन माना जाता है। ईरान द्वारा निर्यात किया जाने वाला लगभग सारा तेल इसी द्वीप से गुजरता है। खर्ग द्वीप, ईरान का सबसे संवेदनशील आर्थिक इलाका है। इसकी वजह है यहां के तेल निर्यात टर्मिनल, जहां से दुनिया भर में तेल की आपूर्ति की जाती है। इस द्वीप से ईरान का करीब 90 फीसदी कच्चा तेल निर्यात होता है। यहां के टर्मिनलों में हर दिन करीब 70 लाख बैरल कच्चा तेल लोड करने की क्षमता है। कच्चे तेल के व्यापार का केंद्र होने के नाते यह द्वीप ईरान की सरकार की आय का मुख्य स्त्रोत बन जाता है, जिससे ईरानी नौकरशाही और ईरान की सेना के वेतन का भुगतान होता है। इस द्वीप पर बड़े स्टोरेज टैंक हैं और यह द्वीप समुद्र के नीचे बिछी पाइपलाइनों के जरिए दक्षिणी ईरान के प्रमुख तेल क्षेत्रों से जुड़ा है। यही वजह है कि इस द्वीप को ईरान की जीवनरेखा भी कहा जाता है।

ईरान ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' की 46वीं लहर शुरू की

ईरान के खतम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता एब्राहीम जोल्फाघरी ने शनिवार को टीवी पर संदेश जारी करते हुए कहा कि अमेरिका और जायनिस्ट हर उस खून की कीमत चुकाएंगे जो अन्याय से बहाया गया और हुए नुकसान का मुआवजा देंगे। जोल्फाघरी ने बताया कि ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम्स ने देश के आकाश की रक्षा के तहत कई ड्रोन नष्ट किए हैं। उन्होंने कहा कि फिरोजाबाद और बंदर अब्बास में दो एमक्यू9 ड्रोन और तब्रिज के आसमान में एक ड्रोन को रोककर गिराया गया। उन्होंने दावा किया कि अब तक कुल 112 ड्रोन और लड़ाकू विमान नष्ट किए जा चुके हैं, जिनमें लड़ाकू, निगरानी और सुसाइड ड्रोन शामिल हैं।

इजराइली हमले से लेबनान में 2 स्वास्थ्यकर्मियों की मौत

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इजराइल के हवाई हमले में दो स्वास्थ्यकर्मियों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। मंत्रालय के अनुसार हमला एक संयुक्त मेडिकल पॉइंट पर हुआ, जिसे इस्लामिक हेल्थ अथॉरिटी और इस्लामिक मैसेज स्काउट्स मिलकर चला रहे थे। मंत्रालय ने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षा देना अंतरराष्ट्रीय कानून में स्पष्ट रूप से तय है, इसके बावजूद पैरामेडिक्स को निशाना बनाना बेहद खतरनाक और अस्वीकार्य कदम है।

सऊदी के प्रिंस सुल्तान एयर बेस पर ईरान के हमले में क्षतिग्रस्त अमेरिकी लड़ाकू विमान

ईरान ने सऊदी के प्रिंस सुल्तान एयर बेस को भी निशाना बनाया और खूब बम बरसाए। इन हमलों में वहां खड़े पांच अमेरिकी वायु सेना के पांच रिफ्यूअलिंग (तेल भरने वाले) विमान क्षतिग्रस्त हो गए। सूत्रों के अनुसार, विमान पूरी तरह नष्ट नहीं हुए हैं और उन्हें मरम्मत के लिए भेजा गया है। हमले में किसी के घायल होने या मौत की सूचना नहीं मिली है।

बगदाद में अमेरिकी दूतावास परिसर पर ईरानी हमला

बगदाद में स्थित अमेरिकी दूताास के परिसर के अंदर एक मिसाइल आकर गिरी, जिससे वहां के हेलिपैड को निशाना बनाया गया। इस हमले की जानकारी दो इराकी सुरक्षा अधिकारियों ने दी है। शनिवार सुबह दूतावास परिसर के ऊपर धुएं का गुबार उठता हुआ दिखाई दिया।

भारत में ईरान के प्रतिनिधि बोले

हम युद्ध नहीं चाहते, वैश्विक नेता जंग रुकवाएं

पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने स्पष्ट किया है कि ईरान युद्ध नहीं चाहता था। इलाही ने आरोप लगाया कि जब वे बातचीत की मेज पर थे, तब उन पर हमला किया गया और इसी से इस युद्ध की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि ये वैश्विक समस्याएं और संघर्ष ईरान की वजह से नहीं हैं, बल्कि दूसरे पक्ष द्वारा पैदा किए गए हैं। ईरान दूसरे लोगों की पीड़ा, गैस, पेट्रोल या तेल की कमी से खुश नहीं है। इलाही ने दुनिया के नेताओं से अपील की कि यह उनका कर्तव्य और जिम्मेदारी है कि वे संयुक्त राज्य अमेरिका पर दबाव डालें। उन्होंने आग्रह किया कि वैश्विक नेता अमेरिका से कहें कि इस युद्ध को रोका जाए, क्योंकि लोग पीड़ित हैं।

ट्रंप के धार्मिक पैनल से मुस्लिम महिला ने दिया इस्तीफा

व्हाइट हाउस धार्मिक स्वतंत्रता आयोग में सेवा देने वाली एक मात्र मुस्लिम महिला समीरा मुंशी,ने इस्तीफा दे दिया है, जिन्हें 2025 में ट्रंप ने नियुक्त किया था। समीरा ने घोषणा की कि वह ट्रंप प्रशासन के अन्याय और अत्याचारों के कारण पद छोड़ रही है। ये अत्याचार अमेरिका और विदेशों, दोनों जगह पर हो रहे हैं। एक्स पर उन्होंने कहा कि वह ईरान के खिलाफ अमेरिका सरकार के अवैध युद्ध से बहुत परेशान हैं। उन्होंने तर्क दिया कि यह सैन्य कार्रवाई अमेरिका संविधान या कांग्रेस की उचित मंजूरी के बिना शुरू की गई थी।

मोजतबा खामेनेई पर 1 करोड़ डॉलर का इनाम

अमेरिका के 'रिवॉर्ड्स फॉर जस्टिस' कार्यक्रम ने तहत ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई समेत 10 शीर्ष नेताओं की जानकारी देने पर 10 मिलियन डॉलर (करीब 83 करोड़ रुपए) तक का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी विदेश विभाग का आरोप है कि ये नेता आईआरजीसीके जरिए आतंकवादी गतिविधियों और अमेरिकी ठिकानों पर हमलों से जुड़े नेटवर्क का संचालन करते हैं। खामेनेई के अलावा सूची में अली लारीजानी, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी और पूर्व संसद अध्यक्ष; एस्कंदर मोमेनी, ईरान के वर्तमान गृह मंत्री; इस्माइल खतीब, खुफिया और सुरक्षा मंत्री; अली असगर हेजाजी, दिवंगत अली खामेनेई के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ भा शामिल हैं।

खबर संक्षेप

मस्क की टीम में शामिल हुए भारतीय मूल के देवेंद्र

नई दिल्ली। भारतीय मूल के एआई और रोबोटिक्स विशेषज्ञ देवेंद्र चपलोट दुनिया के मशहूर

उद्योगपति एलन मस्क के साथ काम करेंगे। एलन मस्क ने उन्हें अपनी एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप एक्सएआई की टीम में शामिल किया है। देवेंद्र चपलोट ने बताया कि वह एलन मस्क की टीम के साथ मिलकर 'सुपरइंटेलिजेंस' बनाने के लिए काम करेंगे।

नीदरलैंड के यहूदी स्कूल में धमाका, सब सुरक्षित

एम्स्टर्डम। नीदरलैंड के एम्स्टर्डम के एक यहूदी स्कूल में शनिवार की सुबह हुए विस्फोट ने शहर को

हिलाकर रख दिया। एम्स्टर्डम की मेयर फेमके हलसेमा ने इसे यहूदी समुदाय के खिलाफ जानबूझकर हमला करार दिया। शहर के दक्षिणी हिस्से में स्थित इस उच्च वर्ग के आवासीय इलाके में हुए विस्फोट से स्कूल को सीमित नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी को चोट नहीं आई। पुलिस जांच में जुट गई है।

ट्रंप समर्थक लूमर ने भारत से मांगी माफी

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजनीतिक कार्यकर्ता और कट्टर ट्रंप समर्थक लॉरा लूमर ने पूर्व में

भारत और भारतीयों के लिए की गई अपनी टिप्पणियों के लिए माफी मांगी है। लॉरा ने कहा कि उनके दिल में भारत के लिए नफरत नहीं है और उन्होंने जो भी कहा, वह अपने देश और देशवासियों के प्रति प्यार के चलते कहा।

पश्चिम एशिया संकट पर विदेश मंत्रालय ने दी अहम जानकारी, प्रवक्ता जायसवाल बोले

बेहद जटिल स्थिति से निपट रहे, ऊर्जा सुरक्षा प्राथमिकता, सभी 'कूटनीति' से हल निकालें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विभिन्न राजनीतिक और राजनयिक स्तरों पर संपर्क बनाए रखा

ईरानी युद्धपोत अभी कोच्चि बंदरगाह पर ही ठहरा हुआ

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच शनिवार को भारत ने सुरक्षित ऊर्जा आपूर्ति और सामान के निर्बाध आवागमन की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा है कि स्थिति बेहद जटिल है। इस संकट पर एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संघर्ष शुरू होने के बाद से भारत लगातार संवाद और तनाव कम करने की अपील करता रहा है।

उन्होंने भारत की प्राथमिकताओं पर जोर देते हुए कहा कि सामान और ऊर्जा की आपूर्ति निर्बाध जारी रहनी चाहिए और नागरिक ढांचे, खासकर ऊर्जा से जुड़ी सुविधाओं पर हमले से बचना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल

संघर्ष का प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा

जायसवाल ने कहा कि संघर्ष का प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। भारत ने लगातार जोर दिया है कि माल और ऊर्जा के निर्बाध परिवहन को सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकताओं में से एक रहा है। हमने पूरे क्षेत्र में ऊर्जा सहित नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने से बचने का भी आह्वान किया है। हमारा मानना है कि वैश्विक समुदाय के एक बड़े हिस्से की भी यही प्राथमिकताएं हैं।

ब्रिक्स देश में राय बनाने की कोशिश जारी

प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिक्स के सदस्य देश पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति में सीधे तौर पर शामिल हैं। ब्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में हम, शेरपा चैनल के माध्यम से ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच चर्चा को सुगम बना रहे हैं। ब्रिक्स के शेरपाओं की पिछली बैठक 12 मार्च को ऑनलाइन हुई थी। हम एक राय बनाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अलग-अलग विचारों के कारण यह मुश्किल हो रहा है। जायसवाल ने कहा, हमारा नेतृत्व भी बातचीत में लगा हुआ है। वह ब्रिक्स के सदस्य देशों का साथ जुड़ा हुआ है और हम भी ब्रिक्स के सदस्य देशों के साथ बातचीत जारी रखेंगे।

सभी से बातचीत जारी

प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्यों, ईरान, अमेरिका और इजराइल सहित सभी पक्षों से वार्ताकारों के जरिए विभिन्न राजनीतिक और राजनयिक स्तरों पर संपर्क बनाए रखा है, ताकि उनके बातचीत की जा सके और अपनी प्राथमिकताओं पर जोर दिया जा सके, खासकर ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी प्राथमिकता। पीएम ने क्षेत्र में अपने समकक्षों से बात की है। पिछले कुछ दिनों में विदेश मंत्री और हमारे दूतावास भी अपने वार्ताकारों के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं।

ईरानी नागरिकों को भेजा

जायवाल ने बताया कि भारत ने अपने यहां फंसे हुए ईरानी नागरिकों को वापस भेजने के लिए एक चार्टर्ड उड़ान की व्यवस्था की, जिनमें वे ईरानी भी शामिल थे, जो पर्यटक के रूप में भारत आए थे या यहां राजनयिक के रूप में तैनात थे। यह उड़ान कल रात कोच्चि से रवाना हुई। यात्रियों में आईआरआईआईएस लावन के चालक दल के गैर-जरूरी सदस्य भी शामिल थे। यह ईरानी युद्धपोत अभी कोच्चि बंदरगाह पर ठहरा हुआ है।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया के अभ्यास के बीच

उत्तर कोरिया ने दागी 10 मिसाइलें समुद्र में गिरीं, कोई हताहत नहीं

मिसाइलों ने 350 किमी तक उड़ान भरी

एजेंसी ⏭ सिओल

उत्तर कोरिया ने शनिवार को पूर्वी सागर की ओर करीब 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि यह प्रक्षेपण ऐसे समय किया गया, जब दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास जारी है। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के मुताबिक, मिसाइलें प्योंगयांग के पास सुनान क्षेत्र से दागी गईं। इन मिसाइलों ने लगभग 350 किलोमीटर तक उड़ान भरी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी पुष्टि की कि ये हथियार जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के बाहर समुद्र में गिरे और किसी नुकसान की खबर नहीं है। दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा है कि उसने निगरानी बढ़ा दी है और किसी भी अतिरिक्त लॉन्च की आशंका को देखते हुए पूरी तैयारी बनाए रखी है। सियोल, वॉशिंगटन और टोक्यो घटनाक्रम को लेकर सूचनाएं साझा कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन

सैन्य अभ्यास हमले की तैयारी: उत्तरी कोरिया

यह मिसाइल परीक्षण ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया का वार्षिक फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास 9 मार्च से 19 मार्च 2026 तक चल रहा है। इस अभ्यास का मकसद दोनों देशों की संयुक्त सैन्य क्षमता और युद्धक तैयारियों को परखना बताया गया है। उत्तर कोरिया लंबे समय से अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों को हमले की तैयारी बताता रहा है। इसी पृष्ठभूमि में किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने हाल ही में चेतावनी दी थी कि अगर उत्तर कोरिया की सुरक्षा को चुनौती दी गई तो इसके भयानक परिणाम होंगे। तनाव इसलिए भी बढ़ा हुआ है क्योंकि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी मिसाइल रक्षा प्रणालियों, जैसे थाड और पैट्रियट, के संभावित पुनर्स्थापन को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण का दावा

अरुणाचल में 189 वर्षों बाद दुर्लभ पौधे की प्रजाति मिली, सीएम ने दी 'बधाई'

एजेंसी ⏭ ईटानगर

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के वैज्ञानिकों को अरुणाचल प्रदेश में पाई जाने वाली एक दुर्लभ पौधे की प्रजाति 189 साल बाद दिखी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि यह प्रजाति 189 वर्ष पहले लोहित जिले में एक क्षेत्रीय सर्वेक्षण के दौरान अंतिम बार दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि 'हेंकेलिया मोनोफिला' नामक इस प्रजाति का दस्तावेजी उल्लेख 19वीं सदी की शुरुआत के बाद से नहीं मिला था इसलिए यह खोज पूर्वी हिमालय के वानस्पतिक अभिलेखों में एक महत्वपूर्ण योगदान है। हेंकेलिया मोनोफिला एक बारहमासी शाकीय

सीएम पेमा खांडू

हेंकेलिया मोनोफिला

पौधा है जो आमतौर पर आर्द्र वन वातावरण में पाया जाता है। अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने 189 साल बाद यह प्रजाति मिलने पर वैज्ञानिकों को बधाई दी। सीएम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अरुणाचल प्रदेश में पाई जाने वाली एक दुर्लभ पौधे की प्रजाति हेंकेलिया मोनोफिला के लगभग 189 वर्षों के बाद फिर से मिलने के बारे में जानकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई।

भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी वैलेटा पहुंचा

भारत-माल्टा समुद्री संबंधों को मिली मजबूती, आपसी सहयोग बढ़ेगा

माल्टा से पहले स्वेज नहर पार की, अगला पड़ाव फ्रांस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी 12 मार्च 2026 को माल्टा के ऐतिहासिक बंदरगाह वैलेटा पहुंचा। यह उसके ऐतिहासिक समुद्री अभियान लोकायान-26 का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह यात्रा भारत और माल्टा के बीच गहरे समुद्री संबंधों को दर्शाती है और पोत की महत्वाकांक्षी 22,000 समुद्री मील की वैश्विक यात्रा का अहम चरण है। वैलेटा पहुंचने से पहले पोत ने स्वेज नहर को सफलतापूर्वक पार किया और हाल ही में अलेक्जेंड्रिया में भी ठहराव किया था।

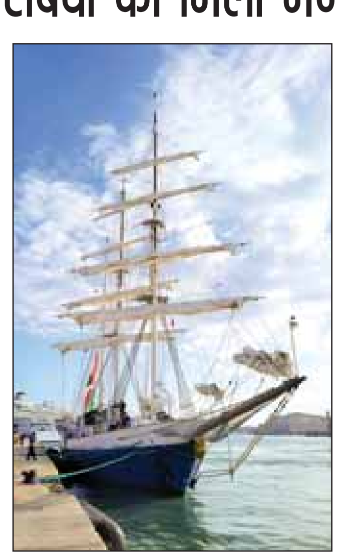

आईएनएस सुदर्शिनी वैलेटा बंदरगाह पर

उच्चायुक्त से पोत के कमांडिंग अधिकारी की मुलाकात

रचिता भंडारी से पोत कमांडर की भेंट

आगमन के बाद पोत के कमांडिंग अधिकारी ने माल्टा गणराज्य में भारत की उच्चायुक्त रचिता भंडारी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में भारतीय नौसेना की भूमिका पर चर्चा हुई। उच्चायुक्त ने कहा कि माल्टा में आईएनएस सुदर्शिनी की उपस्थिति महासागर परियोजना की परिकल्पना का सशक्त प्रतीक है। यह समुद्री सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ जन-जन के संबंधों को भी बढ़ावा देती है।

खबर संक्षेप

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अनर्गल टिप्पणी मामले में कांग्रेस नेता गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पीसीसी संयुक्त महामंत्री विनोद तिवारी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित विवादित टिप्पणी करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन्हें उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले से हिरासत में लिया है। बताया जाता है कि विनोद तिवारी कौशांबी में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान दिल्ली पुलिस की टीम ने दबिश दी। उन्हें हिरासत में लेकर मामले की जांच पड़ताल में लगी है। चर्चा है कि यह कार्रवाई तीन फरवरी को सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के खिलाफ की गई एक पोस्ट के मामले में की गई है। इस पोस्ट को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के बाद पुलिस टीम ने कौशांबी पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार किया है।

कांग्रेस को हर मोहल्ले तक मजबूत किया जाएगा: पटवारी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इंदौर जिले की सांवेर एवं राऊ विधानसभा के विभिन्न ब्लॉकों में आयोजित 'ब्लॉक स्तरीय पंचायत समिति कार्यकर्ता सम्मेलन' में भाग लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम के अंतर्गत सांवेर विधानसभा के पालिया, सांवेर, क्षिप्रा एवं खुड़ैल ब्लॉक तथा राऊ विधानसभा के रालामंडल ब्लॉक में सम्मेलन आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस संगठन को हर मोहल्ले और हर वार्ड तक मजबूत किया जाएगा उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विश्वास जताया कि "संगठन की मजबूती और जनता के विश्वास के बल पर वर्ष 2028 में मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनेगी।" इस अवसर पर महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रीना बोरासी, इंदौर जिला कांग्रेस (ग्रामीण) अध्यक्ष विपिन वानखेड़े सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऐशबाग में 81, छोला, नारियलखेड़ा की गलियों में बढ़ेंगे प्रॉपर्टी के 20 फीसदी दाम

शाहजहांनाबाद, रंभा नगर, ओल्ड डेयरी की गलियों में भी मकान खरीदना होगा महंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पंजीयन विभाग शहर की मुख्य सड़कें, पॉश कॉलोनियों के साथ गलियों के मकानों से भी अपनी आमदनी बढ़ाने की तैयारी कर रहा है, जिसके लिए पुराने शहर की अधिकतर गलियों के मकानों के भी बढ़े हुए दाम प्रस्तावित किए गए हैं। हालात यह हैं कि ऐशबाग इलाके की गलियों के मकानों के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी प्रस्तावित कर दी गई है।

यहां अहाता मनकशा और अहाता सिकंदरकुली एरिया में 81 फीसदी की बढ़ोतरी प्रस्तावित की है। यहां वर्तमान में 8 हजार 800 रुपए प्रति वर्गमीटर का रेट है, जिसके बढ़ाकर 16 हजार किया जा रहा है। इसके साथ यहां व्यावसायिक प्रॉपर्टी के दाम भी 81 फीसद बढ़ाए गए हैं। पंजीयन विभाग ने एक अप्रैल से लागू होने वाली प्रॉपर्टी की नई गाइडलाइन को लेकर 628 लोकेशन पर बढ़ोतरी प्रस्तावि कर दी है। जबकि 795 लोकेशन को अधिक दाम वाली लोकेशन में मर्ज किया जा रहा है। जिससे इन जगहों पर भी प्रॉपर्टी खरीदना महंगा हो जाएगा। इस बार पंजीयन अफसरों ने एक फार्मूले के आधार पर प्रॉपर्टी के दामों में बढ़ोतरी प्रस्तावित की है। अधिकतर जगहों पर दस से बीस फीसद की बढ़ोतरी प्रस्तावित की है। अफसरों का कहना है कि पुराने शहर में रीसेल वाली प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री हो रही हैं। इसलिए यहां बढ़े हुए दाम प्रस्तावित किए गए हैं।

पंजीयन विभाग मुख्य सड़कों के साथ गलियों से भी करेगा ज्यादा कमाई

प्रतीकात्मक फोटो।

आपत्तियो का किया जा रहा निराकरण

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक में प्रस्ताव रखने के बाद पंजीयन विभाग के अफसरों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन दावे-आपत्तियां लेना शुरु कर दिया है। अब तक दोनों माध्यमों से करीब सौ आपत्तियां आई हैं। जिनका निराकरण किया जा रहा है।

इन जगहों पर प्रस्तावित किए बढ़े हुए रेट

लोकेशन	वर्तमान(आ/व्या)		बढ़ोतरी%
अहाता मनकशां	8800/13200	16000/24000	81/81
सिकंदरकुली	8800/13200	16000/24000	81/81
फरहतअफजागली	10400/15600	13000/19500	25/20
पुतलीघर गलियां	10000/15000	12000/18000	20/20
छोला गलियां	10000/15000	12000/18000	20/20
रंभा नगर	10000/15000	12000/18000	20/20
दुर्गानगर अंदर	10000/15000	12000ध18000	20/20
इस्लामीगेट अंदर	10000/15000	12000/18000	20/20
नारियलखेड़ा	12000/18000	14000/20000	16//11
रिसालदार कॉ	10000/15000	12000/18000	20/20
ओल्डडेयरी जहां	11000/16500	12000/18000	9/9

नोट- आवासीय और व्यावसायिक प्रॉपर्टी की राशि प्रति वर्गमीटर में है।

बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश, मंत्री गोविंद, चैतन्य ने समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

एलपीजी गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए उपभोक्ताओं को किसी भी तरह की न हो कोई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक घटनाक्रम एवं मध्य पूर्व देशों में तनाव से पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा के लिए गठित मंत्रि मंडल समिति की बैठक शुक्रवार को मंत्रालय में हुई। बैठक में घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने, एजेंसियों के माध्यम से वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की गई। अधिकारियों से कहा गया कि प्रदेश के सभी जिलों में एलपीजी गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में प्रदेश के प्रवासियों को खाड़ी देशों से सुरक्षित लाने के लिए किए गए उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस दौरान बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने समीक्षा कर निर्देश दिए। मंत्री काश्यप वर्चुअली शामिल हुए। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण रश्मि अरुण शमी ने पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता एवं प्रदेश के प्रवासियों को खाड़ी देशों से वापस लाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान सचिव गृह कृष्णावेनी देसाबातू, आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा, ऑयल कम्पनियों के अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खास बातें

- सभी जिलों में एलपीजी गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए
- उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो

हाईलेवल समीक्षा बैठक।

कालाबाजारी को रोकने करें समुचित कार्रवाई

खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश में पेट्रोलियम पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। गैस एजेंसियों और तेल कंपनियों के साथ समन्वय बनाकर मांग और आपूर्ति की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए, जिससे किसी क्षेत्र में सिलेंडर की कमी की स्थिति न बने। उन्होंने बताया कि पेट्रोल, डीजल, एटीएस, क्रूड ऑयल एवं घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता है। निरंतर आपूर्ति जारी है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत निरंतर कार्रवाई की जा रही है। अभी तक 115 स्थानों पर जांच की गई है।

अनियमितता या विलंब की शिकायत पाए जाने पर करें तत्काल कार्रवाई

बैठक में गैस एजेंसियों के संचालन, सिलेंडर वितरण की समयबद्धता और उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। मंत्रिमंडल समिति ने निर्देश दिए कि यदि कहीं वितरण व्यवस्था में अनियमितता या विलंब की शिकायत मिलती है, तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाए। धिकारियों से कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में एलपीजी की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

गैस सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक

आयल कंपनियों ने कहा कि गैस सिलेंडर का पर्याप्त स्टॉक वाटलिंग प्लांट एवं वितरकों के गोदाम में उपलब्ध है। आशंकित उपभोक्ताओं की ओर से अत्यधिक गैस सिलेंडर की बुकिंग के कारण सर्वर पर अतिरिक्त लोड आने से असुविधा हो रही थी। पेट्रोलियम मंत्रालय के निर्देश अनुसार घरेलू उपभोक्ताओं की ओर से अंतिम रिफिल के 25 दिन बाद पुनः बुकिंग कराई जा सकेगी।

पोर्टल में तकनीकी खराबी आने के कारण समस्या

मंत्री काश्यप ने कहा कि सिलेंडर बुकिंग के लिए बनाए गए पोर्टल में तकनीकी खराबी आने के कारण समस्या हुई। इसे दुरुस्त किया जाए। एजेंसियों में आवश्यकता अनुसार ऑफलाइन बुकिंग भी की जाए। देश की रिफायनरी उच्च क्षमता पर कार्य कर रही है तथा पश्चिम एशिया के अतिरिक्त अन्य स्थानों से भी कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। घरेलू पीएनजी तथा सीएनजी की आपूर्ति भी निरंतर जारी है। बिना कटौती के जारी रहेगी।

घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को लेकर गाइडलाइन
दूसरा सिलेंडर लेने 25 दिन में होगी बुकिंग

शहर में कमर्शियल सिलेंडरों की सप्लाई पर रोक लगाने और घरेलू सिलेंडरों की सप्लाई को लेकर शुक्रवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने गाइडलाइन जारी कर दी है। जिसके तहत एक सिलेंडर बुक करने के बाद दूसरे सिलेंडर की बुकिंग 25 दिन बाद ही हो सकेगी। होटलों पर डीजल भट्टी का उपयोग शुरू लालघाटी स्थित एक मैरिज गार्डन में सिलेंडर के इंतजाम नहीं होने की वजह से डीजल भट्टी का इस्तेमाल शुरू कर दिया गया है। हालांकि एक दो दिन के बाद शादियों का सीजन बंद हो जाएगा। होटल कारोबारियों ने वैकल्पिक इंतजाम के लिए बड़े इंडक्शन और डीजल भट्टियां खरीदना शुरु कर कर दिया है।

यह भी निर्देश किए जारी

- ▶▶ पैनिक बुकिंग से बचने की अपील
  अफसरों ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि गैस का पर्याप्त स्टॉक है। घबराहट में बुकिंग न करें, जिससे वितरण सिस्टम पर असर पड़ता है।
- ▶▶ बिना लाइसेंस 100 किलोग्राम तक ही एलपीजी स्टोरेज
  व्यावसायिक प्रतिष्ठान बिना विस्फोटक लाइसेंस के अधिकतम 100 किलोग्राम तक एलपीजी का भंडारण कर सकते हैं। इससे अधिक के लिए मैनिफोल्ड सिस्टम अनिवार्य होगा।
- ▶▶ होटल-रेस्टोरेंट को गैस खपत कम करने की सलाह
  संचालकों से कहा गया है कि गैस की खपत कम करने के लिए इलेक्ट्रिक तंदूर का उपयोग करें और मेन्यू को छोटा रखें। गैस की खपत कम करने के लिए डीजल स्टोव, लकड़ियां (सीमित मात्रा में) इलेक्ट्रिक इंडक्शन सहित अन्य विकल्पों के उपयोग की अपील की गई है।
- ▶▶ शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर
  किसी भी समस्या या शिकायत के लिए एलपीजी हेल्पडेस्क कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 9685404087 पर संपर्क किया जा सकता है।

खाद्य विभाग की टीम ने विशेष जांच अभियान के तहत की कार्रवाई

कालाबाजारी पर चला प्रशासन का चाबुक, 350 सिलेंडर जब्त

घरेलू सिलेंडर का कर रहे थे कमर्शियल काम के लिए उपयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और कालाबाजारी के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिला प्रशासन के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने विशेष जांच अभियान चलाकर कई स्थानों पर छापेमार कार्रवाई की।

इस दौरान 350 से अधिक घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडर जब्त किए गए। यह कार्रवाई कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर की गई। जांच टीम ने जिले के अलग-अलग विकासखंडों में होटल, दुकानों और गैस एजेंसियों की जांच कर अनियमितताओं का पता लगाया। जांच के दौरान धरसींवा विकासखंड के सेजबहार क्षेत्र में स्थित एक होटल में घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करते पाया गया। यहां से 14.2 किलोग्राम क्षमता के 8 सिलेंडर जब्त किए गए। इसी इलाके में एक चिकन सेंटर से भी 3 घरेलू सिलेंडर बरामद किए गए, जिनका उपयोग व्यवसाय में किया जा रहा था।

ग्रामीण गैस एजेंसी की भी की जांच

वहीं अभनपुर-नवापारा क्षेत्र में एक दुकान में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी का मामला सामने आया। यहां से 14.2 किलोग्राम क्षमता के 26 घरेलू सिलेंडर, 19 किलोग्राम क्षमता के 2 व्यावसायिक सिलेंडर और 5 किलोग्राम क्षमता के 4 सिलेंडर जब्त किए गए।

लाखों का सामान एवं कीमत उपकरण भी खाक

ई-रिक्शा शोरूम एवं गोदाम में लगी भीषण आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबिकापुर

शहर के संजय पार्क रोड स्थित मयूरी ई-रिक्शा शोरूम एवं गोदाम में शनिवार की दोपहर अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते शोरूम और गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। बताया जा रहा है कि गोदाम में बड़ी मात्रा में ई-रिक्शा से जुड़े उपकरणों के साथ-साथ डीजे साउंड सिस्टम का भी सामान रखा हुआ था, जो आग की चपेट में आकर पूरी तरह नष्ट हो गया। आग लगने के दौरान क्षेत्र में धुएं का गुबार उठने लगा, जिससे आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

तखतपुर के लाखासार में 25 एकड़ में विकसित है गौधाम

गौधाम शुभारंभ समारोह और पशुपालक सम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

बिलासपुर में गोधन संरक्षण को लेकर बड़ी पहल देखने को मिली, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी पहुंचे, जहां गौधाम शुभारंभ समारोह और पशुपालक सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने तखतपुर के ग्राम लाखासार में गौधाम का शुभारंभ करते हुए गोधन संरक्षण और गौसेवा को बढ़ावा देने की बात कही।

अब सुरभि गौधाम के नाम से जाने जाएंगे सभी गौधाम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम के दौरान ग्राम लाखासार में 25 एकड़ में विकसित गौधाम का शुभारंभ किया और गोमाता की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार बेसहारा मवेशियों के संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए गौधाम योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू कर रही है। उन्होंने बताया कि गौधामों में पशुपालन, हरा चारा उत्पादन और गोबर से उपयोगी वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने लाखासार क्षेत्र के विकास के लिए कई घोषणाएं भी कीं उन्होंने यहां महतारी सदन, मिनी स्टेडियम और 500 मीटर लंबाई के गौरव पथ के निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही लाखासार गौधाम में प्रशिक्षण भवन के लिए 25 लाख रुपये, एक काऊ कैचर और पशु एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की भी स्वीकृति दी।

पुनर्विचार याचिका दायर करने की मांग, अब 29 को करेंगे शिक्षक बड़ी बैठक, सांसदों-विधायकों को भी सौंपे जाएंगे ज्ञापन

शिक्षक पात्रता परीक्षा के आदेश के विरोध में प्रदेश भर में हुए प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता के आदेश लोक शिक्षण संचालनालय से जारी होने के बाद शिक्षक संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। आदेश के विरोध में शुक्रवार को प्रदेशभर में शिक्षकों द्वारा जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे गए। म.प्र. शासकीय शिक्षक संगठन के आव्हान पर राजधानी में कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। शिक्षकों ने कलेक्टर कार्यालयों के सामने रैली, नारेबाजी और प्रदर्शन कर सरकार से इस आदेश को तुरंत रद्द करने की मांग की।

साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अन्य राज्यों की तरह मध्यप्रदेश सरकार को भी शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए। म.प्र. शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि फिलहाल सरकार से शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है। यदि एक सप्ताह के भीतर मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो 29 मार्च को प्रदेश के सभी शिक्षक संगठनों की बैठक बुलाकर संयुक्त शिक्षक मोर्चा बनाया जाएगा और आगे बड़े आंदोलन की रणनीति घोषित की जाएगी। कौशल ने बताया कि 15 से 28 मार्च के बीच प्रदेशभर में सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों को भी ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

प्रदर्शन कर सरकार से आदेश को तुरंत रद्द करने की मांग की

शासकीय शिक्षक संगठन का प्रदर्शन।

पूर्व विधायक ने लिखा सीएम-स्कूल शिक्षा मंत्री को पत्र

शिक्षकों के समर्थन में भाजपा के पूर्व विधायक मुरलीधर पाटीदार ने मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री पत्र लिखकर कहा है कि लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश से भ्रम और व्यापक असंतोष की स्थिति बनी है। इससे शिक्षक समाज चिंतित और असुरक्षित महसूस कर रहा है तथा आंदोलन की ओर अग्रसर हो रहा है। पाटीदार ने मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री से आग्रह किया है कि इस मामले में संज्ञान लेते हुए संबंधित निर्देश को निरस्त किया जाए। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश और शिक्षा का अधिकार अधिनियम को ध्यान में रखते हुए शासन स्तर पर सकारात्मक पहल कर ऐसा मार्ग निकाला जाए, जिससे शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षकों को किसी प्रकार की अपमानजनक प्रक्रिया से न गुजरना पड़े। आवश्यकता हो तो शिक्षा का अधिकार अधिनियम में संशोधन भी किया जाए। उन्होंने शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन के समर्थन की बात भी कही है।

'टीईटी' के नाम पर शिक्षकों को सेवा से निष्कासित किया तो करेंगे आंदोलन

वर्ष 2011 से पूर्व भर्ती हुए शिक्षकों के ऊपर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आवश्यक करने के विरोध राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा आंदोलन करेगा। संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय, राष्ट्रीय महासचिव श्याम सुंदर शर्मा, संरक्षक विजय सिंह ने बताया कि टीईटी की परीक्षा का नियम लागू करते हुए वर्ष 2011 में पहली बार टीईटी परीक्षा का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जबकि शिक्षा विभाग में अधिकांश शिक्षक वर्ष 2011 से पूर्व में व्यापमं परीक्षा व अन्य परीक्षाओं के माध्यम से शिक्षक के पद पर योग्य पाए जाने पर उनकी भर्ती शिक्षक के पद पर की गई थी। उस समय टीईटी परीक्षा का नियम और शर्तें लागू नहीं थी। शासन द्वारा निर्धारित योग्यता एवं व्यापम द्वारा ली गई शिक्षक परीक्षा में मेरिट के आधार पर योग्य एवं दक्ष अभ्यर्थियों को ही शिक्षक के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई थी। वर्ष 2011 से पूर्व जब टीईटी परीक्षा का नियम लागू ही नहीं था। तो फिर आज लंबे अरसे के बाद टीईटी परीक्षा का नियम अनिवार्य लागू करके सेवा से पृथक करने की धमकी देना शिक्षकों के मौलिक अधिकारों का हनन करने का प्रयास करना शिक्षकों के ऊपर सीधा कुठाराघात है। कर्मचारी संघर्ष मोर्चा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर टीईटी परीक्षा को वापस लेने की मांग की है।

संघर्ष मोर्चे का प्रदर्शन।

संघर्ष मोर्चा ने किया निर्णायक जंग का ऐलान

राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांण्डेय की अध्यक्षता में मोर्चा के पदाधिकारियों की बैठक शुक्रवार को प्रमुख अभियंता कार्यालय जल संसाधन विभाग के परिसर पर संपन्न हुई। जिसमें सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया है कि राष्ट्रीय कर्मचारी संघर्ष मोर्चा कर्मचारियों की समस्याओं का निदान होने तक निर्णायक जंग लड़ेगा। कर्मचारियों की प्रमुख मांगे एनपीएस पेंशन के स्थान पर पुरानी ओपीएस पेंशन प्रदान करने, कर्मचारियों के उच्च समयमान वेतनमान के प्रकरण का तत्काल प्रभाव से निराकरण करने, जल संसाधन विभाग में 20-25 वर्षों से एक ही कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी-अधिकारी को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया जाए।

पति पत्नी तीन साल बाद फिर साथ रहने को हुए राजी

पल में छूटा था साथ, नेशनल लोक अदालत ने लौटाई खुशी

जिला एवं सत्र न्यायालय में नेशनल लोक अदालत के दौरान आपसी समझौते के जरिए कुल 11 हजार 117 प्रकरण निराकृत

हरिभूमि जबलपुर।

जिला अदालत में शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत के दौरान एक ऐसा मामला जजों के सामने आया जिसमे जरा सी बात पर पति-पत्नी अलग हो गए थे। जजों ने पति और पत्नी को ऊंच- नीच समझाई तो दोनों फिर से साथ जीवन बिताने को तैयार हो गए। अदालत में ही दोनों ने एक बार फिर एक दूसरे को माला पहनाई। दोनों हंसी खुशी साथ साथ कोर्ट से घर गए। जिला एवं सत्र न्यायालय में नेशनल लोक अदालत के दौरान आपसी समझौते के जरिए कुल 11 हजार 117 प्रकरण निराकृत हुए। इनमे 44 करोड़ 78 लाख एक हजार 611 रुपये का मुआवजा वितरित हुआ ।

तीन साल पहले हुए थे अलग

जानकारी के अनुसार, आवेदक पत्नी अनावेदिका पति के बीच यह प्रकरण न्यायालय के समक्ष लंबित था। विवाह के बाद आवेदक व अनावेदिका के बीच मनमुटाव उत्पन्न होने पर पत्नि घर छोड़कर मायके चली गई। फिर उसने न्यायालय की शरण ली। लोक अदालत की पीठासीन अधिकारी एवं सदस्यों द्वारा पति पत्नि को संयुक्त रूप से एवं पृथक- पृथक रूप से जीवन के प्रत्येक पहलू पर विचार करते हुए समझाया गया।समझाईश के बाद आवेदक व अनावेदिका ने अपने मतभेदों को भुलाकर उम्र के इस पड़ाव पर पुनः दाम्पत्य जीवन में एक सूत्र में बंधकर पति पत्नि की तरह साथ-साथ रहने पर सहमति जताई। दोनों अदालत से एक दूसरे का साथ निभाने का वचन देकर रवाना हुए।

75 पीठों हुईं थी गठित

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के अध्यक्ष प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला, तहसील, कुटुम्ब व श्रम न्यायालयों में राजीनामा योग्य मामले सुने गए। इस बार प्रकरणों के शीघ्र समाधान के लिए कुल 75 पीठों का गठन किया गया था। जिनके माध्यम से 1873 लंबित व 9304 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण आपसी समझौते से किया गया।मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति, चेक बाउंस, आपराधिक शमनीय, सिविल, वैवाहिक व विद्युत अधिनियम सहित विभिन्न प्रकृति के मामलों का समाधान किया गया।

मोटर दुर्घटना के मामलों में बंटे 30 करोड़ 82 लाख 73 हजार 734 रुपये

मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावों में कुल 766 निराकृत प्रकरणों में 30 करोड़ 82 लाख 73 हजार 734 रुपये मुआवजा राशि वितरित की गई। वहीं चेक बाउंस 266 निराकृत मामलों में पांच करोड़ 24 लाख 34 हजार 473 रुपये की समझौता राशि निर्धारित हुई। इसके अतिरिक्त बैंक रिकवरी से संबंधित 1468 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में एक करोड़ 93 लाख 59 हजार की समझौता राशि प्राप्त हुई।

इनका रहा मार्गदर्शन

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलहकर्ता वकील सदस्य संजय राम ताम्रकार, आदित्य अधिकारी, अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत रूपराह, भारत सरकार के डिप्टी सालिसिटर जनरल सुयश मोहन गुरु, सचिव हाई कोर्ट बार अमित जैन, सचिव हाई कोर्ट बार पारितोष त्रिवेदी, सचिव हाई कोर्ट एडवोकेट बार एसोसिएशन निखिल तिवारी, वरिष्ठ अधिवक्ता परिषद उपाध्यक्ष रवि शंकर जायसवाल, रजिस्ट्रार जनरल धरमिंदर सिंह व रजिस्ट्री के अधिकारीगण, संचालक मप्र राज्य न्यायिक अकादमी उमेश पांडव व अकादमी के अधिकारीगण, जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर सदस्य सचिव, म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सुमन श्रीवास्तव व उप सचिव अनिरूद्ध जैन आनलाईन माध्यम से उपस्थित हुए। अर्चना सिंह, रजिस्ट्रार, हाई कोर्ट विधिक सेवा समिति जबलपुर व अतिरिक्त सचिव, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण अरविन्द श्रीवास्तव का सहयोग रहा।

चीफ जस्टिस सचदेवा ने किया उद्घाटन

वर्ष की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत में निपटे एक लाख 65 हजार प्रकरण

जबलपुर। शनिवार को हाईकोर्ट की तीनों खंडपीठों सहित प्रदेश भर की जिला अदालतों में साल की पहली नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत मॉडल मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने एवं पक्षकारों के बीच आपसी सहमति को बढ़ावा देने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहा है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, नेशनल लोक अदालत के दौरान राज्य भर में कुल एक लाख 65 हजार 631 मामलों का सौहार्दपूर्ण निपटारा किया गया। इनमें 125353 प्री-लिटिगेशन प्रकरण एवं 42278 लंबित प्रकरणों शामिल रहे। इन मामलों में समझौते के माध्यम से लगभग 6 अरब 28 करोड़, 28 लाख 36 हजार 338 रुपए के दावों का समाधान हुआ। चीफ जस्टिस सचदेवा ने राष्ट्रीय लोक अदालत का ऑनलाईन उद्घाटन किया। जस्टिस विवेक अग्रवाल एवं जस्टिस विवेक जैन मौजूद रहे।संचालन अर्चना सिंह, रजिस्ट्रार, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति जबलपुर द्वारा किया गया। अतिरिक्त सचिव, म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,अरविन्द श्रीवास्तव द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। लोक अदालत के दौरान प्रदेश में कुल 1618 पीठों का गठन किया गया, जिनमें 08 पीठें उच्च न्यायालय में-जबलपुर मुख्य पीठ एवं इंदौर तथा ग्वालियर खंडपीठों में गठित की गई और 1610 पीठें जिला एवं तहसील न्यायालयों में कार्यरत रहीं।लोक अदालत में रिट याचिकाएं, सिविल रिवीजन, द्वितीय अपीलें, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, वैवाहिक विवाद, अपराध शमनीय प्रकरण, धारा 138 एनआई एक्ट के अंतर्गत चेक बाउंस प्रकरण, श्रमिक विवाद, बैंक ऋण वसूली प्रकरण एवं विद्युत, जल बिल संबंधित विवाद शामिल थे।

दोषी व्यक्तियों पर करें कठोर कार्यवाही : कलेक्टर

घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग एवं इंडक्शन चूल्हा जैसे उपकरणों की कालाबाजारी रोकने आदेश जारी

जबलपुर। जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग तथा इंडक्शन चूल्हा, इलेक्ट्रिक चूल्हा और गैस भट्टी जैसे उपकरणों की कालाबाजारी पर रोक लगाने विस्तृत आदेश जारी कर सभी अनुविभागीय दंडाधिकारियों, खाद्य अधिकारियों तथा नापतौल विभाग के अधिकारियों को कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। आदेश में कहा गया है कि कुछ प्रतिष्ठानों द्वारा इंडक्शन चूल्हा, इलेक्ट्रिक चूल्हा और गैस भट्टी जैसे आवश्यक उपकरणों को निर्धारित एमआरपी से अधिक मूल्य पर बेचकर उपभोक्ताओं का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। आदेश में इस विसंगति को दूर करने हेतु सभी अनुविभागीय अधिकारियों, जिला आपूर्ति नियंत्रक और नापतौल विभाग को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट और केटरिंग संस्थानों में घरेलू सिलेंडरों के अवैध उपयोग की सघन जांच की जाएगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी भी व्यावसायिक संस्थान में घरेलू एलपीजी का उपयोग पाया जाता है, तो संबंधित के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय और विनियमन आदेश 2000 के प्रावधानों के अंतर्गत कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। अवैध भंडारण पाए जाने की स्थिति में सिलेंडरों को जब्त करने के साथ-साथ विक्रेताओं द्वारा की जा रही कालाबाजारी या जमाखोरी पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। आदेश में सभी गैस एजेंसियों को भी निर्देशित किया है कि वे केवल पात्र उपभोक्ताओं को ही सिलेंडरों का वितरण सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

कृषि स्टार्टअप जागरूकता अभियान में 150 विद्यार्थियों ने लिया भाग

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से विश्वविद्यालय में संचालित कृषि स्टार्टअप के अंतर्गत जवाहर आर-एबीआई ने 73 एग्री-स्टार्टअप कंपनियों को स्थापित किया है। वर्तमान में 8वें बैच के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके माध्यम से छात्र-छात्राओं, उद्यमियों और किसानों को प्रोत्साहित (प्रमोट) किया जा रहा है।इस अभियान के तहत जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में संचालित कृषि स्टार्टअप कार्यक्रम जवाहर आर-एबीआई द्वारा मंगलायतन विश्वविद्यालय, जबलपुर में कृषि स्टार्टअप जागरूकता अभियान में 150 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में वक्ता डॉ. लवीना शर्मा, बिजनेस मैनेजर, जवाहर आर-एबीआई ने छात्र-छात्राओं को कृषि आधारित स्टार्टअप्स, इन्क्यूबेशन प्रक्रिया, वित्तीय अनुदान एवं मार्गदर्शन तथा एग्री-स्टार्टअप्स हेतु 8.0 बैच के आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई, 2026 की जानकारी से अवगत कराया तथा जवाहर आर-एबीआई टीम सुश्री लक्ष्मी सिंह एवं दीपांशु पटेल ने संबंधित प्रश्नों के उत्तर प्रदान किए।

मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.आर.एस. सांबशिवा राव एवं प्रो. विनीता कौर सलूजा का विशेष सहयोग रहा। डॉ. मोनी थॉमस, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, जनेकृविवि के निरंतर मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देश से जागरूकता कार्यक्रम संभव हो पा रहे है। कार्यक्रम में समन्वय डॉ. प्रियंका मिश्रा दुबे, डॉ. जागृति उपाध्याय, डॉ. अंकिता राजपूत, डॉ. नकुल राव रंगारे एवं डॉ. विजय बागरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एक्सपायरी डेट की सामग्री मिलने पर पटेल फास्ट फूड का पंजीयन निलंबित

जबलपुर। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आज शनिवार को किये गये आकस्मिक निरीक्षण में विजयनगर में साईं हॉस्पिटल के पास स्थित पटेल फास्ट फूड में एक्सपायर्ड कोल्ड ड्रिंक्स तथा मसालों का विक्रय हेतु संग्रहण पाये जाने पर इसका खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र कुमार दुबे ने बताया पटेल फास्ट फूड में अत्यंत अस्वास्थ्यकर तथा अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य पदार्थों का निर्माण होते हुए भी पाया गया। उन्होंने बताया कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम की धारा 31 के अन्तर्गत खाद्य पंजीयन निलंबन अवधि के दौरान इस प्रतिष्ठान से खाद्य कारोबार के संचालन को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है।

महाकोशल महाविद्यालय में 2 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी शुरु

“मन का अनुशासन ही मानव उत्कर्ष का मार्ग”: डॉ. अशोक कड़ेल

जबलपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, महाकोशल महाविद्यालय के तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी “भारतीय दर्शन और योगः एक शारीरिक और मानसिक अनुशासन” का शुभारंभ 14 मार्च को हुआ। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल के संचालक डॉ. अशोक कड़ेल ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए। मुख्य वक्ता डॉ. अनिल करवन्डे (नागपुर) तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. केशव सिंह (ग्वालियर) और डॉ. पूनम कौशिक (इंदौर) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन से हुई और अतिथियों का स्वागत पौधे व स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया। संगोष्ठी संयोजक डॉ. ज्योति जुनगरे ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डॉ. अशोक कड़ेल ने कहा कि भारतीय दर्शन में योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन का विज्ञान है। उन्होंने कहा कि ऋग्वेद से लेकर उपनिषद और पतंजलि तक हमारे ऋषियों ने मन के अनुशासन को मानव उत्कर्ष का मार्ग बताया है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. केशव सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, जो जीवन में संतुलन बनाता है। डॉ. पूनम कौशिक ने योग के लाभों पर विस्तार से जानकारी दी, जबकि डॉ. अनिल करवन्डे ने भारतीय ज्ञान परंपरा में योग और दर्शन के गहरे संबंध को बताया। संगोष्ठी में नीदरलैंड से डॉ. रितु शर्मा और नंदन पाण्डे ऑनलाइन जुड़े। उन्होंने भारतीय दर्शन को मानव जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने की महत्वपूर्ण पद्धति बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. संदीप अवस्थी ऑनलाइन जुड़े और पतंजलि योग दर्शन पर व्याख्यान दिया। इस सत्र में डॉ. नेहा दवे, डॉ. प्रीति पाण्डे, डॉ. संदीप यादव, डॉ. ममता गुप्ता, डॉ. स्वाति, डॉ. नेहा शाक्य और डॉ. श्रुति चतुर्वेदी सहित कई शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में लगभग 194 प्राध्यापक और शोधार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. रविश तमन्ना ताजिर एवं डॉ. संघप्रिया तिवारी ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रो. अरुण शुक्ल ने किया।

पश्चिम में तीन नए फ्लाईओवर स्वीकृत

14 करोड़ के विकास कार्यों की मिली सौगात

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शनिवार को जबलपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में लगभग 14 करोड़ रुपये के विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास की गति और तेज की जाएगी तथा जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सभी कार्य पूरे किए जाएंगे। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पिछले ढाई वर्षों में पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता ने जो मांगा वह भी और जो नहीं मांगा, वे कार्य भी पूरे किए जा रहे हैं। विकास उनकी प्राथमिकता ही नहीं, बल्कि संकल्प है और यह क्रम निरंतर जारी रहेगा।

कार्यक्रम में मंत्री ने बताया कि गौरीघाट में मां नर्मदा के तट पर लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से भव्य घाटों का निर्माण प्रस्तावित है, जिसका भूमिपूजन आगामी दो-तीन माह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। मांडवा बस्ती में 100 बिस्तरों के सर्वसुविधायुक्त अस्पताल का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है, जिसका लोकार्पण भी शीघ्र होगा। उन्होंने जानकारी दी कि पश्चिम क्षेत्र में तीन नए फ्लाईओवर स्वीकृत हुए हैं। सगड़ा फ्लाईओवर का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जबकि साईं मंदिर ग्वारीघाट से आदि शंकराचार्य चौक तक बनने वाले फ्लाईओवर का भूमिपूजन जल्द किया जाएगा। मंत्री श्री सिंह ने गोरखपुर चौराहे पर खंडा चौक एवं गुरु तेग बहादुर मार्ग का लोकार्पण कर कार्यक्रमों की शुरुआत की। उन्होंने गुरुद्वारा पहुंचकर मत्था टेका और क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू सहित जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा विभिन्न वार्डों में सड़कों, नालों, पानी की टंकियों, पार्कों के सौंदर्यीकरण एवं भवन निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया गया। मंत्री ने कहा कि पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के सभी वार्डों में समान रूप से विकास की धारा पहुंचेगी।

समरसता सेवा संगठन ने कर्मा देवी जयंती पर विचार गोष्ठी व पौधारोपण किया

माँ कर्मा का जीवन भक्ति और समरसता का प्रतीकः डॉ. आनंद सिंह राणा

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन द्वारा माँ कर्मा देवी के प्राकट्योत्सव पर नर्मदा उद्यान, गौरीघाट में विचार गोष्ठी एवं पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने माँ कर्मा के व्यक्तित्व और उनके संदेशों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता इतिहासकार डॉ. आनंद सिंह राणा ने कहा कि माँ कर्मा का जीवन आडंबरहीन भक्ति, प्रेम और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ईश्वर जाति-पाति नहीं बल्कि प्रेम और समर्पण के भूखे होते हैं। उन्होंने बताया कि 17वीं शताब्दी की महान कृष्ण भक्त माँ कर्मा देवी की निस्वार्थ भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान कृष्ण ने उनके हाथ का खिचड़ा भोग स्वीकार किया था, जो समाज को समानता और श्रद्धा का संदेश देता है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कृषि भाग के संघ चालक अनिल गुप्ता ने कहा कि जगन्नाथ पुरी मंदिर में भगवान को सुबह जो भोग लगता है, वह माँ कर्मा की परंपरा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि माँ कर्मा देवी साहू समाज की आराध्या देवी मानी जाती हैं, लेकिन उनका भक्ति और सेवा का संदेश पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। विशिष्ट अतिथि तेलघानी बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष रविकिरण साहू और जिला साहू समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र साहू ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जिला साहू समाज के सचिव उमेश साहू ओज ने कविता के माध्यम से माँ नर्मदा की व्यथा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने प्रस्तावना एवं स्वागत उद्बोधन दिया तथा सचिव उज्जवल पचौरी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और उपस्थित जनों ने माँ कर्मा को समर्पित करते हुए नर्मदा उद्यान में आम का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

कर्ज न अदा करने पर संपत्ति कुर्क

जबलपुर। कलेक्टर न्यायालय के द्वारा पारित आदेश पर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया बैंक से सात्विक अवस्थी डेयरी फर्म प्रोपराइटर सात्विक अवस्थी द्वारा कर्ज लेने के बाद उसे अदा न करने पर बैंक द्वारा पनागर क्षेत्र की कुछ संपत्तियों को कुर्क किया गया है। बैंक द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार जिन संपत्तियों को कब्जे में लिया गया है, उनमें बंदोबस्त नंबर 555, पटवारी हल्का 16/43, नया नंबर 54 महाराजपुर, पनागर व जबलपुर स्थित खसरा नंबर 233 रकबा 0.05 हेक्टेयर, खसरा नंबर 234 रकबा 0.03 हेक्टेयर, खसरा नंबर 236/1/1 रकबा 0.1671 हेक्टेयर, खसरा नंबर 236/1/2 रकबा 0.0929 हेक्टेयर एवं खसरा नंबर 236/2 रकबा 0.26 हेक्टेयर कुल रकबा 0.60 हेक्टेयर में से डाइवर्टेड रकबा 1729 वर्ग मीटर जिसमें निर्मित समस्त मवेशी शेड व आरसीसी मकान और गोडाउन शामिल हैं।

बैंक ऑफ इंडिया का “मेगा समझौता अभियान” 20 मार्च तक

जबलपुर। बैंक ऑफ इंडिया 16 से 20 मार्च 2026 तक “मेगा समझौता अभियान” का आयोजन कर रहा है, जिसके तहत देश भर में स्थित अपनी सभी शाखाओं/जोनों और एफजीएमओ में एकमुश्त निपटान (ओटीएस) योजना के तहत उधारकर्ताओं के एनपीए ऋण खातों का निपटान किया जाएगा। यह समझौता दिवस विशेष रूप से उन एनपीए उधारकर्ताओं के लिए बनाया गया है, जो व्यावसायिक संकट, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं या किसी अन्य वास्तविक कारण से समय पर ऋण चुकाने में असमर्थ रहे हैं। हमारे बैंक के पास छोटे और मध्यम आकार के खातों के निपटान के लिए विशेष ओटीएस योजनाएं हैं, जिनके माध्यम से एनपीए खाता धारक उधारकर्ताओं को विशेष और आकर्षक छूट प्रदान की जाती है। हम सभी एनपीए खाताधारक उधारकर्ताओं से अपील करते हैं कि वे 16 से 20 मार्च 2026 तक चलने वाले “मेगा समझौता अभियान” के दौरान एनपीए ऋण खातों का निपटान करके इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

रोटरी एक्सीलेंस जबलपुर का होली मिलन समारोह संपन्न

जबलपुर। रोटरी एक्सीलेंस जबलपुर द्वारा होली मिलन समारोह हर्षोल्लास और आपसी समरसता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन अशोक कुमार साहू ने सभी सदस्यों को होली की शुभकामनाएं देकर की। समारोह में क्लब के सदस्य अपने परिवार के साथ शामिल हुए। श्रीमती श्वेता ओसवाल ने सभी को होली की बधाई देते हुए कार्यक्रम की अगली कड़ियों की शुरुआत कराई। रंगारंग संगीत और प्रस्तुतियों के बीच रामकृष्ण चौकसे ने पारंपरिक फाग गीत प्रस्तुत कर माहौल को उत्सवमय बना दिया, जिसका सभी ने आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनुभूति बादशाह ने किया। इस अवसर पर आशीष जैन, अमित जैन, अखिलेश बादशाह, शैलेंद्र जेठा, शालिनी अग्रवाल, अभिषेक केसरवानी, पवन केसरवानी, डॉ. हिमांशु और संतोष गुप्ता सहित अन्य सदस्य परिवार सहित उपस्थित रहे। सभी ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

नाम परिवर्तन

मेरा नाम विजय कुमार माखीजा पिता भीषम लाल पता 1582/2 पचपेणी वी सी बंगलो के पास कुलपति, जबलपुर (म.प्र.) निवेदन है कि मेरा पुराना नाम विजय माखीजा पिता भीषम लाल जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है। मेरा नया नाम विजय कुमार माखीजा पिता भीषम लाल जो कि मेरे आधार कार्ड और ड्राइविंग लायसेंस में दर्ज है। कृपया अब से मुझे मेरे नये नाम से जाना एवं पहचाना जाये।

नया नाम-
विजय कुमार माखीजा
पुराना नाम-
विजय माखीजा

खबर संक्षेप

अलग-अलग स्थानों से दो मोटर साइकिल हुई चोरी

कटनी। कोतवाली और माधवनगर थाना क्षेत्र में मोटर साइकिल चोरी हो गई। जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुरानी कचहरी पार्किंग से एक बाइक चोरी हो गई। फरियादी मोहित कुमार बर्मन निवासी ग्राम कन्हवारा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि मोटर साइकिल क्रमांक MP 21 MK 4548 को खड़ी कर काम से चला गया। जब वापस लौटा तो वाहन वहां नहीं था। शिकायत पर पुलिस ने धारा 303(2) BNS के तहत मामला दर्ज किया है। इसी तरह माधवनगर थाना क्षेत्र के कुम्हार मोहल्ला कलारी के पास से अमित बर्मन की बाइक चोरी हुई। अमित वार्ड क्रमांक 9 शारदा चौक निवार का निवासी है। उसकी बाइक क्रमांक MP 21 MR 7407 मेन रोड के पास से अज्ञात चोर उड़ा ले गए।

राशन दुकान से गेहूं एव चावल ले गये चोर

कटनी। कुठला थाना अंतर्गत ग्राम खड़ौला स्थित सरकारी राशन पर चोरो ने वारदात को अंजाम देते हुए दुकान का ताला तोड़कर 23 क्विंटल गेहूं-चावल पारकर दिया। सेल्समैन दुर्गा चौधरी ने पुलिस को बताया कि अज्ञात चोरों ने राशन दुकान में सेंध लगाकर भारी मात्रा में अनाज पार कर दिया। दुकान से 16 क्विंटल 79 किलो गेहूं और 7 क्विंटल 7 किलो चावल गायब हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 20,000 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने धारा 331(4), 305(ए) BNS के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिन दिहाड़े हजारों रूपये कीमती जेवरात चोरी

कटनी। बहोरीबंद थाना क्षेत्र के ग्राम नयागांव में दिनदहाड़े चोरी की वारदात हुई है। चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए नकदी और कीमती जेवरों पर हाथ साफ कर दिया। लालजी गड़ारी 65 वर्ष ने पुलिस को बताया कि दोपहर करीब 4:00 से 4:30 बजे के बीच जब घर पर कोई नहीं था, तब अज्ञात आरोपियों ने घर का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया। चोरों ने अलमारी में रखे चांदी के टोडर, डोरा और करीब 50,000 रुपये नगद चोरी कर लिए। घटना की जानकारी तब लगी जब परिवार के सदस्य घर वापस लौटे। पुलिस ने धारा 331(3), 305(a) BNS के तहत मामला दर्ज कर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। चोरी की बढ़ती इन वारदातों से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

निगमाध्यक्ष ने नागरिकों से संवाद कर समस्याएं सुनीं

कटनी। नगर पालिक निगम कटनी परिसर में आयोजित नेशनल लोक अदालत का निगमाध्यक्ष मनीष पाठक ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से चर्चा करते हुए नागरिकों को बेहतर एवं त्वरित सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगमाध्यक्ष ने लोक अदालत में पहुंचे नागरिकों से आत्मीयतापूर्वक संवाद किया तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों एवं प्रकरणों का नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे नागरिकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। निगमाध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से संपत्ति कर एवं जलप्रभार से संबंधित बकाया प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष छूट प्रदान की जा रही है। संपत्ति कर के प्रकरणों में 50,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट, 50,000 रुपये से 1,00,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट तथा 1,00,000 रुपये से अधिक बकाया पर अधिभार में 25 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जा रही है। इसी प्रकार जलप्रभार के प्रकरणों में 10,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट, 10,000 रुपये से 50,000 रुपये तक के बकाया पर अधिभार में 75 प्रतिशत तक की छूट तथा 50,000 रुपये से अधिक बकाया पर अधिभार में 50 प्रतिशत तक की छूट का प्रावधान किया गया है।

ओटीपी ओर केवाइसी की अनिवार्यता के चलते उपभोक्ताओं का बढ़ा सिरदर्द

भारी फजीहतः सर्वर डाउन, नही हों पा रही गैस बुकिंग, सिलेण्डर के लिए लंबी कतारें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

एलपीजी गैस सिलेंडर के संकट के बीच घरेलू एलपीजी सिलेंडर की किल्लत लगातार जारी है। वहीं सर्बर डाउन होने से लोगों की गैस बुकिंग नहीं हो पा रही है जिससे उपभोक्ता खासे परेशान नजर आ रहे हैं। हालांकि गैस एजेंसियों का दावा है कि कहीं भी किसी प्रकार कोई गैस सिलेंडर कोई कमी नहीं है और उपभोक्ता को होम डिलीवरी कराई जा रही है।साथ ही गैस बुकिंग करने में तकनीकी समस्या की बात कही जा रही है। वहीं दूसरी ओर पिछले कुछ दिनों से उपभोक्ता सिलेंडर लेने के लिए खासे परेशान हैं।

शनिवार को विकासखण्ड मुख्यालय बहोरीबंद स्थित सत्य साईं भारत गैस एजेंसी व स्लीमनाबाद स्थित शुभ भारत गैस एजेंसी के दफ्तर में सुबह से लोगों की सिलेंडर लेने के लिए कतार लग गई थी। महिलाएं पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग और सरकारी कामकाज करने वाले लोग अपने अन्य जरूरी काम छोड़कर घरेलू गैस सिलेंडर प्राप्त करने कांउटर में पर्ची कटवाने के लिए कतारबद्ध होकर खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे।वहीं दूरदराज इलाकों से अपनी अपनी मोटरसाइकिलों पर खाली गैस सिलेंडर बांधकर दूसरा भरा हुआ घरेलू गैस सिलेंडर लेने के लिए लोग बड़ी जद्दोजहद कर रहे थे लोगों का कहना था कि देश में एलपीजी गैस का संकट चल रहा है ऐसे में गैस सिलेंडर लेना बहुत जरूरी है।

दूसरी ओर सरकार द्वारा गैस बुकिंग की अवधि ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन किए जाने की घोषणा के बाद आम उपभोक्ताओं में निराशा का माहौल निर्मित हो गया है। जिसके चलते लोग आनन-फानन में सिलेंडर बुक करने की होड़ में गैस एजेंसी पहुंच रहे हैं। वैसे भी सरकार द्वारा उज्जवला योजना के तहत महिलाओं को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया गया था जिससे अधिकांश घरों में कोयला और लकड़ी का बहुत कम उपयोग होता था। भोजन तैयार करने के लिए गैस सिलेंडर का उपयोग अधिक होने लगा ऐसे में जब गैस सिलेंडर की किल्लत होने लगी है तो अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरों की तर्ज पर इलेक्ट्रिक चूल्हों की मांग बढ़ने लगी है।

इनका कहना है

इस संबंध में सत्य साईं गैस एजेंसी बहोरीबंद के संचालक अजीत महोबिया का कहना है कि गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, गैस सिलेंडरों की कहीं कोई कमी नहीं है। बुकिंग करने के बाद उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी कराई जा रही। बुकिंग करना जरूरी है साथ ही ओटीपी और केवाईसी अनिवार्य है।इन दिनों सर्बर डाउन चल रहा है जिसकी वजह से गैस बुकिंग करने में विलम्ब हो रहा है।वैसे भी उपभोक्ता अपने मोबाइल फोन से गैस बुकिंग कर सकते हैं। सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 अवधि कर दी गई है।

आरटीई के तहत 28 मार्च रहेगी भरे जाएंगे आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026–27 में निजी स्कूलों की प्रथम प्रवेशित कक्षा में निःशुल्क प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 13 मार्च 2026 से प्रारंभ होंगे। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 28 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। आर.टी.ई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रारूप एवं निर्देश उपलब्ध कराये गए हैं। निजी विद्यालय में निःशुल्क प्रवेश के लिए आवेदकों का चयन, ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से 2 अप्रैल 2026 को किया जायेगा।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत सत्र 2026–27 में निजी स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश के लिए समय-सारिणी भी जारी कर दी गई है। समय-सारिणी एवं दिशा निर्देश आर.टी.ई. पोर्टल पर भी उपलब्ध हैं।

सत्र 2026-27 के लिए जारी समय सारिणी के अनुसार, निःशुल्क प्रवेश के लिए मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों एवं उनमें उपलब्ध कक्षा की सीट्स का पोर्टल पर प्रदर्शन 9 मार्च 2026 से किया जाएगा। वहीं वंचित समूह एवं कमजोर वर्ग के आवेदक अपना आवेदन, ऑनलाइन प्रक्रिया से 13 मार्च से 28 मार्च 2026 के बीच जमा कर पंजीयन कर सकते हैं। फार्म के साथ पात्रता सम्बंधित कोई भी एक दस्तावेज अपलोड करना होगा।

ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदकों को इसी अवधि में त्रुटि सुधार का अवसर भी मिलेगा। 14 मार्च से 30 मार्च की अवधि में दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित संकुल केन्द्र वाले स्कूल में अधिकृत सत्यापनकर्ता अधिकारी से करवाना होगा। आवेदक ने आर.टी.ई. में निःशुल्क प्रवेश के लिये जिस कैटेगरी,निवास क्षेत्र के माध्यम से प्रवेश चाहा है, तत्तसंबंधी कैटेगरी एवं निवास प्रमाण का सत्यापन, संबंधित मूल प्रमाण पत्र से किया जायेगा। लाटरी के पूर्व ही दस्तावेज सत्यापन हो जाने से, आवेदकों को स्कूल आवंटित होने के बाद दस्तावेजों की त्रुटि या अभाव में, एडमिशन निरस्त होने की समस्या उत्पन्न नही होगी।

ऑनलाइन आवेदन करने में कोई समस्या या कठिनाई होने की स्थिति में संबधित विकासखंड के बीआरसी कार्यालय में भी संपर्क किया जा सकता है। 2 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन लॉटरी द्वारा छात्रों को निजी स्कूलों में सीट का आवंटन किया जायेगा। लॉटरी प्रक्रिया के उपरांत आवंटित सीट की जानकारी, आवेदक को उसके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर, एसएमएस के माध्यम से प्रदान की जायेगी।

जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र किये गये वितरित

ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के क्षमता संवर्धन का प्रशिक्षण आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

जन अभियान परिषद जिला कटनी के जिला समन्वयक डॉ तेज सिंह केसवाल के निर्देशानुसार एवम् ब्लॉक समन्वयक अरविंद शाह के मार्गदर्शन में नवांकुर योजनांतगत नवांकुर संस्था-बड़खेरा जनचेतना समाज सेवी समिति,सेक्टर बचैया 3 के अंतर्गत गठित प्रस्फुटन समितियो के क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण का आयोजन ग्राम पंचायत सभागार किरहाई पिपरिया में किया गया।

सेक्टर प्रभारी सरजू प्रसाद श्रीवास द्वारा अतिथियों एवम् उपस्थित सभी उपस्थितजनों का परिचय कराया गया एवम् प्रशिक्षण के उद्देश्य व विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुए समितियों की त्रैमासिक कार्यो की समीक्षा की गयी।

विकासखंड समन्वयक अरविंद शाह के द्वारा मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की अवधारणा पर आधारित प्रेरणा दायक प्रसंगो के माध्यम से अवधारणा को प्रस्तुत किया गया! प्रेरणास्रोत अवधेश बैरागी ने समग्र ग्राम विकास की अवधारणा एवम् विभिन्न चरणों पर बात रखते हुए अपनी ग्राम पंचायत मे बेसलाइन सर्वे करके ग्राम की छोटी- छोटी आवश्यकताओ एवं समस्याओ को खोजकर आपसी सहयोग से हल करने हेतु प्रेरित किया! भोजन अंतराल के बाद स्वैच्छिक संगठनो का गठन एवं प्रबंधन पर नवांकुर संस्था सचिव सरजू प्रसाद श्रीवास के द्वारा संस्था का रजि.व धारा 27-28 की जानकारी,चालान आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।परामर्शदाता रामसिंह पटैल के द्वारा समितियो के दस्तावेजीकरण पर गंभीरतापूर्वक प्रकाश डाला गया।

ब्लॉक समन्वयक अरविंद शाह द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से आदर्श ग्राम हिवडे बाजार के विकास को फिल्म के माध्यम से दिखाया गया! सभी प्रतिभागियों को जनप्रतिनिधि/अतिथियो के द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सेक्टर प्रभारी सरजू श्रीवास द्वारा अतिथियों एवम् उपस्थित सभी सम्माननीय जनों का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान सरपंच संगीता सुनील मिश्रा, सचिव कंधी लाल नायक, सुनीता विश्वकर्मा, पटवारी प्रमोद कुमार सोनी, मेंटर अवधेश बैरागी, रामसिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

तनाव प्रबंधन विषय पर विद्यार्थियों को मिला मार्गदर्शन

शासकीय महाविद्यालय ढीमरखेड़ा में तनाव प्रबंधन विषय पर आयोजित कार्यक्रम का प्रोजेक्टर के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. बृजलाल अहिरवार के मार्गदर्शन एवं मानसिक स्वास्थ्य टास्क फोर्स के नोडल प्रभारी डॉ. राजाराम सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया।इस दौरान छात्र–छात्राओं एवं महाविद्यालयीन स्टाफ ने विभिन्न विषय विशेषज्ञों के विचारों को सुनकर मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि पढ़ाई, परीक्षा और कैरियर से जुड़े दबाव को कैसे सकारात्मक तरीके से संभाला जा सकता है। प्रभारी ने बताया कि इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण 16 व 17 मार्च को भी महाविद्यालय में किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक छात्र–छात्राएं इसका लाभ लेकर परीक्षा और कैरियर से जुड़े तनाव को सही ढंग से प्रबंधित करना सीख सकें। कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कृष्ण कुमार नागवंशी, युवराज तिवारी, डॉ. सचिन कोस्टा, डॉ. मनीषा व्यास, स्मिता परसाई,जवाहरलाल चौधरी, डॉ. अखिलेश द्विवेदी, डॉ. हर्षित द्विवेदी,कम्प्यूटर ऑपरेटर मनीष और जितेंद्र का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर दीनदयाल, चक्रवर्ती, अभिषेक कुमार आदि की उपस्थिति रही।

सामाजिक परिवर्तन व जल संरक्षण पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उमरियापान

जन अभियान परिषद ढीमरखेड़ा के तत्वावधान में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय त्रैमासिक क्षमता वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। धरवारा सेक्टर के भूला पंचायत भवन भूला में आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक डॉ. तेजसिंह केशवाल के निर्देशन एवं विकासखंड समन्वयक बबीता शाह के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम नवांकुर संस्था प्रयास सेवा संगठन इमलिया के संस्था प्रभारी कोदुलाल हल्दकार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेक्टर की विभिन्न ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों एवं नवांकुर सखियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह, मास्टर ट्रेनर विनोद सिंह तथा स्लीमनाबाद थाना प्रभारी सुदेश सुमन विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ग्राम विकास, सामाजिक जागरूकता, जनभागीदारी तथा प्रस्फुटन समितियों की भूमिका और जिम्मेदारियों के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षक विनोद सिंह ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने, लोगों की समस्याओं को समझने और सामूहिक प्रयासों से ग्राम विकास को गति देने पर जोर दिया। वहीं विकासखंड समन्वयक बबीता शाह ने जल संरक्षण विषय पर विशेष प्रशिक्षण देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जल बचाने और संरक्षण के उपायों के बारे में जानकारी दी।

बैठक में कुसेरा, सैलारपुर, इमलिया, कनौजा एवं भूला समितियों के अध्यक्ष, सचिव और नवांकुर सखियां,समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को साप्ताहिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने तथा श्रमदान, स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री ने बहोरीबंद विधानसभा में दी विकास कार्यों की सौगातें

16 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का हुआ वर्चुअली लोकार्पण एवं भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शनिवार को बरही में आयोजित कृषि महा महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए जहाँ मुख्यमंत्री ने पूरे जिले के लिए विकास कार्यों की सौगाते दी। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने बहोरीबंद विधानसभा को भी अनेक सौगात दी जिसमें 16 करोड़ रूपये की राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन वर्चुअल किया जिसमें मुख्यमंत्री ने 5 करोड़ 67 लाख रूपये की राशि के विकास कार्यों का भूमिपूजन व 10 करोड़ से अधिक की राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री द्वारा बहोरीबंद विधानसभा को सौगाते देने पर विधायक प्रणय पांडेय ने मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ भेंटकर आभार जताया। विधायक प्रणय पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया मुख्यमंत्री के द्वारा 44 लाख की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत केवलराहा ग्राम हाथीभार, 69 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत किवलरहा, 37 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत सिमरापटी ग्राम कजरवारा, 1 करोड़ 21 लाख की लागत से बने जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पटोरी,90 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पटोरी ग्राम मंगेला, 55 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम रैपुरा, 1करोड़ 6 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत सलैया प्यासी,40 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम कजरवारा,40 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पहरूआ ग्राम गुडीयापुरा, 36 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत पहरूआ ग्राम सुनाई, 51 लाख के जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत मोहनिया ग्राम रामपुर, 3 करोड़ 6 लाख के बरतरा में नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन में 1 नग जी टाइप एवं 1 नग एच टाइप आवास गृहों का एवं 80 लाख की जल जीवन मिशन योजना ग्राम पंचायत धनौरा, 37 लाख के नवीन पंचायत भवन ग्राम पंचायत रैपुरा का वर्चुअल लोकार्पण किया गया। इसी प्रकार 2 करोड़ 31 लाख रूपये की राशि भखरवारा से उदयपुरा मार्ग, 1 करोड़ के सलैया फाटक से सिलपुरा तक मार्ग और 59 -59 लाख रूपये की राशि शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सिहुड़ी,बड़गांव, निटर्रा, पिपरिया में फिजिक्स केमेस्ट्री बायो लैब निर्माण का भूमि पूजन किया गया।

ननि कार्यालय सहित 5 स्थानों में शिविरों का आयोजन

लोक अदालत में रही भीड़, अधिभार की छूट का उठाया लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

नगर निगम कटनी द्वारा शनिवार को नेशनल लोक अदालत के अवसर पर शहर के पाँच प्रमुख स्थलों पर विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। इस बार प्रशासन ने करदाताओं के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए तिलक वंदन कर उनका स्वागत किया, जिससे केंद्रों पर उत्साह का वातावरण देखा गया। प्रातः 10 बजे से शुरू हुए इन शिविरों में शासन के निर्देशानुसार नागरिकों को संपत्तिकर एवं जलकर के अधिभार में छूट का लाभ प्रदान किया गया। शिविरों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक ने स्वयं मोर्चा संभाला। उन्होंने सुबह से ही विभिन्न केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले नागरिकों के लिए बैठने की उत्तम व्यवस्था, शीतल पेयजल और तकनीकी मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी करदाता को परेशानी न हो।

राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक द्वारा निरंतर शिविर स्थलों का निरीक्षण किया। शहर के निम्नलिखित केंद्रों पर अधिकारी नागरिकों के प्रकरणों का निराकरण किया गया।नगर निगम मुख्य कार्यालय में मुख्यालय स्तर पर लंबित प्रकरणों का निपटारा किया गया। बस स्टैंड में इंजीनियर सुनील सिंह की मॉनिटरिंग में शिविर संचालित है, जहाँ बड़ी संख्या में करदाता पहुँचे। दुर्गा चौक, खिरहनी में क्षेत्रीय नागरिकों के लिए सुलभ केंद्र। माधवनगर क्षेत्र के निवासियों के लिए विशेष व्यवस्था।सुभाष चौकः शहर के मध्य स्थित होने के कारण यहाँ भी करदाताओं की आवाजाही बनी रही।

नगर निगम प्रशासन ने शहरवासियों से अपील किया कि वे लोक अदालत के इन विशेष शिविरों का लाभ उठाकर अपने लंबित करों का भुगतान करें। अधिभार में मिल रही यह छूट एक सीमित अवसर है, जिसका उपयोग कर नागरिक न केवल अपनी आर्थिक बचत कर सकते हैं, बल्कि नगर की स्वच्छता और विकास कार्यों में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

---

136 युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ विजयराघवढ़

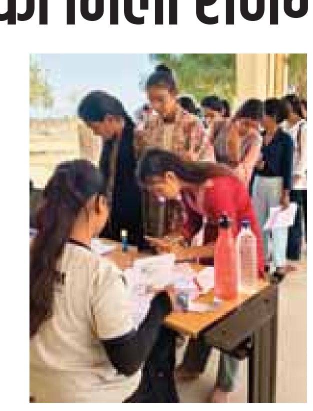

स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय एवं स्किल डेवलपमेंट सेंटर कैमोर के संयुक्त तत्वावधान में भव्य प्लेसमेंट ड्राइव का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव में कुल 288 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 136 विद्यार्थियों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा किया गया। चयनित छात्र-छात्राओं को मौके पर ही जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए गए, जिससे समस्त विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला।इस प्लेसमेंट ड्राइव में कई प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया।

कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा छात्र-छात्राओं का इंटरव्यू लेकर योग्य उम्मीदवारों का चयन किया गया तथा उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान किए गए।कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुषमा श्रीवास्तव उप-प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार के मार्गदर्शन में एवं Skill Development Centre, कैमोर के क्लस्टर हेड राकेश चटर्जी के सहयोग से संपन्न हुआ। स्किल डेवलपमेंट सेंटर, कैमोर की ओर से पियूष, राजा मालवीय, श्रीमती साधना विश्वकर्मा एवं श्रीमती अर्चना मोटवानी का विशेष सहयोग रहा।साथ ही महाविद्यालय के स्टाफ स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी श्रीमती ज्योति ताम्रकार, धीरज डिकोनिया, नीरज गोलहानी, डॉ. ज्योति सोनी एवं ओमकार जायसवाल का भी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान रहा।इस अवसर पर आयोजकों ने बताया कि इस प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से 136 युवाओं को अपने करियर की शुरुआत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ, जो क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायी पहल है।

ऐसे कार्यक्रम युवाओं को रोजगार से जोड़ने और उनके कौशल को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय परिवार द्वारा चयनित छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी गईं तथा इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाने की बात कही गई।

ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए रचा डकैती का नाटक, पकड़े गए 11 भारतीय

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 11 भारतीय नागरिकों पर वीजा में धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। अमेरिकी सरकारी वकीलों के अनुसार, इन लोगों ने ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए शॉर्टकट के तौर पर सुविधा दुकानों में हथियारों के बल पर डकैती का नाटक रचा था। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने जानबूझकर दुकानों में फर्जी डकैती की योजना बनाई। इसका मुख्य उद्देश्य यह था कि स्टोर में काम करने वाले क्लर्क आव्रजन आवेदनों में खुद को अपराध का शिकार बता सके। दरअसल, यह पूरी साजिश यू-वीजा प्राप्त करने के लिए रची गई थी।

यू-वीजा से खुलता है ग्रीन कार्ड का रास्ता

बता दें कि यू-वीजा उन नागरिकों को दिया जाता है जो किसी अपराध के शिकार हुए हों, या जिन्होंने मानसिक या शारीरिक यातनाएं झेली हो और जो पुलिस की जांच में मददगार साबित हुए हों। यह वीजा प्रवासियों को काम करने की अनुमति देता है और 5 से 10 साल के अंदर ग्रीन कार्ड प्राप्त करने का रास्ता भी खोलता है।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे कुछ क्लर्कों ने भिड़ाई थी तिकड़म

अपराध के शिकार हुए लोगों को दिया जाता है अमेरिका में यू-वीजा

आव्रजन आवेदनों में खुद को अपराध का शिकार बताना था उद्देश्य

मैसाचुसेट्स, केंटकी ओहियो के हैं आरोपी

आरोपियों के नाम, जितेंद्रकुमार पटेल (39), महेशकुमार पटेल (36), संजयकुमार पटेल (45), दीपिकाबेन पटेल (40), रमेशभाई पटेल (52), अमिताबेन पटेल (43), रौनककुमार पटेल (28), संगीताबेन पटेल (36), मिंकेश पटेल (42), सोनल पटेल (42) और मितुल पटेल (40) हैं। ये सभी मैसाचुसेट्स, केंटकी और ओहियो जैसे अमेरिकी राज्यों में अवैध रूप से रह रहे थे। दीपिकाबेन पटेल को मैसाचुसेट्स के वेमाउथ में अवैध रूप से रहने के कारण वापस भारत डिपोर्ट (निर्वासित) कर दिया गया है। जितेंद्रकुमार, महेशकुमार, संजयकुमार, अमिताबेन, संगीताबेन और मितुल को मैसाचुसेट्स में गिरफ्तार किया गया था और शुक्रवार को बोस्टन की संघीय अदालत में पेशी के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। रमेशभाई, रौनककुमार, सोनल और मिंकेश को केंटकी, मिसौरी और ओहियो में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें बाद में बोस्टन की संघीय अदालत में पेश किया जाएगा।

ऐसे दिया गया वारदात को अंजाम

आरोप पत्र के अनुसार, मार्च 2023 में 'रामभाई' नामक मुख्य साजिशकर्ता और उसके साथियों ने मैसाचुसेट्स और अन्य स्थानों पर कम से कम छह सुविधा/शराब की दुकानों और फास्ट फूड रेस्तरां में फर्जी डकैतियों को अंजाम दिया। इस नाटक में, लुटेरा सीसीटीवी कैमरे के सामने बंदूक (या उस जैसा कोई हथियार) दिखाकर कैशियर या मालिक को धमकाता था और गल्ले से पैसे लेकर भाग जाता था। लुटेरे के भागने के पांच मिनट या उससे अधिक समय बाद, 'पीड़ित' क्लर्क या मालिक जानबूझकर पुलिस को फोन करके 'अपराध' की रिपोर्ट दर्ज कराते थे ताकि मामला असली लगे।

योजना में शामिल होने आरोपियों ने दिए पैसे

वहीं, जांच में यह भी सामने आया है कि इन कथित पीड़ितों (क्लर्कों) ने इस पूरी योजना में शामिल होने के लिए आयोजक रामभाई को पैसे दिए थे। इसके बदले में, रामभाई ने इस फर्जी डकैती के लिए अपनी दुकानों का इस्तेमाल करने देने के लिए स्टोर मालिकों को पैसे चुकाए थे। रामभाई, डकैती का नाटक करने वाले 'लुटेरे' और उन्हें भगाने वाले ड्राइवर को पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है। वीजा धोखाधड़ी की साजिश के इस आरोप में अधिकतम 5 साल की जेल, 3 साल की निगरानी और 2,50,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2 करोड़ रुपये) के जुर्माने का प्रावधान है।

इराक के अधिकारियों ने की भीषण अटैक की पुष्टि

बगदाद के अमेरिकी दूतावास पर ईरान का बड़ा हमला, हेलीपैड, कैम्पस तबाह

ईरानी मिसाइल ने सुरक्षा में लगाई बड़ी सेंध

सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'ग्रीन जोन' को बनाया गया निशाना

एजेंसी ⏭ बगदाद

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग को 15 दिन हो चुके हैं। शनिवार को ईरान ने अमेरिका को बड़ा झटका दिया है। ईरान ने इराक के बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर हमला किया है।

इराक के अधिकारियों ने हमले की पुष्टि की और बताया कि ईरान की मिसाइल दूतावास के हेलीपैड पर गिरी है। दूतावास परिसर के अंदर हेलिकॉप्टर उताने के लिए हेलीपैड बनाया गया है, जो मिसाइल अटैक से तबाह हो गया है। पूरा कैंपस भी जलकर राख हो गया है। यह हमला तब किया गया है, जब अमेरिका ने खर्ग आइलैंड पर हमला किया और ईरान के सुप्रीम लीडर समेत 10 अधिकारियों पर आतंकवादियों की तरह इनाम की घोषणा की।

बगदाद के सबसे सुरक्षित इलाके में हमला

अमेरिकी दूतावास इराक की राजधानी बगदाद के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'ग्रीन जोन' में है, जहां हमला करने की हिम्मत ईरान ने दिखाई है। हेलीपैड को निशाना बनाकर ही मिसाइल दागी गई थी। हमले के बाद दूतावास परिसर से काला धुआं निकलते देखा गया और कैंपस में हड़कंप भी मच गया। वहीं अमेरिकी दूतावास में लगे रडार सिस्टम पर ड्रोन अटैक हुआ है, जिससे रडार को नुकसान पहुंचा है, लेकिन उसे रिकवर कर लिया जाएगा। सुरक्षित होने के बावजूद ईरान की मिसाइल का हेलिपैड तक पहुंचना सुरक्षा में एक बड़ी सेंध है। अमेरिका की मरीन कॉर्प्स के कमांडो और इराक पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है।

बगदाद में हमला अमेरिका-ट्रंप को सीधी चुनौती

अमेरिकी दूतावास पर हमला सीधे तौर पर ट्रंप को दी गई खुली चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि बगदाद में अमेरिकी दूतावास सबसे सुरक्षित राजनयिक परिसरों में से एक है।

3 अन्य अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी हमले

इस बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया है कि उसने क्षेत्र में मौजूद 3 अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार आईआरजीसी नौसेना प्रमुख एडमिरल अलीरेजा तंगसीरी ने बताया कि इन हमलों में अबू धाबी के अल-धफरा एयरबेस और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस को निशाना बनाया गया। तंगसीरी के मुताबिक पैट्रियट रडार सिस्टम, सैन्य विमान और विमानों के ईंधन भंडारण टैंकों पर हमले हुए।

अमेरिका के 2500 मरीन और जंगी जहाज तैनात

इधर, अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में 2500 मरीन और समुद्र के साथ-साथ जमीन से हमला करने वाले युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। ऐसे में लगता है कि ट्रंप ने अब ईरान के खिलाफ कोई बड़ा प्लान बनाया है। सूत्रों के अनुसार, अमेरिकी सेना की 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट और जमीन से हमला करने वाले जहाज यूएसएस ट्रिपोली को मिडिल ईस्ट की ओर रवाना होने का आदेश दिया गया है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को ब्लॉक करके दुनियाभर के कई देशों में तेल और गैस का संकट खड़ा कर दिया है। ऐसे में अब शायद अमेरिका की तैयारी जमीनी सैन्य कार्रवाई करने की है। बता दें कि 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट, यूएसएस ट्रिपोली और मरीन सैनिकों को लेकर चलने वाले जहाज वर्तमान में जापान में तैनात हैं और प्रशांत महासागर में एक्टिव हैं।

पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में 2 विस्फोटक ड्रोन मार गिराए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सुरक्षा एजेंसियों ने विस्फोटकों से भरे दो ड्रोन मार गिराए हैं। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक एक ड्रोन फैजाबाद इलाके के पास गिरा, जबकि दूसरा I-9 सेक्टर में गिराया गया। इससे पहले अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट क्षेत्र में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। दरअसल पाकिस्तान ने गुरुवार रात अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और कंधार में हवाई हमले किए थे। तालिबान अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में 6 लोगों की मौत और 15 लोग घायल हुए।

कार्यालय कलेक्टर जिला सिवनी एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग

क्रमांक / 930/ भू-अर्जन/2026 | **प्रारंभिक अधिसूचना** | सिवनी दिनांक 06/03/2026

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि, इसमें संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (14) में उल्लेखित वर्णित भूमि की गुनगुच जलाशय परियोजना के बांध एवं नहर निर्माण हेतु सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है अत: भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार एतद् द्वारा सभी संबंधित हितबद्ध व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि, राज्य शासन इसके द्वारा कार्यपालन यंत्री तिलवारा बायी तट नहर संभाग केवलारी जिला सिवनी को संबंधित भूमि के संबंध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 12 मे दी गई शक्तियों के प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करता है। अर्जित की जाने वाली प्रस्तावित भूमि के संबंध में भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 6 के अंतर्गत सिचाई परियोजनाओं की बाबत् जहां तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधो के अधीन पर्यावरणीय समाघात निर्धारण की प्रक्रिया की अपेक्षा की जाती है, इस अधिनियम के सामाजिक समाघात निर्धारण उपबंध लागू नहीं होगे । उपरोक्त के संबंध में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय भारत सरकार भोपाल द्वारा दिनांक 17/04/2015 को स्वीकृति प्रदान की गई है । अत: अधिनियम की धारा 11 (3) के अंतर्गत सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट का सारांश प्रकाशित नही किया जा रहा है। अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरण निम्नानुसार है :-

1 ग्राम का नाम :- गुनगुच प.ह.नं. :- 12 रा.नि.मं. :- धनौरा तहसील :- धनौरा जिला :- सिवनी
2 अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि का क्षेत्रफल :- 4.71 हेक्टेयर

स. क्र.	सर्वेक्षण क्रमांक	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्र. हे. में	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता	सीमाएं उत्तर	सीमाएं दक्षिण	सीमाएं पूर्व	सीमाएं पश्चिम	वृक्ष प्रजाति किस्म	वृक्ष संख्या	संरचनाएं प्रकार	संरचनाएं प्लिथ एरिया
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	202/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.15	धनौतीबाई पत्नी ऐतलाल जाति अहीर नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.202 /1 की भूमि	ख.नं.204 की भूमि	ख.नं.202 /2 की भूमि	ख.नं.202 /2 की भूमि	-	-	-	-
2	209/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.22	सुकराम अभावती अमनवती सुमनवती पि. धीरसिंह शांतिबाई बेवा धीरसिंह झाडुलाल पि. ब्रजलाल रतनू पि. गेंदू जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.208 की भूमि	ख.नं.211 की भूमि	ख.नं.209/ 2 की भूमि	ख.नं.209/ 2 की भूमि	-	-	-	-
3	278/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.12	तोड़र पि. मनोहर जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.278/ 2 की भूमि	ख.नं.282 की भूमि	ख.नं.281 की भूमि	ख.नं.278/ 1 की भूमि	-	-	-	-
4	278/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.25	घूमन पि. लागू जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.254 की भूमि	ख.नं.278/ 1 की भूमि	ख.नं.278/ 2 की भूमि	ख.नं.278/ 2 की भूमि	-	-	-	-
5	261	भूमिस्वामी	कृषि	0.10		ख.नं.212/ 2 की भूमि	ख.नं.254 की भूमि	ख.नं.261 की भूमि	ख.नं.261 की भूमि	-	-	-	-
6	286	भूमिस्वामी	कृषि	0.04	जगतसिंह पि. दुरगसिंह मनीराम पुनाराम गंगाराम छोटेलाल पि. भादू जातिगोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.282 की भूमि	ख.नं.287 की भूमि	ख.नं.281 की भूमि	ख.नं.286 की भूमि	-	-	-	-
7	387	भूमिस्वामी	कृषि	0.28		ख.नं.387 की भूमि	ख.नं.387 की भूमि	ख.नं.385 की भूमि	ख.नं.393 की भूमि	-	-	-	-
8	282	भूमिस्वामी	कृषि	0.05	भन्नीबाई पत्नी तिलोक सिंह जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.278/ 1 की भूमि	ख.नं.286 की भूमि	ख.नं.281 की भूमि	ख.नं.282 की भूमि	-	-	-	-
9	296	भूमिस्वामी	कृषि	0.05		ख.नं.296 की भूमि	ख.नं.397 की भूमि	ख.नं.403 की भूमि	ख.नं.293 की भूमि	-	-	-	-
10	287	भूमिस्वामी	कृषि	0.01	मेहत्तर दशरीबाई सुमियाबाई बतसियाबाई श्यामाबाई पि. नन्दू जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.286 की भूमि	ख.नं.288 की भूमि	ख.नं.290/ 1 की भूमि	ख.नं.287 की भूमि	-	-	-	-
11	290/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.08	सोमाबाई पि. धीरसिंह जाति गोंड नि.ग्रा.भूमिस्वामी	ख.नं.281/ 1 की भूमि	ख.नं.290/ 3 की भूमि	ख.नं.287 की भूमि	ख.नं.290/ 1 की भूमि	-	-	-	-
12	290/3	भूमिस्वामी	कृषि	0.05	दशोदाबाई श्यामा पि.बादल मितियाबाई बेवा बादल लेखचंद नाबा पुत्र बादल संरक्षक मितियाबाई जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.290/ 1 की भूमि	ख.नं.290/ 7 की भूमि	ख.नं.290/ 3 की भूमि	ख.नं.290/ 4 की भूमि	-	-	-	-
13	290/7	भूमिस्वामी	कृषि	0.15	चैतूलाल पि. हरिलाल जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.280/ 4 की भूमि	ख.नं.280/ 11 की भूमि	ख.नं.280/ 7 की भूमि	ख.नं.290/ 7 की भूमि	-	-	-	-
14	290/ 11	भूमिस्वामी	कृषि	0.43	सोमाबाई पि. धीरसिंह जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.290/ 7 की भूमि	ख.नं.290/ 11 की भूमि	ख.नं.290/ 11 की भूमि	ख.नं.290/ 11 की भूमि	-	-	-	-
15	291	भूमिस्वामी	कृषि	0.10	संतोष सेवकली दिप्पीबाई हरियोबाई पि. चौधरी जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.291 की भूमि	ख.नं.407 की भूमि	ख.नं.407 की भूमि	ख.नं.293/ 1 की भूमि	-	-	-	-
16	376	भूमिस्वामी	कृषि	0.04		ख.नं.376 की भूमि	ख.नं.377 की भूमि	ख.नं.375 की भूमि		-	-	-	-
17	293/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.05	रमन पि.सूरज जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.293/ 1 की भूमि	ख.नं.293/ 2 की भूमि	ख.नं.290 की भूमि	ख.नं.294 की भूमि	-	-	-	-
18	293/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.10	मेमवती पत्नी अतरसिंह जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.293/ 1 की भूमि	ख.नं.293/ 2 की भूमि	ख.नं.290 की भूमि	ख.नं.294 की भूमि	-	-	-	-
19	294	भूमिस्वामी	कृषि	0.14	चम्पीबाई पति चेतराम जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.294 की भूमि	ख.नं.294 की भूमि	ख.नं.293 की भूमि	ख.नं.276/ 2 की भूमि	-	-	-	-
20	299	भूमिस्वामी	कृषि	0.03	बेनसिंह चैनसिंह बेनाबाई पि. गिरानी जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.299 की भूमि	ख.नं.394 की भूमि	ख.नं.296 की भूमि	ख.नं.394 की भूमि	-	-	-	-
21	378	भूमिस्वामी	कृषि	0.22	गंगाराम पि. भादू जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.378 की भूमि	ख.नं.378 की भूमि	ख.नं.377 की भूमि	ख.नं.884/ 5 की भूमि	-	-	-	-
22	384/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.12	सुन्हेर पि. मदनसिंह जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.384/ 2 की भूमि	ख.नं.384/ 2 की भूमि	ख.नं.385 की भूमि	ख.नं.378 की भूमि	-	-	-	-
23	393	भूमिस्वामी	कृषि	0.12	वीरसिंह मेरसिंह हरिसिंह पि. पतिराम श्यामाबाई बेवा पतिराम बतसियाबाई बेवा तेईसिंग मानवती बेवा चमनलाल रेखा सुलेखा सरला वर्षा पि. चमनलाल दशोदाबाई बेवा रतिराम सुकरती थकरीबाई बतरोबाई पि. रतिराम जाति गोंड नि. ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.393 की भूमि	ख.नं.393 की भूमि	ख.नं.394 की भूमि	ख.नं.387 की भूमि	-	-	-	-
24	394	भूमिस्वामी	कृषि	0.14	हीरालाल पि. लखनू जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.394 की भूमि	ख.नं.394 की भूमि	ख.नं.397 की भूमि	ख.नं.393 की भूमि	-	-	-	-
25	397	भूमिस्वामी	कृषि	0.14	मनीराम पि. भादू जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.296 की भूमि	ख.नं.397 की भूमि	ख.नं.403 की भूमि	ख.नं.394 की भूमि	-	-	-	-
26	407	भूमिस्वामी	कृषि	0.17	रतो बाई बेवा दशरथ रेशलाल किशनलाल रेशवती रामवती पि.दशरथ सुदामा बाई बेवा रोशनलाल अनारसिंह अजयकुमार पि. रोशनलाल जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.292 की भूमि	ख.नं.407 की भूमि	ख.नं.291 की भूमि	ख.नं.292 की भूमि	-	-	-	-
27	412/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.25	महेन्द्रसिंह पि. कुन्दनसिंह जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.412/ 1 की भूमि	ख.नं.413/ 1 की भूमि	ख.नं.249 की भूमि	ख.नं.212/ 2 की भूमि	-	-	-	-
28	412/2	भूमिस्वामी	कृषि	018	धूरवती पत्नी सुम्मारी जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.412/ 2 की भूमि	ख.नं.412/ 2 की भूमि	ख.नं.412/ 2 की भूमि	ख.नं.410 की भूमि	-	-	-	-
29	377	भूमिस्वामी	कृषि	0.25	सुखबतीबाई बेवा कमलसिंह राजकुमार राजकुमारी पि. कमलसिंह गड्डीबाई पि. साकू जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.377 की भूमि	ख.नं.377 की भूमि	ख.नं.378 की भूमि	ख.नं.376 की भूमि	-	-	-	-
30	295	भूमिस्वामी	कृषि	0.02	जगत मत्थू कतल मोहवत पि. कोदू सोमाबाई पि. धीरसिंह जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.276/ 4 की भूमि	ख.नं.205 की भूमि	ख.नं.276/ 5 की भूमि	ख.नं.403 की भूमि	-	-	-	-
31	276/5	भूमिस्वामी	कृषि	0.11	रहनसिंह रैनवती पि. चरनसिंह जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.276/ 5 की भूमि	ख.नं.276/ 5 की भूमि	ख.नं.276/ 6 की भूमि	ख.नं.276/ 4 की भूमि	-	-	-	-
32	276/6	भूमिस्वामी	कृषि	0.08	नरेंन्द्र कुमार सरूते पि. नीलमसिंह जाति गोंड नि. धनौरा भूमिस्वामी	ख.नं.276/ 6 की भूमि	ख.नं.276/ 6 की भूमि	ख.नं.276/ 1 की भूमि	ख.नं.276/ 5 की भूमि	-	-	-	-
33	276/1	भूमिस्वामी	कृषि	0.30	सुबेलाल सुभई सुभनलाल सक्खोबाई पि. भिकई दसोदाबाई बेवा सुमरन सुमंत्राबाई पुत्री सुमरन जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.276/ 1 की भूमि	ख.नं.276/ 1 की भूमि	ख.नं.276/ 2 की भूमि	ख.नं.276/ 6 की भूमि	-	-	-	-
34	276/2	भूमिस्वामी	कृषि	0.09	अतरसिंह पि. बोधनसिंह जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.276/ 2 की भूमि	ख.नं.276/ 2 की भूमि	ख.नं.294 की भूमि	ख.नं.276/ 1 की भूमि	-	-	-	-
35	290/5	भूमिस्वामी	कृषि	0.04	मितियाबाई बेवा बादल दशोदाबाई लेखचंद नाबा. पि. बादल जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.290/ 1 की भूमि	ख.नं.290/ 7 की भूमि	ख.नं.290/ 5 की भूमि	ख.नं.290/ 4 की भूमि	-	-	-	-
36	208	भूमिस्वामी	कृषि	0.04	सुन्हेर पि. डिल्ली नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.208 की भूमि	ख.नं.209/ 9 की भूमि	ख.नं.208 की भूमि	ख.नं.208 की भूमि	-	-	-	-
योग	36			4.71						-	-	-	-

1. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी घंसौर जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है ।2. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय कार्यपालन यंत्री, तिलवारा बांयी तट नहर संभाग केवलारी जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है। 3. अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई भी व्यक्ति कलेक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना किसी ऐसी अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से भूमि का कोई भी संव्यवहार नही करेगा या कोई भी संव्यवहार नही होने देगा अर्थात कय / विक्रय आदि नही करेगा या ऐसी भूमि पर कोई विल्लंगम सृजित नही करेगा ।4. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि के बारे में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति " भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा - 15 (1) के अधीन इस अधिसूचना प्रकाशन के 60 दिनों के अंदर भूमि अर्जन के बारे में कलेक्टर के समक्ष आक्षेप यदि कोई हो, फाईल किए जा सकेगे।

G-27297/25

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

(बिसन सिह गौंड)
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
एवं भू-अर्जन अधिकारी घंसौर जिला सिवनी (म.प्र.)

"स्वच्छता ही सेवा"

(शीतला पटले)
कलेक्टर सिवनी एवं पदेन उपसचिव
मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग जिला सिवनी (म.प्र.)

इंडिगो-एयर इंडिया के बाद अकासा की उड़ान भी महंगी

हवाई सफर पर मिडिल ईस्ट जंग की मार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अगर आप भी गर्मियों की छुट्टियों में कहीं बाहर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो अपनी जेब थोड़ी और ढीली करने के लिए तैयार हो जाइए। एयर इंडिया और इंडिगो के नक्शेकदम पर चलते हुए अब अकासा एयर ने भी ईंधन की बढ़ती कीमतों का बोझ यात्रियों पर डालने का फैसला किया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण एयरलाइन 15 मार्च से टिकट बुकिंग पर 1300 रुपये तक का अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूल करेगी। अकासा एयर के प्रवक्ता द्वारा जारी बयान के अनुसार, ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण यह कदम उठाना अनिवार्य हो गया है। नए चार्ज 15 मार्च 2026 की रात 00:01 बजे से होने वाली सभी बुकिंग पर लागू होंगे। अगर आपने 15 मार्च से पहले टिकट बुक कर ली है, तो आपको यह अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा।

कितना लगेगा एक्स्ट्रा चार्ज?

नया सरचार्ज फ्लाइट की दूरी और समय के आधार पर तय किया गया है। यह सरचार्ज घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों पर लागू होगा। इसका न्यूनतम शुल्कः 199 रुपये व अधिकतम शुल्कः 1300 रुपये होगा। एयरलाइन का कहना है कि मिडिल ईस्ट में उपजे हालातों की वजह से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में इजाफा हुआ है। इसी के चलते हमें 199 रुपये से लेकर 1300 रुपये तक का फ्यूल सरचार्ज लगाने पर मजबूर होना पड़ा है।

फ्लाइट की अवधि से तय होगी टिकट की कीमत

सरचार्ज प्रत्येक सेक्टर के हिसाब से अलग-अलग होगा। इसका मतलब है कि फ्लाइट जितनी लंबी होगी, यात्री को उतना अधिक सरचार्ज देना होगा। उदाहरण के तौर पर, छोटे रूट जैसे दिल्ली से चंडीगढ़ के मुकाबले लंबे रूट जैसे मुंबई से सिंगापुर या दिल्ली से केरल पर यह शुल्क अधिक हो सकता है।

इंस्टाग्राम में प्राइवेसी खत्म! पढ़ सकेगा अब आपकी चैट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। कंपनी ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि इंस्टाग्राम पर एंड टू एंड एनक्रिप्टेड चैट फीचर 8 मई 2026 के बाद बंद कर दिया जाएगा। यानी इस तारीख के बाद इंस्टाग्राम के डायरेक्ट मैसेज (डीएम) में यह सुरक्षा फीचर उपलब्ध नहीं रहेगा। यह जानकारी खुद इंस्टाग्राम के आधिकारिक हेल्प पेज पर दी गई है, जहां साफ कहा गया है कि 8 मई 2026 के बाद इंस्टाग्राम पर एंड टू एंड एनक्रिप्टेड मैसेजिंग सपोर्ट नहीं करेगा। अगर किसी यूजर की चैट इस फीचर के तहत है, तो उन्हें पहले से नोटिफिकेशन मिलेगा और वे अपने चैट डेटा को डाउनलोड भी कर सकेंगे।

एंड टू एंड एन्क्रिप्शन

एंड टू एंड एनक्रिप्शन में मैसेज भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई भी तीसरा व्यक्ति उसे पढ़ नहीं सकता। यहां तक कि प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनी भी उन मैसेज को नहीं देख सकती। इस तकनीक में मैसेज भेजते समय वह एक कोड में बदल जाता है और केवल रिसीवर के डिवाइस पर ही डिक्रिप्ट होता है। इसी वजह से इसे डिजिटल दुनिया में सबसे मजबूत प्राइवेसी सुरक्षा माना जाता है। सिग्नल और वाट्सएप जैसे कई मैसेजिंग प्लेटफॉर्म इसी तकनीक का इस्तेमाल करते हैं ताकि यूजर्स की बातचीत पूरी तरह निजी रह सके।

पंजाब सरकार को करना होगा पेंशनरों को बकाया भुगतान

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंजाब के हजारों पेंशनरों को बड़ी राहत देते हुए राज्य सरकार को लंबित संशोधित पेंशन और महंगाई भत्ता (डीए) का बकाया भुगतान करने का आदेश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह लाभ केवल याचिकाकर्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सभी योग्य पेंशनरों को दिया जाएगा। हाई कोर्ट ने पंजाब के मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि तीन महीने के अंदर आदेश के पालन की रिपोर्ट जिम्मेदार अधिकारी के हलफनामे के साथ अदालत में पेश की जाए। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि आदेश के पालन में कोई ढिलाई बरती गई तो प्रभावित पेंशनर हाई कोर्ट के हुक्मों की अवहेलना की कार्रवाई के लिए फिर से अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

अमेरिका-इजराइल वर्सेज ईरान युद्ध दो सप्ताह से अधिक समय से जारी है। इसके चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों में उछाल आया है। वहीं, खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा पर भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है। दुनिया के कुछ बड़े देश जिनसे इस जंग को रुकवाने में हस्तक्षेप की उम्मीद थी, वह अपना-अपना गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। उधर, संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दरअसल, यूएन की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य ही आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति व सुरक्षा बनाए रखना था। वर्तमान में वह अपने इस उद्देश्य में असफल प्रतीत होने लगा है। नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है, जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है। इस संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है। भारत ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है। बहरहाल, इस तरह के संकट भारत की विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि अगर यह युद्ध और अधिक लंबा चला तो इसके दूरगामी परिणाम भयावह हो सकते हैं। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे कदम

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेशी मामलों के जानकार

इजराइल-अमेरिका विरुद्ध ईरान युद्ध भीषण और विनाशकारी तौर पर निरंतर जारी है। दो सप्ताह से अधिक व्यतीत हो जाने के बाद भी युद्ध समाप्ति की तरफ अग्रसर होने के स्थान पर भीषण विध्वंसकता की तरफ विकरालता ग्रहण कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ऐलान के साथ युद्ध का आगाज किया गया था कि यथाशीघ्र ही ईरान में सत्ता परिवर्तन अंजाम दे दिया जाएगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि खाड़ी युद्ध यदि कुछ अधिक लंबा चल गया तो फिर इस जंग के तृतीय विश्व युद्ध में परिवर्तित हो जाने की प्रबल आशंका है।

इजराइल-अमेरिका विरुद्ध ईरान युद्ध भीषण और विनाशकारी तौर पर निरंतर जारी है। दो सप्ताह से अधिक व्यतीत हो जाने के बाद भी युद्ध समाप्ति की तरफ अग्रसर होने के स्थान पर भीषण विध्वंसकता की तरफ विकरालता ग्रहण कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ऐलान के साथ युद्ध का आगाज किया गया था कि यथाशीघ्र ही ईरान में सत्ता परिवर्तन अंजाम दे दिया जाएगा। ईरान की जमीनी वास्तविकता को समझने में नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप ने बुनियादी गलती अंजाम दे डाली। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खुमैनी और ईरान के शीर्ष नेतृत्व एवं सैन्य कमांडरों को कत्ल कर दिए जाने के पश्चात ईरान और अधिक एकजुट और आक्रामक हो गया है। अमेरिकी और इजराइली लीडरान ने इराक के विरुद्ध ईरान की शत अल अरब की जंग को विस्मृत कर दिया कि इस जंग में सद्दाम हुसैन की आक्रामक सेना के पीछे अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों के सैन्य बलों की ताकत विद्यमान थी। इराक बनाम ईरान जंग तकरीबन दस वर्षों तक निरंतर जारी रही और इस जंग में ईरान के तकरीबन दस लाख ईरानी नौजवान मारे गए थे। इराक वस्तुतः ईरान के विरुद्ध जंग को फतेह नहीं कर सका था।

एनर्जी मार्केट, सप्लाई चेन बिगड़ी

इस्लामी गणराज्य ईरान के दुर्दान्त लड़ाकू चरित्र को देखते हुए यह कहना अत्यंत मुश्किल है कि वर्तमान जंग का खात्मा जल्दी होने वाला है। दुर्भाग्य से यदि यह भीषण जंग दीर्घकाल तक खिंचती चली गई तो फिर अमेरिका, इजराइल और ईरान के साथ ही साथ समस्त विश्व के समक्ष के विकराल दुष्परिणाम उपस्थित हो जाएंगे। इस जंग के कारण ग्लोबल एनर्जी मार्केट और सप्लाई चेन में अत्यंत उथल-पुथल व्याप्त हो गई है। दुष्कर हालत से प्रतीत हो रहा है कि वैश्विक आर्थिक संकट से अनेक देश निपटने की तैयारी कर रहे हैं। जबकि कुछ देशों को विशेष कर रूस और चीन को इस विभीषिका और

अव्यवस्था के मध्य रणनीतिक और बेहतर आर्थिक अवसर भी हासिल हो रहे हैं। 28 फरवरी से निरंतर जारी जंग के दौरान ही तेल की क़ीमत आकाश को स्पर्श कर रही है। अभी तक की जंग से क्रूड तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुकी है। शिपिंग और ऊर्जा के बुनियादी ढांचों पर विध्वंसकारी हवाई आक्रमणों और होर्मुज स्ट्रेट के पूरी तरह बंद किए जाने से तेल की कीमत और भी अधिक बढ़ सकती हैं।

तेल की कीमतों में इजाफा

तेल और गैस पर बरपा हुआ यह भीषण संकट जिस तरह से दक्षिण एशियाई मुल्कों में विकराल से आच्छादित हो रहा है, वैसा और कहीं नहीं बरप रहा है। पिछले वर्ष होर्मुज स्टेट से गुजरने वाले कुल तेल और गैस का लगभग 90 फ़ीसदी दक्षिण एशिया के इलाके में भेजा गया था। आम नागरिकों को अपने घरों का चूल्हा जलाने, गाड़ियों में ईंधन भरने, बिजली उत्पादन के लिए तेल व गैस पर अत्यधिक निर्भर रहना पड़ता है। उद्योगों को संचालित करने के लिए कारोबारी जगत को भी तेल और गैस की बहुत बड़ी दरकार रहती है। विगत सप्ताह नागरिक विमानों में प्रयोग होने वाले तेल की कीमत तकरीबन 60 प्रतिशत बढ़ चुकी है। पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम, कंबोडिया, थाईलैंड, फिलिपींस, इंडोनेशिया, जापान, साउथ कोरिया और भारत आदि दक्षिण एशिया के अनेक देश इस विकराल स्थिति का जबरदस्त दबाव और दंश झेल रहे हैं। जंग शुरू होने के बाद अमेरिका में भी पेट्रोल की औसत क़ीमत विगत दिनों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक हो गई है और डीजल की कीमत भी एक तिहाई से अधिक बढ़ गई है।

भारत को ईरान से मिली राहत

वहीं ब्रिटेन में डीजल की कीमत 9 प्रतिशत अभी तक बढ़ गई है। यह ऐसा मसला है जिससे तकरीबन सभी देशों की सरकारें बेहद परेशान हैं। रूस से आयातित तेल को भारत रिफाइन प्रक्रिया करके यूरोप को सप्लाई करता रहा था। फिलहाल रूस द्वारा यूरोप के लिए तेल और गैस और सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी गई है। पेट्रोल और गैस की किल्लत का असर केवल चीन पर कदाचित नहीं हो रहा है। एशिया के अन्य देशों की तुलना में चीन की बिजली उत्पादन क्षेत्र में तेल और गैस पर निर्भरता बहुत कम है। भारत के लिए राहत की खबर है कि भारत में ईरान के राजदूत के ऐलान के मुताबिक भारत को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित पैसेज प्रदान किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका द्वारा आयद प्रतिबंधों के बाद भारत द्वारा ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया गया था। इसके बावजूद भारत और ईरान के मध्य व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध बाकायदा मित्रतापूर्ण कायम रहे। भारत द्वारा ईरान के चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए भारी भरकम निवेश किया गया है।

अमेरिका द्वारा भारत सहित अनेक देशों को रूस से तेल खरीदने के लिए तीस दिनों की मोहलत प्रदान की गई है। इस अमेरिकन मोहलत की बदौलत ही रूस अपना खाली खजाना भर लेगा। अमेरिका के ईरान युद्ध में बुरी तरह से उलझ जाने के पश्चात यूक्रेन युद्ध में रूस को और अधिक कामयाबी हासिल हो सकती है। यूक्रेन को अब अमेरिकन हथियारों की सप्लाई बुरी तरह से बाधित हो जाएगी। रूस से भारत सहित अनेक देशों को तेल खरीदने की मोहलत प्रदान करने से यूरोपीय यूनियन के देश अमेरिका से और अधिक नाराज हो गए। कनाडा और ग्रीनलैंड पर डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने आधिपत्य का दावा पेश करने के पश्चात यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के मध्य टकराव और तकरार शुरू हो गई थी।

खाद्य संकट छाने की आशंका

इस युद्ध में अपने पुराने नाटो सहयोगियों के मध्य अमेरिका अलग-थलग पड़ता जा रहा है। कृषि उत्पादन में फर्टिलाइजर्स का गहन अभाव हो जाने पर खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। भारत की दोस्ती वस्तुतः इजराइल और ईरान दोनों देशों के साथ कायम रही है। खाड़ी देशों में निवास कर रहे तकरीबन 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा की चिंता भी भारत सरकार को है। भारत समुचित कूटनीतिक पहल करे तो इस जंग को समाप्त कराने में वह जबरदस्त भूमिका का निर्वाह कर सकता है। खाड़ी युद्ध यदि कुछ अधिक लंबा चल गया तो फिर इस जंग के तृतीय विश्व युद्ध में परिवर्तित हो जाने की प्रबल आशंका है।

तेल, युद्ध और होर्मुज़ : हिल गई दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था

संघर्ष

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच खाड़ी में छिड़ी जंग ने पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को झकझोर दिया है। इस संघर्ष का सबसे बड़ा असर पड़ा है स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (हॉर्मुज जलडमरूमध्य) पर-वह संकरा समुद्री रास्ता, जिससे दुनिया का करीब 20% तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) गुजरता है। जंग के कारण यह रास्ता लगभग ठप हो गया है। इसी वजह से इन दिनों यह नाम खबरों में बार-बार सुनाई दे रहा है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के मुताबिक, यह आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति रुकावट बन चुकी है। खाड़ी क्षेत्र में तेल-गैस उत्पादन रोजाना करीब 1 करोड़ बैरल तक घट गया है। ईरान के हमलों से कई खाड़ी देशों की ऊर्जा सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। नतीजा साफ है- तेल की कीमतें 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इससे पूरी दुनिया में महंगाई का दबाव बढ़ गया है और अर्थव्यवस्थाओं पर भारी बोझ पड़ रहा है।

दुनिया पर असर : इस संकट की सबसे ज्यादा मार यूरोप और एशिया पर पड़ रही है, क्योंकि ये इलाके अपनी लगभग 90 फीसद ऊर्जा इसी रास्ते से आयात करते हैं। होर्मुज के लगभग बंद होने से तेल टैंकरों का आवागमन करीब 98 फीसद तक गिर गया है। इसका सीधा असर गैस बाजार पर भी पड़ा है। विकासशील देशों में ईंधन महंगा होने से खाने-पीने की चीजें महंगी हो रही हैं और उद्योगों की लागत बढ़ रही है। खाड़ी के प्रमुख उत्पादक- सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इराक में उत्पादन रुकने से वैश्विक सप्लाई चेन में देरी और अनिश्चितता बढ़ गई है। यह संकट एक बड़ी सच्चाई भी उजागर करता है-दुनिया की अर्थव्यवस्था अब भी फॉसिल ईंधन (कोयला, तेल, गैस) पर बहुत ज्यादा निर्भर है। यह निर्भरता ऐसे छोटे-से "चोकपॉइंट" पर टिकी है, जो किसी भी समय संकट का कारण बन सकता है।

भारत की स्थिति भी आसान नहीं है। देश अपनी जरूरत का 85–90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45–50% तेल खाड़ी से, यानी होर्मुज के रास्ते आता है। भारत का करीब 90% एलपीजी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है।

भारत पर क्या असर : भारत की स्थिति भी आसान नहीं है। देश अपनी जरूरत का 85–90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45–50% तेल खाड़ी से, यानी होर्मुज़ के रास्ते आता है। भारत का करीब 90% एलपीजी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है। अगर सप्लाई लंबे समय तक बाधित रही, तो देश में ईंधन की कमी का खतरा पैदा हो सकता है। भारत के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में सीमित अवधि का ही स्टॉक है। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ेगी, रुपया दबाव में आएगा और सरकारी बजट पर बोझ बढ़ेगा। इसका असर आम जिंदगी पर भी दिखने लगा है।

इससे हवाई यात्रा महंगी हो रही है, परिवहन लागत बढ़ रही है और देश भर में छोटे होटल, रेस्तरां और ढाबे तक प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि संकट के बीच भारत ने कुछ समझदारी भरे कदम भी उठाए हैं। रूस से तेल आयात बढ़ाकर करीब 40% कर दिया गया। इसके अलावा, स्पॉट मार्केट (जहां तुरंत खरीद-बिक्री होती है) से करीब 3 करोड़ बैरल तेल खरीदा गया।

आगे का रास्ता क्या : कम अवधि में सबसे जरूरी कदम है आयात के स्रोतों को विविध बनाना। भारत और दुनिया को अमेरिका, नाइजीरिया, दक्षिण अमेरिका जैसे क्षेत्रों से ज्यादा तेल-गैस लाना होगा।लेकिन असली समाधान लंबी अवधि में है- साफ ऊर्जा। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसमें सौर , पवन ऊर्जा परियोजनाएं और इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार शामिल है, ताकि तेल पर निर्भरता कम हो सके। इसके अलावा- परमाणु ऊर्जा का विस्तार और केजी बेसिन में घरेलू गैस उत्पादन बढ़ाना भी है। ये सभी कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।

खाड़ी की यह जंग एक साफ संदेश देती है- दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा बेहद नाजुक है। अगर पूरी व्यवस्था कुछ संकरे समुद्री रास्तों पर टिकी रहेगी, तो ऐसे संकट बार-बार आते रहेंगे। भारत के लिए भी यही सबक है: ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ना। विविध आयात, बड़े भंडार और हरित ऊर्जा में निवेश- यही भविष्य का रास्ता है। अगर सही फैसले लिए जाएं, तो यह संकट केवल खतरा नहीं बल्कि एक अवसर भी बन सकता है। एक ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बनाने का अवसर, जो मजबूत हो, सुरक्षित हो और ज्यादा स्वतंत्र भी।

भारत के लिए कूटनीतिक संतुलन साधने की चुनौती

चिंतन

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका और इजराइल का ईरान के साथ चल रहा युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डालने लगा है। दो हफ्तों से जारी इस संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों और खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा पैदा हो गया है। इसका सीधा असर भारत पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत की ऊर्जा जरूरतें और बड़ी संख्या में भारतीय कामगार खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। इजराइल-अमेरिका के ईरान पर हमले के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्गों में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जो दुनिया के ज्यादात्तर देशों के लिए कच्चे तेल और गैस की सप्लाई का यह एक महत्वपूर्ण रास्ता है। इससे आपूर्ति प्रभावित होने और माल ढुलाई की लागत बढ़ने को लेकर चिंता बढ़ी है। पश्चिम एशिया भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। भारत के निर्यात में इसकी लगभग 14 प्रतिशत और आयात में लगभग 21 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐसे में यदि तनाव और बढ़ता है तो व्यापार के साथ ऊर्जा आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। फिर भी भारत ने साफ कर दिया है कि वह जंग नहीं बल्कि शांति और कूटनीति का समर्थक है। हालांकि, भारत और ईरान के रिश्ते हमेशा वैचारिक समानता पर आधारित नहीं रहे, बल्कि इनका मूल आधार व्यावहारिक हित और रणनीतिक जरूरतें रही हैं। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे कई मुद्दे इससे जुड़े हैं। इसलिए भारत कोशिश कर रहा है कि सभी पक्षों से संवाद बनाए रखते हुए संतुलित नीति अपनाई जाए। फिर भी देखा जाए तो, पिछले दो दशकों में भारत ईरान के साथ अपने संबंधों को लेकर पूरी तरह स्वतंत्र निर्णय नहीं ले पाया। इसकी एक बड़ी वजह अमेरिका की प्रतिबंधात्मक नीतियां रही हैं। ईरान से जुड़ा हर बड़ा फैसला भारत को अमेरिका के साथ अपने संबंधों को ध्यान में रखकर लेना पड़ा है। यही वजह है कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ अभियान तेज किए जाने के बीच, भारत कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। क्योंकि भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 80 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतों में आग लगेगी और भारत सीधे चपेट में आएगा। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी और देश का व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने का खतरा रहेगा। फिर भी, नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है। संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है। नई दिल्ली ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है। इसके कारण स्पष्ट हैं। संघर्ष में शामिल सभी प्रमुख पक्षों के साथ भारत के महत्वपूर्ण संबंध हैं। चाबहार बंदरगाह परियोजना के माध्यम से भारत की क्षेत्रीय संपर्क संबंधी महत्वाकांक्षाओं में ईरान की केंद्रीय भूमिका है। वहीं, इजराइल भारत के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदारों में से एक है, जो वायु रक्षा प्रणाली, ड्रोन और निगरानी प्लेटफॉर्म सहित उन्नत प्रौद्योगिकियां प्रदान करता है। साथ ही, पिछले एक दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी में काफी मजबूती आई है, जिसमें रक्षा सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करना और उभरती। वहीं पश्चिम एशियाई क्षेत्र में लगभग 90 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं। यह समुदाय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए हर साल लगभग सौ अरब डालर का योगदान देता है। यह वित्तीय प्रवाह भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत और ईरान के संबंध वैचारिक निकटता की बजाय पारस्परिक हितों पर आधारित रहे हैं। तीनों प्रधानमंत्रियों की मुलाकातों ने यह सुनिश्चित किया कि संवाद की प्रक्रिया जारी रहे। अब पश्चिम एशिया के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में यह देखना अहम होगा कि यह रणनीतिक साझेदारी किस दिशा में आगे बढ़ती है। बहरहाल, इस तरह के संकट भारत की विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं। आने वाले महीनों में यह तय होगा कि संघर्ष सीमित रहेगा या एक व्यापक क्षेत्रीय संकट में बदल जाएगा। फिलहाल, मध्य पूर्व एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जिसके परिणाम युद्धक्षेत्र से कहीं आगे तक फैलेंगे।

युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतों में आग लगेगी और भारत सीधे इसकी चपेट में आएगा। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी और देश का व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने का खतरा रहेगा।

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

औचित्य

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजराइली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखती हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतरराष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली-जामा पहनाना रहा। जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां न सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए-नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। अब सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। सवाल यह है कि क्या वह अपने इस उद्देश्य में सफल है?

उद्देश्य, दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म-निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही,गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है। सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है।

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर-टुकुर देखने को मजबूर रहता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देश्य युद्धों को रोकना है, लेकिन न तो यह शीत युद्ध को रोक सका, न ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी। जब से ट्रंप ने अमेरिका की दोबारा कमान संभाली है, तब से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को और ज्यादा पंगु करने की कोशिश की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत संयुक्त राष्ट्र के कई अंगों में अपनी आर्थिक भागीदारी और सहयोग उन्होंने घटाना शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि संयुक्त राष्ट्र के मंचों के जरिए अमेरिकी करदाताओं की बड़ी रकम बेकार के कामों में खर्च हो रही है, जिसका अमेरिका को सीधे फायदा नहीं मिलना है। ऐसे में आने वाले दिनों में संयुक्त राष्ट्र की स्थिति और भी ज्यादा निरीह होने वाली है।

आश्चर्यजनक है चीन और रूस की चुप्पी !

दृष्टिकोण

डॉ. एन. के. सोमानी

स्वतंत्र स्तंभकार

इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। पुरी दुनिया में भय, चिंता और अफर-तफरी का माहौल है। युद्ध की लंबी खिंचती अवधि ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि सनकी शासकों की सनक के परिणाम स्वरूप होने वाले युद्धों का आगाज तो आसान है, लेकिन अंजाम सरल नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध और गाजा-इजराइल के थकाऊ और उबाऊ संघर्ष से निकलकर सामने आ रही खौफनाक तस्वीरों के बावजूद दुनिया के कथित 'बुचर ब्रदर्स' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके खासमखास इजराइली राष्ट्रपति बैंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर हमला कर दुनिया को संकट में डाल दिया। दोनों पक्ष एक दूसरे के सिविल और सैन्य ठिकानों पर हमला कर नुकसान पहंचाने का दावा कर रहे हैं। वैश्विक शांति की जिम्मेदारी जिन संस्थाओं और संगठनों ने ली हुई है, वह पूरी तरह से खामोश है। दुनिया के कुछ बड़े देश जिनसे हस्तक्षेप की धुंधली सी उम्मीद थी, वह अपना-अपना गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। हालांकि चीन और रूस ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों की निंदा की है। दोनों देशों की ओर से ईरान को कूटनीतिक और तकनीकी समर्थन दिए जाने की बात कही जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की बैठक में दोनों पक्षों के बीच हुई गरमा-गरम बहस में जहां एक ओर अमेरिका ने ईरान के साथ जारी जंग को सही ठहराने की कोशिश की। वहीं, दूसरी तरफ चीन और रूस ने ईरान के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों का विरोध किया और मौजूदा संकट के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। कहने को तो चीन और रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के साथ खड़े दिख रहे हैं लेकिन दोनों महाशक्तियां सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए भी दिख रही हैं।

चीन की भूमिका : ईरान और इजराइल-अमेरिका संघर्ष में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की चुप्पी आश्चर्यजनक है। ईरान द्वारा इस्तेमाल की जा रही मिसाइलों और ड्रोन्स में चीनी बेडू नेविगेशन सिस्टम के उपयोग की खबरें आई है। चीन लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समर्थक रहा है। सिंतबर 2025 में जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात हुई, उस वक्त जिनपिंग ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समर्थन करते हुए कहा था कि वह ईरान के परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अधिकार का सम्मान करते है। ऐसे में सवाल यह है कि चीन की चुप्पी किसी दुविधा का परिणाम है या किसी दीर्घकालिक रणनीति का संकेत। कहीं ऐसा तो नहीं कि चीन मौजूदा संकट में कूटनीतिक अवसरों के जरिए अपने हितों को

कहने को तो चीन और रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के साथ खड़े दिख रहे हैं लेकिन दोनों महाशक्तियां सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए भी दिख रही हैं।

साधने की कोशिश में जुटा हो। अगर ऐसा है तो मध्यपूर्व में अमेरिका को काउंटर करने में ईरान की जो भूमिका रही, चीन की ओर से उसकी अनदेखी करना उचित नहीं है। हो सकता है चीन अपनी ताइवान नीति के कारण ईरान के पक्ष में खुलकर आने से गुरेज कर रहा हो। बीजिंग अपनी 'वन चाइना पॉलिसी' में ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और वह पुनः इसे अपने देश का हिस्सा बनाना चाहता है। अमेरिका ताइवान की सुरक्षा के लिए वचनबद्ध है। ताइवान की रक्षा हेतु अमेरिका उसे लगातार हथियार और दूसरे सैन्य उपकरण उपलब्ध करवाता है। अब चूंकि अमेरिका ईरान के साथ उलझा हुआ है। ऐसे में दोनों के बीच की तनातनी कूटनीति तौर पर चीन के लिए हितकर कही जा सकती है। पूरे मामले में तेल का भी अपना खेल है। चीन युद्ध के बीच ईरान से तेल खरीद की मात्रा बढ़ाकर उसकी अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। चूंकि चीन के कच्चे तेल आयात में ईरान की हिस्सेदार 12 फीसदी है। चीन निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था है। युद्ध के लंबे चलने से उसकी अर्थव्यवस्था और निर्यात उद्योग प्रभावित हो सकता है। संक्षेप में कंहें तो ईरान से तेल की आपूर्ति, मध्य पूर्व में अपने प्रभाव को बढ़ाने की लालसा और ताइवान कुछ ऐसे कारक है जिसके चलते चीन ईरान के पक्ष में खुलकर उतरने में हिचकिचा रहा है।

रूस की भूमिका: चीन की तरह मध्यपूर्व में रूस भी ईरान का अहम सहयोगी और सैन्य साझेदार है। हालांकि ईरान के मौजूदा संकट में उसका झुकाव ईरान की तरफ जरूर दिख रहा है लेकिन वह भी चीन की तरह सिर्फ निंदा और हमले की आलोचना करने तक सीमित है। उसने ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है और इसे संप्रभु राष्ट्र पर पूर्व-नियोजित और उकसावे वाली आक्रामकता कहा है, लेकिन युद्ध में सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बच रहा है। दरअसल रूस स्वयं यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है। यूक्रेन युद्ध में अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी यूक्रेन के साथ खड़े हैं। ईरान के साथ जंग शुरू होने से पहले अमेरिका के जो सैन्य संसाधन यूक्रेन में लग रहे थे, अब वे मध्यपूर्व में लग रहे हैं। इससे जेलेंस्की की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जो पैट्रियट मिसाइलें पहले यूक्रेन के बार्डर पर तैनात थी, अब उन्हें मध्यपूर्व में तैनात किया जा रहा है। यह यूक्रेन से मोर्चा ले रहे रूस के लिए फायदेमंद है। यही वजह है कि रूस ईरान के पक्ष में किसी तरह के सैन्य हस्तक्षेप के लिए आगे बढ़ने से झिझक रहा है। पुतिन के व्यक्तिगत तौर पर भी ट्रंप के साथ अच्छे संबंध है। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच की कैमेस्ट्री बेहतर हुई है। हालांकि सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के रूस के साथ अच्छे संबंध थे। वह रूस के साथ दीर्घकालिक सहयोग के समर्थक थे। वह पुतिन को भरोसेमंद साथी के रूप में देखते थे। यूक्रेन युद्ध के दौरान ईरान और रूस के बीच रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ा है। ईरान ने रूस को ड्रोन तकनीक और अन्य हथियार उपलब्ध कराए। ऐसे में अयातुल्ला की शहादत रूस के लिए एक कूटनीतिक झटका है। कुल मिलाकर कहें तो रूस ईरान के आत्मरक्षा के अधिकार का तो समर्थन करता है लेकिन वह मौजूदा संघर्ष में केवल 'मध्यस्थ' के रूप में दिखना चाहता है, न कि सक्रिय भागीदार के रूप में।

खबर संक्षेप

मकान गणना के द्वितीय प्रशिक्षण का आयोजन

दमोह। दमोह में जनगणना 2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना के लिए द्वितीय प्रशिक्षण का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। कलेक्टर अनिल राठौर की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण में अधिकारियों और कर्मचारियों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इस दौरान मकानों पर नंबर अंकित करने सहित अन्य आवश्यक कार्यों के संबंध में भी निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर मीना मसराम, एसडीएम दमोह सौरभ गंधर्व, डीपीओ अलका दास, डीपीसी मुकेश द्विवेदी, एनआईसी अधिकारी योगेन्द्र ठाकुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

जिले में 16 से 25 मार्च तक लगेंगे संकल्प से समाधान शिविर

दमोह। जिले में शासन के "संकल्प से समाधान" अभियान के अंतर्गत 16 मार्च से 25 मार्च 2026 तक विभिन्न ब्लॉकों में ब्लॉक स्तरीय शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में नागरिक अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। शिविरों का आयोजन संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के नेतृत्व में किया जाएगा। सीईओ जिला पंचायत प्रवीण फुलपगारे ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और नगर पालिका अधिकारियों को शासन के निर्देशों के अनुसार शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।16 मार्च 2026 को मानस भवन दमोह शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार 17 मार्च 2026 को आजीविका भवन पटेरा, 18 मार्च 2026 को मंगल भवन हटा, 23 मार्च 2026 को सामुदायिक भवन पथरिया, 24 मार्च 2026 को जनपद पंचायत कार्यालय परिसर तेन्दूखेड़ा, 24 मार्च 2026 को आजीविका भवन बटियागढ़ एवं 25 मार्च 2026 को मंगल भवन जबेरा में शिविरों का आयोजन किया जायेगा।

शनिवार को नायब तहसीलदार ने किया गैस गोदाम का निरीक्षण

गैस एजेंसी पर उमड़ रही उपभोक्ताओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हटा

विगत दिनों से चल रहे युद्ध का असर गैस सिलेंडर वितरण पर नजर आ रहा है जिसके चलते नगर में संचालित गैस एजेंसी पर सुबह से लेकर शाम तक गैस सिलेंडर बुक कराने उपभोक्ताओं की भीड़ देखी जा रहीं हैं। वहीं ऊपर से मिले आदेशों के बाद एजेंसी द्वारा अचानक व्यावसायिक सिलेंडरों पर रोक लगाए जाने से गैस सिलेंडरों पर आधारित होटल व्यवसायियों और छोटे चाय दुकानदार अपना कारोबार बंद करने की कगार पर पहुंच गए हैं।

एलपीजी संकट के दौरान व्यावसायिक सिलेंडर पर पूरी तरह रोक के बाद हटा में भी हालात बिगड़ने लगे हैं। हालात यह है कि गैस संकट से क्षेत्र पर भी

विपरीत प्रभाव पड़ने लगा हैं। व्यावसायिक गैस पर पूरी तरह रोक के बाद से शादियों के सीजन में गैस का

संकट होने लगा है। हालांकि एंजेसी संचालकों की माने तो घरेलू सिलेंडर तो उपलब्ध है लेकिन अफवाहों के कारण लोग पैनिक हो रहे है। जिनकी बुकिंग को एक या दो दिन बीते है वह भी बार-बार गैस एंजेसी के चक्कर काट रहे है। इसके अलावा गैस बुकिंग सर्वर बड़ी बाधा बन रहा है। इन्हीं सब समस्याओं और अफवाहों के चलते कलेक्टर दमोह द्वारा बैठक आयोजित कर जिले में टीम गठित कर एजेंसियों का निरीक्षण करने के आदेश जारी किए जिसके परिपालन में शनिवार को नायब तहसीलदार राजेश सोनी ने प्रभारी आरआई अनिल शुक्ला के साथ पटेल गैस एजेंसी के ऑफिस और रनेह रोड पर गैस गोदाम पर पहुंचकर निरीक्षण कर पूरी स्थिति का जायजा लिया।

नायब तहसीलदार राजेश सोनी ने मौके पर मौजूद गैस सिलेंडर के स्टॉक और उसकी आपूर्ति व्यवस्था की गहनता से जांच की। गैस एजेंसी के मैनेजर दिनेश पटेल से स्टॉक एवं वितरण की जानकारी ली और इस दौरान मौजूद उपभोक्ताओं से भी गैस की उपलब्धता की चर्चा कर जानकारी दी।

नायब तहसीलदार ने बताया कि कलेक्टर के आदेश पर हटा की गैस एजेंसियों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि घरेलू उपयोग में आने वाले गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उपभोक्ता परेशान न हो बुकिंग के बाद तय समय सीमा में उपभोक्ताओं को सिलेंडर मिल रहे हैं। उन्होंने शहर के निवासियों को आश्वस्त किया कि घरेलू गैस की पर्याप्त व्यवस्था है और उन्हें किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एजेंसी द्वारा नियमित रूप से गैस सिलेंडरों की पूर्ति की जा रही है। लेकिन व्यावसायिक उपयोग के लिए दुकानदारों द्वारा कमर्शियल सिलेंडर की कमी बताई जा रही है।

दुकानों पर घरेलू गैस के इस्तेमाल पर होगी कार्यवाही

प्रशासन ने स्पष्ट किया है व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर पूर्व से घरेलू गैस सिलेंडर प्रतिबंधित हैं लेकिन अब इन निर्देशों का ज्यादा सख्ती से पालन किया जाएगा। अगर किसी भी प्रतिष्ठान, दुकान, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा आदि पर घरेलू गैस सिलेंडर इस्तेमाल होता पाया गया तो सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जा सकती है।

खरमास - आज से 14 अप्रैल तक मांगलिक कार्यों पर लगेगा विराम

चैत्र नवरात्र पर पंचक और मलमास का साया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तेंदूखेडा

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा, लेकिन ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार इस अवधि में शुभ कार्यों पर ब्रेक लगा रहेगा आज से सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करते ही खरमास (मलमास) का प्रारंभ हो रहा है, जो आगामी 14 अप्रैल तक चलेगा। इसके साथ ही नवरात्रि के शुरुआती दिनों में पंचक का भी साया रहने वाला है। ऐसे में नवरात्रि के पावन दिनों में देवी उपासना तो श्रेष्ठ रहेगी, लेकिन विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्यों के लिए भक्तों को अभी लंबा इंतजार करना होगा।

नवरात्रि और पंचक का संयोग

चैत्र नवरात्रि की शुरुआत इस बार विशेष नक्षत्रों के बीच हो रही है। नवरात्रि के प्रारंभिक दौर में पंचक लगने के कारण निर्माण कार्यों या दक्षिण दिशा की यात्राओं में सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। हालांकि, ज्योतिषियों का स्पष्ट मत है कि नवरात्रि में देवी की पूजा-अर्चना और आध्यात्मिक अनुष्ठानों पर पंचक या खरमास का कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता

क्या है खरमास:

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जब सूर्य देव बृहस्पति की राशि (धनु या मीन) में प्रवेश करते हैं, तो उस अवधि को खरमास या मलमास कहा जाता है। खरमास में सूर्य का तेज कम हो जाता है और गुरु (बृहस्पति) निस्तेज हो जाते हैं। चूंकि सनातन धर्म में किसी भी शुभ कार्य के लिए सूर्य और गुरु की स्थिति मजबूत होनी अनिवार्य है, इसलिए 14 अप्रैल (मेष संक्रांति) तक शादी-विवाह, मुंडन, जनेऊ संस्कार और नए व्यापार की शुरुआत वर्जित रहेगी।

मलमास में क्या न करें

विवाह, मुंडन, सगाई, गृह प्रवेश, नया व्यवसाय शुरु करना या मकान निर्माण का कार्य वर्जित है। वहीं वाहन, भूमि व भवन की खरीदी से भी बचें। इस दौरान लहसुन प्याज, मांस मंदिरा, शहद, उड़द की दाल ओर सरसों के तेल का सेवन वर्जित माना गया है। मलमास में पीले वस्त्र, पीले फल और अनाज का दान करना विशेष पुण्यदायी माना गया है। वहीं भगवान विष्णु के मंत्रो का जाप तथा विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें। वहीं प्रतिदिन सूर्य देव को जल अर्पित करना चाहिए। एक समय सात्विक भोजन करें और व्रत धारण करना चाहिए।

मंडी समिति जबेरा को राज सात की गई मूंगफली की राशि प्राप्त हुई

जबेरा। कृषि उपज मंडी समिति जबेरा के द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया गया है कि दिनांक 14/ 11 /2025 को उड़न दस्ता दल के द्वारा वाहन (ट्रक)क्रमांक सी जी 04 -NP 3700 मैं मूंगफली दाना लगभग 350 क्विंटल जप्त किया गया था माननीय न्यायालय के आदेश अनुसार जप्त सुदा माल की राजसात की कार्यवाही की गई थी,राजसात की कार्यवाही में राशि 2682152 (छब्बीस लाख व्यासी हजार एक सो बाबन) रूपये मात्र मंडी समिति जबेरा को प्राप्त हो चुके हैं। उक्त राजसात की कार्यवाही में प्रबंध संचालक भोपाल श्री कुमार पुरुषोत्तम एवं संयुक्त संचालक सागर रोहिणी प्रसाद चक्रवर्ती एवं न्यायालय दमोह से अधिवक्ता प्रशांत सिंह हजारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कृषि उपज मंडी समिति जबेरा से सचिव चाली राजा आनंद प्रताप सिंह,सहायक उप निरीक्षक, लक्ष्मण राय, बसंत खरे,श्रवण सिंह ठाकुर, आकाश कोरी,एवं रामदास अहिरवार सहायक उप निरीक्षक का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

तेंदूखेड़ा में की गई गैस कंपनी की जाँच

दमोह। तहसीलदार तेंदुखेड़ा विवेक व्यास एवं सहायक आपूर्ति अधिकारी तेंदूखेड़ा आदित्य दाहिया द्वारा संयुक्त रूप से प्रियंका गैस सर्विस तेंदूखेड़ा में घरेलू गैस की उपलब्धता के संबंध में जाँच की। जांच में पाया गया कि गैस कंपनी से लगातार सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है एवं उपभोक्ताओं को भी लगातार बुकिंग के आधार पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जांच समय तक 266 उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध कराए गए हैं।

नेशनल लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तेंदूखेडा

खंडपीठ क्रमांक 23, न्यायालय तेंदूखेड़ा में वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत का आयोजन न्यायाधीश पूजित कमल के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति के आधार पर निराकरण कर पक्षकारों को त्वरित न्याय प्रदान किया गया। नेशनल लोक अदालत के दौरान कुल 18 आपराधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। साथ ही दहेज प्रताड़ना से संबंधित एक प्रकरण, जो धारा 498ए के अंतर्गत था, को खारिज किया गया। इसके अतिरिक्त एक अपंजीकृत प्रकरण का भी आपसी समझौते के माध्यम से समाधान किया गया। लोक अदालत में ट्रैफिक चालान से संबंधित प्रकरणों की भी सुनवाई की गई। इस दौरान 43 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 17,700 रुपये की राशि शासकीय मद में जमा कराई गई। इसी प्रकार नगर पालिका से संबंधित जलकर एवं संपत्ति कर के 257 प्रकरणों का भी सफलतापूर्वक निपटारा किया गया, जिनसे कुल 4,49,000 रुपये की राजस्व राशि प्राप्त हुई। इस अवसर पर न्यायाधीश पूजित कमल ने कहा कि नेशनल लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को त्वरित, सरल एवं सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण होने से न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम होती है, साथ ही पक्षकारों के समय और धन दोनों की बचत होती है। इससे आपसी सौहार्द और सामाजिक समरसता भी बनी रहती है। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता, न्यायालय के कर्मचारीगण तथा बड़ी संख्या में पक्षकार उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से नेशनल लोक अदालत का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा अनेक मामलों का सौहार्दपूर्ण वातावरण में समाधान किया गया।

पांजी में सामुदायिक भवन का किया भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तेंदूखेडा/जबेरा

शनिवार को जबेरा विधानसभा के विधायक व राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह लोधी तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम पांजी पहुंचे जहां पर उन्होंने 25 लाख रुपए की लागत से निर्माण होने वाले सामुदायिक भवन का भूमि पूजन किया इसके पश्चात पिड़रई में 65 लाख रुपए की लागत से नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण किया मंत्री श्री लोधी ने कहा कि हम निरंतर विधानसभा में कार्य कर रहे हैं और प्रदेश में क्रमांक की विधानसभा बनाएंगे जिसके लिए सामुदायिक भवन के निर्माण से ग्राम वासियों को सामाजिक कार्य करने में सुविधा प्राप्त होगी विवाह जैसे बड़े कार्य किए जा सकेंगे मेरा सपना है कि विधानसभा के प्रत्येक ग्राम में एक समुदाय एक भवन बनाया जायेगा।

पिंडरई में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया गया है जिससे कि ग्राम वासियों सहित अन्य ग्रामों के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त होगी इसके पहले लोग तेंदूखेड़ा या दमोह इलाज के लिए जाते लेकिन अब इलाज ग्राम में ही उपलब्ध रहेगी जिसमें 24 घंटे एएनएम एवं सीएचओ सेवाएं देंगे स्वास्थ्य के हम निरंतर कार्य कर रहे हैं एवं 2 बड़े-बड़े प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तारादेही जैसे आउट एरिया में बनकर तैयार है और एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चोपरा में निर्माणधीन है जिसका जल्द ही लोकार्पण किया जाएगा इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष सरेश जैन सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह लोधी पूर्व सांसद प्रतिनिधि डॉ परम सिंह लोधी विधायक प्रतिनिधि चेतन जैन डॉ पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद यादव नेता पंडित नर्मदा प्रसाद दुबे परसोत्तम ठाकुर एवं सरपंच सचिव सहित ग्रामवासी मौजूद थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में किया जल संरक्षण के प्रति जागरुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक कुमार जैन की गरिमामयी उपस्थिति और दिशा निर्देशन तथा कार्यक्रम का संचालन प्रभारी डॉ. मीरा माधुरी महंत एवं सहप्रभारी डॉ. राहुल कुमार दुबे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा जागरूकता रैली जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 30 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर जल संरक्षण के महत्व को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया।प्रतियोगिताओं के परिणामों में स्लोगन प्रतियोगिता में सुषमा लोधी, निबंध प्रतियोगिता में राजकुमारी लोधी, तथा भाषण प्रतियोगिता में जेसिका (श्रंलेपां) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. जैन द्वारा विद्यार्थियों को जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को जल बचाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आने का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जल गंगा अभियान 2026 में सहभागिता रही।

31 को आयोजित हास्य कवि सम्मेलन के लिए युवक क्रांति संगठन ने की बैठक

दमोह। युवक क्रांति संगठन द्वारा 31 मार्च 2026 मंगलवार को आयोजित होने वाले अखिल भारतीय हास्य कवि सम्मेलन की तैयारियों को लेकर स्थानीय अरिहंत रेसिडेंसी में राष्ट्रीय कवियत्री काव्या मिश्रा,के मुख्य आतिथित्य, संयोजिका डॉ.किरण गोस्वामी की अध्यक्षता महिला शाखा की बैठक संपन्न हुई जिसमें अध्यक्ष प्रीति गौतम ने बताया कि कवि सम्मेलन में जबलपुर हाईकोर्ट की पूर्व न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन,पूर्व आई.ए.एस. सुरेश जैन,दमोह पूर्व कलेक्टर श्री प्रभुदयाल मीना मुख्य अतिथि के रूप में पधार रहे है। इस अवसर पर महिला शाखा की शपथ ग्रहण,स्मारिका विमोचन के साथ नगर की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। कवि सम्मेलन के संयोजक सुधीर विद्यार्थी ने बताया कि प्रमुख कविगणों में कुंवर जावेद (राजस्थान),अतुल ज्वाला (इंदौर),भूपेन्द्र राठौर (कोटा),मुकेश मनमौजी (छपारा),डा. प्रेरणा ठाकरे (नीमच),डा.शुभम् त्यागी (मेरठ),सुश्री काव्या मिश्रा (मुम्बई),श्रीमती बबीता चैबे (दमोह),को आमंत्रित किया गया है।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री श्रीमती रेखा सिंघई ने सभी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए।बताया कि यह आयोजन इस बार कीर्ति स्तंभ के पास किया जा रहा है। अतः संगठन की महिला शाखा जिला शाखा की सदस्यों कि सहयोग की अपील की। बैठक में श्रीमति दुर्गेश मिश्रा,श्रीमति वंदना जैन,श्रीमति सुरभि जैन,श्रीमति नीलू जैन,श्रीमती कीर्ति भटट,श्रीमती प्रज्ञा तिवारी आदि के साथ जिला महामंत्री मनोज जैन पत्रकार रूपचंद जैन, अकरम खान,जयकुमार जैन सौरभ विद्यार्थी, ने अपने विचार रखते हुए सभी सदस्यों के साथ सभी नागरिकों से सहयोग की अपील की।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया औषधीय पौधों का महत्व

दमोह। टाईम्स महाविद्यालय के एजुकेशन के छात्र-छात्राओं द्वारा ग्राम बांदकपुर में सामुदायिक कार्य किया गया जिसमें छात्रों द्वारा नगर में रैली निकाल कर पेड़ बचाओ जीवन बचाओ जैसे नारों के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण एवं पेड़ो के बचाव का संदेश दिया। छात्रों द्वारा मंदिर प्रांगण के सामने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनसामान्य को औषधीय पौधों से अवगत कराया। कार्यक्रम में नायब तहसीलदार प्रीतम सिंह, ग्राम बांदकपुर के सरपंच डबुल्या जी, सहायक प्रबंधक केदारनाथ दुबे एवं चैकी प्रभारी राजेन्द्र मिश्रा जी की सहभागिता रही। उपस्थित गणमान्य नागरिकों एवं अधिकारियों ने छात्र-छात्राओ द्वारा नुक्कड़ नाटक से दिये गये संदेश की सराहनाकी। साथ ही सरपंच महोदय जी द्वारा छात्र-छात्रओं को औषधीय पौधों एवं अन्य पौधों का महत्व बताया। कार्यक्रम अधिकारी संजय विष्वकर्मा द्वारा सभी मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में डा निषा सरवरिया, सुश्री श्वेता दुबे, श्रीमति पार्वती लोधी, श्रीमति पूनम खरे, सोनाली सिंह परिहार, बाबू पटैल एवं शरद नामदेव का सराहनीय योगदान रहा।

हटा महाविद्यालय के राजधर अठया को मिला अंतर्राष्ट्रीय हिंदी गौरव सम्मान

हटा। अंतरराष्ट्रीय साहित्य अर्पण मंच के वार्षिक सम्मान समारोह में हटा विधानसभा अंतर्गत नरगी गांव निवासी राजधर अठया को हिंदी साहित्य जगत के 'हिंदी गौरव सम्मान' द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन लोगों को दिया जाता है जो हिंदी भाषा में ज्ञान-विज्ञान की मौलिक पुस्तकों का लेखन या हिंदी भाषा में स्वरचित उत्कृष्ट कविताएं लेखन इत्यादि में रुचि रखते हैं। राजधर अठया हिंदी साहित्य जगत में, हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं उनके द्वारा लिखीं गई स्वरचित हिंदी भाषी कविताएं जैसे 'देश का आधार हिंदी', 'शिव-शक्ति', 'आया बसंत', प्यारी-प्यारी गौरैया इत्यादि समय-समय पर पुस्तकों और पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई हैं। उनके इन्हीं उत्कृष्ट लेखन कौशल के लिए दुबई से संचालित अंतरराष्ट्रीय साहित्य अर्पण मंच द्वारा हिन्दी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। राजधर अठया ने बताया कि वह हटा विधानसभा अंतर्गत मडियादो क्षेत्र के नरगी गांव के निवासी हैं, पिता का नाम श्री हजारी प्रसाद अठया है। वर्तमान में वह हटा के श्री राघवेन्द्र सिंह हजारी शासकीय महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं। उन्होंने 17 वर्ष की आयु से कविताएं लिखना शुरू किया था अभी उनकी आयु 21 वर्ष है। सबसे पहली उनकी रचना महिला सशक्तीकरण पर आधारित थी जो उस समय समाचारपत्र में निकली थी जिसके बाद से वह लगातार कविताएं लेखन में सक्रिय रहे हैं और कई बार कार्यक्रमों में स्वरचित काव्यपाठ भी कर चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय साहित्य अर्पण में वह मध्यप्रदेश शाखा सचिव भी हैं। उनका कहना है कि यह सम्मान पत्र सिर्फ एक प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हिंदी भाषा के प्रति उनके समर्पण, मेहनत और प्रयासों का परिणाम है। हम सदैव ही अपनी राष्ट्रभाषा के लिए संकल्पित और समर्पित रहे हैं और इसी तरह आगे भी प्रयासरत रहेंगे।

मानवता का मूल कर्तव्य धर्म की रक्षा तथा राष्ट्र की सेवा: आशीष शुक्ला

भव्यता पूर्वक संपन्न हुआ दिव्य चालीसा पाठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबेरा

भगवती मानव कल्याण संगठन जबेरा एवं पंच ज्योति शक्ति तीर्थ सिद्धाश्रम धाम के संयुक्त तत्वाधान में जवेरा जनपद के ग्राम परसवाहा में 13 मार्च 2026 से प्रारंभ होकर 14 मार्च 2026 को दोपहर 11:00 बजे संपन्न हुआ। समापन की बेला में सिद्धाश्रम धाम से चलकर आए भगवती मानव कल्याण संगठन के केंद्रीय मुख्य सचिव सिद्धाश्रम रत्न आशीष शुक्ला उर्फ राजू भैया का शुभ आगमन हुआ। 24 घंटे के दिव्य चालीसा पाठ में उपस्थित हुए सभी जाति धर्म संप्रदाय के लोगों के लिए संबोधित करते हुए केंद्रीय मुख्य सचिव जी ने कहा कि हमारे सिद्धाश्रम धाम की विभूति हमारे मां गुरुवर के जय घोष लग रहे थे तो बहुत कम आवाज आ रही थी। बहुत कम तालियां बज रही लेकिन बज रही थी महत्वपूर्ण है कि बज रही थी जब हम ऐसे कार्यक्रम में उपस्थित होते हैं। धार्मिक कार्यक्रम में उपस्थित होते हैं। आध्यात्मिक कार्यक्रम में उपस्थित होते हैं तो सबसे पहले ध्यान आता है कि बड़े भाग्य मानुष तन पाया है और मनुष्य तन पाने की महिमा परम पूज्य गुरुवर जी से उत्तम आज कोई नहीं बखान कर सकता। परम पूज्य गुरुवर ने कहा कि आत्म उत्थान के लिए प्रकृति के बने उत्थान की रचना मानव शरीर है।

काम क्रोध लोभ मोह का जीवन जीव जंतु कीट पतंग आप देखिए की एक छोटी सी चींटी के लिए आप दवा देंगे तो वह भी आपको काट देगी। यह स्वभाव उसमें भी होता है यदि मधुमक्खी के छाते में आप हाथ डालोगे या उसकी शहद निकालने का प्रयास करोगे तो वह भी काट लेगी।

यह उसका स्वभाव है जीव जंतुओं से बेहतर मनुष्य जीवन महत्वपूर्ण क्यों है जिसको सार्थक बताया क्यों जरूरी है जब गुरुवर ने विशिष्ट बताया है और हमें बार-बार विथीत होना चाहिए इसलिए मंचों से बताया जाता है गुरुदेव ने भी कहा है कि काम क्रोध लोग मोहसे तो सारी सृष्टि लिप्त है लेकिन मनुष्य जीवन काम क्रोध लोभ मोह को पराजित करके सातों चक्रों का मुख्य द्वार सा स्ट्रांग मौजूद है जिससे मनुष्य मैं ब्रह्मांड की स्थापित होने की बात कही जाती है और हमें अपने विवेक को जागृत करने की आवश्यकता होती है जिससे मनुष्य के मूल कर्तव्यों का पालन किया जा सके।

परम पूज्य गुरुवर श्री ने कथा वाचक नहीं बनाया गुरुवर जी ने हम लोगों के लिए किस कहानी नहीं बताया गुरुदेव जी ने हमें वाद्य यंत्रों में नाचना धड़कन नहीं सिखाया गुरुदेव जी ने हमें साधना आराधना करना सिखाया आज समाज की ब्रह्म है की मेरुदंड को सीधी करके बैठना नहीं जानते मेरुदंड को सीधे रखने से शरीर की कई बीमारियां दूर हो जाती हैं परम पूज्य गुरुदेव जी ने हमें वह मार्ग प्रदान किया नशा मुक्त मांसाहार मुक्त जीवन जीते मां की साधना आराधना करना सिखाया पर स्वाहा के इस ग्राम में नाच गाना के बिना इतने लोग उम्र पड़े यही गुरुवर की असीम कृपा है मंच का संचालन प्रांतीय प्रवक्ता भैया बाबूलाल विश्वकर्मा जी ने किया आए हुए सभी मां के भक्तों का आभार व्यक्त परस्वाहा ग्राम के टीम प्रमुख जी ने किया ,अंत में

दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटकों का सामना कर रहे दुनिया के बाजार

गिरता बाजार दे रहा निवेश का मौका सावधानी के साथ उठा सकते हैं फायदा

निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ की कमी आई

भारतीय इक्विटी बाजारों को पिछले दो हफ्तों से कच्चे तेल के झटके (क्रूड शॉक) का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध और बढ़ती तेल कीमतों ने वैश्विक निवेशकों को डरा दिया है और सेंसेक्स तथा निफ्टी भी इस बिकवाली से अछूते नहीं रहे हैं। संघर्ष शुरू होने के बाद से सिर्फ दो हफ्तों और नौ ट्रेडिंग सत्रों में निवेशकों की संपत्ति में लगभग 34 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। युद्ध खत्म होने के अभी कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि दलाल स्ट्रीट पर चल रही यह गिरावट कब और कहां थमेगी। 27 फरवरी को बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 46,325,200.41 करोड़ रुपये था। 13 मार्च 2025 तक यह घटकर 42,939,960.29 करोड़ रुपये रह गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें (एक समय यह लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं), वैश्विक बाजारों में लगातार बिकवाली, विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी और भारतीय रुपये की कमजोरी इन सभी ने बाजार की धारणा को कमजोर किया है। निफ्टी-50 ने कई वर्षों में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने का असर सिर्फ तेल और एलपीजी की आपूर्ति पर ही नहीं, बल्कि अन्य व्यापारिक गतिविधियों पर भी पड़ रहा है, जिसका प्रभाव भारत के कई क्षेत्रों पर पड़ सकता है। ऐसे में सवाल उठता है कि निवेशकों को क्या करना चाहिए— क्या उन्हें शेयर बाजार में निवेश बनाए रखना चाहिए?

शेयर बाजार की स्थिति : क्या दीर्घकालिक विकास की कहानी बरकरार है?

बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के समय सामान्य गिरावट भी वास्तविकता से कहीं ज्यादा गंभीर दिखाई दे सकती है। उनका मानना है कि भारतीय निवेशकों के नजरिये से भारतीय शेयर बाजार की दीर्घकालिक संभावनाएं अब भी सकारात्मक हैं। वे यह भी बताते हैं कि वैश्विक संकटों के बीच भी भारत की विकास दर मजबूत बनी हुई है। मूडीज एनालिटिक्स के अनुसार हालिया शिखरों से पिछले 12 महीनों की गिरावट को देखें तो चीन और भारत दोनों में गिरावट अपेक्षाकृत सीमित रही है और यह सामान्य बाजार उतार-चढ़ाव के अनुरूप है। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि दोनों अर्थव्यवस्थाएं खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों से बड़ी मात्रा में तेल आयात करती हैं, लेकिन घरेलू खपत में ऊर्जा आयात का हिस्सा अपेक्षाकृत कम है, जिससे तेल कीमतों के झटकों के प्रति उनकी संवेदनशीलता सीमित रहती है। इसके अलावा शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की भागीदारी भी अपेक्षाकृत कम है और चीन में पूंजी नियंत्रण भी अस्थिरता को सीमित करते हैं।

कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण मजबूत

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर का कहना है कि भारत की दीर्घकालिक विकास और निवेश की कहानी अभी भी मजबूत है। उनके अनुसार बढ़ती घरेलू खपत, निरंतर बुनियादी ढांचा निवेश, व्यापक डिजिटल परिवर्तन और कॉरपोरेट बैलेंस शीट में सुधार जैसे संरचनात्मक कारक बाजार के सकारात्मक दृष्टिकोण को समर्थन देते हैं। इसके साथ ही विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली नीतियां, ऊर्जा संक्रमण, कर सुधार, बुनियादी ढांचा विकास और निजी पूंजी निवेश में बढ़ोतरी भी इस दृष्टिकोण को मजबूत करती है। एक प्रमुख धारणा यह भी है कि मौजूदा अमेरिका-ईरान युद्ध लंबे समय तक नहीं चलेगा। हालांकि इससे बाजार मूल्यांकन दीर्घकालिक औसत से नीचे आ गया है, लेकिन आने वाले महीनों में वैल्यू-बायिंग के कारण तेज उछाल देखने को मिल सकता है। वित्त वर्ष 2027 के लिए कॉरपोरेट आय का दृष्टिकोण भी मजबूत माना जा रहा है।

तेज गिरावट से अब वैल्यूएशन आकर्षक

एसबीआई सिक्योरिटीज में फंडामेंटल रिसर्च प्रमुख सनी अग्रवाल का कहना है कि इतिहास बताता है कि बाजार हमेशा चिंता की दीवार चढ़ता है। बाजार ने कई युद्ध, वैश्विक आर्थिक संकट और महामारी जैसी स्थितियां देखी हैं और हर बार नए उच्च स्तर तक पहुंचा है। ऐतिहासिक आंकड़े बताते हैं कि लगभग 17 महीने तक ठहराव के बाद अगले 6 महीने से 3 साल के दौरान इक्विटी ने शानदार रिटर्न दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पिछले कुछ महीनों में बाजार में आई तेज गिरावट के कारण अब वैल्यूएशन आकर्षक हो गए हैं। इनक्रेड मनी के सीईओ विजय कुप्पा बताते हैं कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के कारण भारतीय बाजार प्रभावित हुआ है।

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य

आनंद राठी वेल्थ के कार्यकारी निदेशक चिराग मुनी के अनुसार अगले पांच वर्षों में भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी रहने की संभावना है। वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6–7 प्रतिशत के आसपास रहने और मुद्रास्फीति 4–5 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है, जिससे नाममात्र जीडीपी वृद्धि लगभग 11–12 प्रतिशत रह सकती है। इससे दीर्घकाल में कॉरपोरेट आय और शेयर बाजार को समर्थन मिलेगा। वे बताते हैं कि 2001 के बाद से लगभग 18 प्रतिशत तक की गिरावट सामान्य रही है और बाजार आम तौर पर एक साल में इससे उबर जाता है। भू-राजनीतिक तनाव के दौरान भी निफ्टी में 5–7 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिलती है और अधिकांश मामलों में एक महीने के भीतर बाजार संभल जाता है। घरेलू निवेशकों की भागीदारी भी बाजार को स्थिर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। 2025 में घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 7.88 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया, जबकि विदेशी निवेशकों ने करीब 1.66 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की। मार्च 2026 में भी स्मॉल-कैप फंड्स में लगभग 700 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया। इससे पता चलता है कि निवेशक घबराहट में फैसले नहीं ले रहे हैं।

निवेशकों को क्या करना चाहिए?

विशेषज्ञों का मानना है कि मध्य-पूर्व युद्ध और ऊर्जा कीमतों पर इसका असर अगले कुछ हफ्तों में कम हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज के अनुसार निवेशकों को इस अवसर का उपयोग दीर्घकालिक निवेश के लिए करना चाहिए और मजबूत बुनियादी कंपनियों में निवेश बढ़ाना चाहिए। जिन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन की संभावना है उनमें बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं (बीएफएसआई), ऑटो और ऑटो एंसिलरी, कंज्यूमर डिस्क्रिशनरी, न्यू-एज बिजनेस तथा पावर सेक्टर शामिल हैं। विजय कुप्पा का कहना है कि स्मॉल और मिडकैप शेयरों में अच्छी कीमत और समय के आधार पर सुधार हो चुका है। निवेशकों को हर गिरावट पर धीरे-धीरे निवेश बढ़ाना चाहिए। जो निवेशक सीधे शेयरों में निवेश करने में सहज नहीं हैं, वे ईटीएफ या म्यूचुअल फंड के माध्यम से निवेश कर सकते हैं। विशेषज्ञ संतुलित पोर्टफोलियो बनाए रखने की सलाह देते हैं। चिराग मुनी के अनुसार दीर्घकालिक निवेशकों को अनुशासन बनाए रखना चाहिए और निवेश रणनीति से विचलित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पोर्टफोलियो में लगभग 80 प्रतिशत निवेश इक्विटी और 20 प्रतिशत डेट में रखना उचित हो सकता है। इक्विटी हिस्से में 55 प्रतिशत लार्ज-कैप और बाकी मिड व स्मॉल-कैप में निवेश किया जा सकता है। 10–15 प्रतिशत की बाजार गिरावट को अतिरिक्त निवेश के अवसर के रूप में देखा जा सकता है, जिससे निवेशक भविष्य में होने वाली रिकवरी का लाभ उठा सकें। हालांकि मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च विश्लेषक थॉमस वी. अब्राहम थोड़ी सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार यदि संकट लंबा खिंचता है तो यह कॉरपोरेट मुनाफे पर दबाव डाल सकता है, पूंजी निवेश को टाल सकता है और विनिर्माण, फार्मा तथा हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में आय वृद्धि को सीमित कर सकता है। उनकी सलाह है कि निवेशक मौजूदा निवेश बनाए रखें, लेकिन पोर्टफोलियो को अधिक स्थिरता के लिए पुनर्संतुलित करें। नई पूंजी को चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में लगाया जा सकता है।

ऐसा रख सकते हैं पोर्टफोलियो

- रक्षात्मक निवेश (60–70%): फार्मा और एफएमसीजी जैसे सेक्टर
- अवसरवादी निवेश (20–30%): बड़े कैप शेयर जैसे रिलायंस इंडस्ट्रीज में निवेश
- हेज (लगभग 10%): सोना, गोल्ड ईटीएफ, सॉवरेन बॉन्ड या 3–6 महीने की फिक्स्ड डिपॉजिट
- इस मिश्रण से अस्थिर दौर में स्थिरता बनाए रखते हुए अवसरों का लाभ उठाया जा सकता है।

सरकारी बैंकों की स्पेशल एफडी दे रही अच्छा रिटर्न

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश की तलाश करने वाले लोगों के लिए इस समय सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा (एफडी) योजनाएं आकर्षक विकल्प बनकर सामने आई हैं। देश के कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने सीमित अवधि के लिए विशेष सावधि जमा योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें सामान्य सावधि जमा की तुलना में अधिक ब्याज दर दी जा रही है। इन योजनाओं की अवधि भी अपेक्षाकृत कम रखी गई है, जिससे निवेशकों को कम समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। बैंक समय-समय पर ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए ऐसी विशेष योजनाएं लाते हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य बचत को बढ़ावा देना और बैंकिंग प्रणाली में निवेश को प्रोत्साहित करना होता है। वर्तमान में कई सरकारी बैंक 400 दिन से लेकर 666 दिन तक की अवधि वाली विशेष सावधि जमा योजनाएं चला रहे हैं, जिनमें सामान्य निवेशकों को लगभग 6.45 प्रतिशत से लेकर 6.75 प्रतिशत तक ब्याज दिया जा रहा है।

पंजाब एंड सिंध बैंक दे रहा सबसे अधिक ब्याज

इस समय सरकारी बैंकों में सबसे अधिक ब्याज दर पंजाब एंड सिंध बैंक की विशेष सावधि जमा योजना पर मिल रही है। यह बैंक 666 दिन की अवधि वाली विशेष एफडी पर लगभग 6.75 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दे रहा है। सुरक्षित निवेश के साथ बेहतर ब्याज दर की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए यह योजना आकर्षक मानी जा रही है। अन्य सरकारी बैंकों की विशेष सावधि जमा योजनाएं देश के अन्य कई सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भी अपनी विशेष एफडी योजनाओं के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

किसी बैंक में कितनी ब्याज दर

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 6.65 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- केनरा बैंक- 555 दिन की एफडी पर 6.60 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 6.50 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई - 444 दिन की एफडी पर 6.45 प्रतिशत ब्याज

सीनियर सिटीजन को यह मिल रहा

- बैंक ऑफ महाराष्ट्र- 400 दिन की एफडी पर 7.15 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ इंडिया- 450 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- इंडियन ओवरसीज बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- पंजाब नेशनल बैंक- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- यूनियन बैंक ऑफ इंडिया- 444 दिन की एफडी पर 7.10 प्रतिशत ब्याज
- सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- 2222 और 3333 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- बैंक ऑफ बड़ौदा- 444 दिन की एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज
- एसबीआई- 444 दिन की एफडी पर 7.05 प्रतिशत ब्याज

इसलिए लोकप्रिय हो रही

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार, हाल के समय में सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ी है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और अन्य जोखिमों के कारण कई निवेशक अपने पैसे को सुरक्षित विकल्पों में लगाना पसंद कर रहे हैं। ऐसे में सरकारी बैंकों की एफडी योजनाएं भरोसेमंद मानी जाती हैं।

सैलरी बढ़ने के साथ बढ़ रहे खर्चे निवेश नहीं हो पा रहा तो यह करें

सही योजना और अनुशासन से ही बढ़ेगी बचत और निवेश

खर्चों पर नियंत्रण और बजट से ही बनेगी मजबूत आर्थिक स्थिति

बिजनेस डेस्क

आमतौर पर माना जाता है कि जब किसी व्यक्ति की आय बढ़ती है तो उसकी बचत और निवेश भी बढ़ने लगते हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इससे अलग होती है। कई लोग सैलरी बढ़ने के बावजूद बचत नहीं कर पाते और निवेश भी नहीं कर पाते। इसका मुख्य कारण यह होता है कि आय बढ़ने के साथ-साथ खर्च भी तेजी से बढ़ने लगते हैं। वित्तीय भाषा में इस स्थिति को लाइफस्टाइल इंफ्लेशन कहा जाता है। इसका अर्थ है कि जैसे-जैसे व्यक्ति की कमाई बढ़ती है, वैसे-वैसे उसका रहन-सहन और खर्च का स्तर भी बढ़ जाता है। यदि समय रहते इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण नहीं किया जाए तो अतिरिक्त आय का लाभ बचत और निवेश के बजाय खर्चों में ही समाप्त हो जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लोग अपनी बढ़ती आय के साथ खर्चों पर नियंत्रण रखें और व्यवस्थित तरीके से निवेश शुरू करें तो वे भविष्य के लिए मजबूत आर्थिक आधार तैयार कर सकते हैं।

छोटे-छोटे बढ़ते खर्चों पर रखें नजर

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन अचानक नहीं बढ़ता, बल्कि यह धीरे-धीरे छोटे-छोटे खर्चों से शुरू होता है। उदाहरण के लिए, सैलरी बढ़ने के बाद कई लोग पहले की तुलना में अधिक कैब का इस्तेमाल करने लगते हैं, सामान्य ब्रांड की जगह महंगे ब्रांड खरीदने लगते हैं या फिर बार-बार बाहर खाना और घूमना शुरू कर देते हैं। इसके अलावा कई लोग प्रीमियम जिम, ऑनलाइन मनोरंजन प्लेटफॉर्म या अन्य डिजिटल सेवाओं की कई सदस्यताएं भी ले लेते हैं। शुरुआत में यह खर्च बहुत छोटे लगते हैं, लेकिन समय के साथ यह आपकी मासिक आय का बड़ा हिस्सा खर्च करने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि सैलरी बढ़ने के बाद भी अपने खर्चों पर नियमित नजर रखें और अनावश्यक खर्चों को सीमित करने की कोशिश करें।

वेतन वृद्धि सही नजरिए से देखें

जब आपकी सैलरी बढ़े तो सबसे पहले यह तय करें कि उस अतिरिक्त आय का कितना हिस्सा खर्च करना है और कितना हिस्सा बचत या निवेश में लगाना है। कई वित्तीय विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सैलरी बढ़ने पर कम से कम आधा हिस्सा निवेश के लिए अलग कर देना चाहिए। इससे एक ओर आपकी बचत और निवेश लगातार बढ़ता रहेगा और दूसरी ओर आप अपनी आय में वृद्धि का आनंद भी ले पाएंगे। यदि आप अपनी आय बढ़ने के साथ बचत और निवेश भी बढ़ाते हैं तो लंबे समय में बड़ी पूंजी तैयार कर सकते हैं।

स्थायी खर्च करने से पहले सोचें

कुछ खर्च ऐसे होते हैं जो लंबे समय के लिए आपकी आर्थिक जिम्मेदारी बन जाते हैं। उदाहरण के लिए बड़ा घर किराए पर लेना, कार खरीदने के लिए कर्ज लेना या फिर महंगे क्लब और सेवाओं की सदस्यता लेना। ऐसे फैसले लेने से पहले यह जरूर सोचें कि यदि भविष्य में आपकी सैलरी कुछ समय तक नहीं बढ़ती या आय में कमी आ जाती है, तो क्या आप इन खर्चों को आसानी से संभाल पाएंगे। वित्तीय योजना बनाते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि आपकी आय का बड़ा हिस्सा स्थायी खर्चों में न फंस जाए। इससे आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

जीवनशैली को धीरे-धीरे सुधारें

सैलरी बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि आप तुरंत अपनी पूरी जीवनशैली बदल दें। बेहतर तरीका यह है कि धीरे-धीरे और सोच-समझकर अपने जीवन स्तर में सुधार करें। उदाहरण के लिए, सबसे पहले स्वास्थ्य बीमा, आपातकालीन फंड और दीर्घकालीन निवेश जैसे जरूरी वित्तीय कदम उठाएं। इसके बाद ही अन्य खर्चों पर ध्यान दें। धीरे-धीरे जीवनशैली में बदलाव करने से आपकी आय और खर्च के बीच संतुलन बना रहता है और भविष्य के लिए मजबूत बचत भी तैयार होती है।

बजट बनाना भी जरूरी

लाइफस्टाइल इंफ्लेशन को नियंत्रित करने के लिए मासिक बजट बनाना भी बहुत जरूरी है। यदि आप अपनी आय और खर्च का रिकॉर्ड रखते हैं तो आपको आसानी से पता चल जाता है कि आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है। बजट बनाने से आप यह तय कर सकते हैं कि कितनी राशि जरूरी खर्चों पर जाएगी, कितनी बचत में और कितनी निवेश में। इससे अनावश्यक खर्चों को कम करना आसान हो जाता है।

निवेश की आदत बनाएं : विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश को खर्च की तरह ही एक नियमित आदत बना लेना चाहिए। जैसे ही सैलरी आपके खाते में आए, उसी समय कुछ राशि निवेश के लिए अलग कर दें। यदि निवेश को प्राथमिकता दी जाए तो धीरे-धीरे बड़ी पूंजी तैयार हो सकती है और भविष्य में आर्थिक सुरक्षा भी मिलती है।

बाजार की अनिश्चितता में फ्लेक्सी कैप फंड बने निवेशकों की पसंद

भू-राजनीतिक तनाव और उतार-चढ़ाव के दौर में रणनीतिक परिसंपत्ति आवंटन से बेहतर रिटर्न की उम्मीद

वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और शेयर बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड एक समझदारी भरा विकल्प बनकर उभर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर में ऐसे फंड निवेशकों को बेहतर संतुलन और दीर्घकालीन रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं। फ्लेक्सी-कैप फंड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इनमें निवेश का वितरण बाजार पूंजीकरण के आधार पर तय नहीं होता। यानी फंड प्रबंधक अपनी रणनीति के अनुसार बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इससे बाजार की स्थिति के अनुसार जोखिम को नियंत्रित करने और अवसरों का लाभ उठाने में मदद मिलती है। फ्लेक्सी-कैप फंड का यही लचीलापन बाजार के विभिन्न चरणों में निवेशकों के लिए उपयोगी साबित होता है। उदाहरण के तौर पर, जब बाजार में अधिक अस्थिरता होती है तो फंड प्रबंधक अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश बढ़ा सकते हैं। वहीं जब बाजार में तेजी और विकास की संभावनाएं बढ़ती हैं, तब मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का अनुपात बढ़ाया जा सकता है। इस रणनीति के कारण फंड प्रबंधक बाजार में बदलती परिस्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को संतुलित कर सकते हैं। इससे निवेशकों को लंबे समय में स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

बेहतर रिटर्न का रिकॉर्ड

आंकड़ों के अनुसार फ्लेक्सी-कैप फंड ने अन्य विविधीकृत इक्विटी फंड की तुलना में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले तीन वर्षों में इन फंडों ने औसतन लगभग 17 प्रतिशत वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का रिटर्न दिया है। वहीं पिछले पांच वर्षों में इनका औसत रिटर्न लगभग 14.2 प्रतिशत रहा है। इसी कारण निवेशकों का भरोसा भी इन फंडों पर बढ़ रहा है। फरवरी 2026 में फ्लेक्सी-कैप फंड में करीब 6,925 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो इक्विटी म्यूचुअल फंड की विभिन्न श्रेणियों में सबसे अधिक रहा। इससे यह संकेत मिलता है कि निवेशक शेयर बाजार में निवेश तो जारी रखना चाहते हैं, लेकिन वे ऐसी श्रेणी को प्राथमिकता दे रहे हैं जहां फंड प्रबंधकों को निवेश में लचीलापन मिलता हो।

अस्थिर बाजार में रणनीतिक विकल्प

फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए इक्विटी पोर्टफोलियो का मुख्य हिस्सा बन सकते हैं। यदि निवेशक लंबे समय के लिए नियमित निवेश योजना के माध्यम से निवेश करते हैं तो वे बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद चक्रवृद्धि लाभ का फायदा उठा सकते हैं। साल 2025 में बाजार में देखी गई अस्थिरता के दौरान कई फ्लेक्सी-कैप फंडों ने अपने निवेश का झुकाव अपेक्षाकृत स्थिर बड़ी कंपनियों की ओर बढ़ा दिया था। साथ ही उन्होंने लगभग 15 से 20 प्रतिशत निवेश मझोली कंपनियों में बनाए रखा और अधिक जोखिम वाले छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश को सीमित कर दिया था।

निवेश से पहले रखें ध्यान

फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करने से पहले निवेशकों को कुछ महत्वपूर्ण बातों पर जरूर ध्यान देना चाहिए। सबसे पहले फंड प्रबंधक के पिछले प्रदर्शन और बाजार के विभिन्न चरणों में उनकी रणनीति को समझना जरूरी है। इसके अलावा यह भी देखना चाहिए कि फंड बड़ी, मझोली और छोटी कंपनियों में निवेश का संतुलन किस प्रकार बनाता है। निवेशकों को फंड के जोखिम प्रबंधन, खर्च अनुपात और पोर्टफोलियो के केंद्रीकरण जैसे पहलुओं का भी मूल्यांकन करना चाहिए। फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करते समय फंड प्रबंधक की यह क्षमता बहुत महत्वपूर्ण होती है कि वह विभिन्न क्षेत्रों में मूल्यांकन के अवसरों की पहचान कैसे करता है।

बाजार में लगातार बदलाव

विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण शेयर बाजार में अक्सर तेज उतार-चढ़ाव और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश का रुझान बदलता रहता है। लंबे समय में बाजार के अलग-अलग हिस्से अलग समय पर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में फ्लेक्सी-कैप फंड इन बदलावों का लाभ उठाने के लिए बेहतर स्थिति में होते हैं। यह निवेशकों के लिए फ्लेक्सी-कैप फंड व्यापक बाजार में निवेश का एक सुविधाजनक माध्यम हैं, क्योंकि इससे निवेश किसी एक क्षेत्र या श्रेणी तक सीमित नहीं रहता।

निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प

विशेषज्ञों का मानना है कि फ्लेक्सी-कैप फंड उन निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त हैं जिनका निवेश दृष्टिकोण लंबी अवधि का है और जो अल्पकालिक बाजार उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं। यदि निवेशक नियमित और अनुशासित तरीके से निवेश करते हैं तो समय के साथ उन्हें बेहतर रिटर्न मिल सकता है। बदलते आर्थिक माहौल और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच फ्लेक्सी-कैप फंड निवेशकों के लिए ऐसा विकल्प बनकर उभर रहे हैं, जो जोखिम और अवसर के बीच संतुलन बनाते हुए दीर्घकालीन संपत्ति निर्माण में सहायक हो सकते हैं।

अलर्ट वरिष्ठ नागरिक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें, ताकि बाद में पछताना न पड़े

बुजुर्गावस्था में अपनी आर्थिक स्थिति कैसे मजबूत करें समय रहते सही निवेश और आय के स्थायी स्रोत बनाएं

आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्लान तैयार कर निवेश करें, इससे आसानी होगी

बिजनेस डेस्क

बढ़ती उम्र जीवन का स्वाभाविक चरण है, लेकिन इसके साथ आने वाली आर्थिक चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जब तक व्यक्ति युवा होता है, तब तक वह शारीरिक और मानसिक श्रम के माध्यम से नियमित आय अर्जित कर सकता है। किंतु 60 वर्ष की आयु के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है और आय के अवसर सीमित हो जाते हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं, जिससे खर्च भी अधिक हो जाता है। ऐसे में बुजुर्गावस्था में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समय रहते निवेश की योजना बनाना बेहद आवश्यक हो जाता है। भारतीय समाज में परंपरागत रूप से यह माना जाता रहा है कि वृद्धावस्था में परिवार ही सबसे बड़ा सहारा होता है। लेकिन बदलती सामाजिक परिस्थितियों, छोटे होते परिवारों और बढ़ती जीवनशैली की लागत के कारण केवल पारिवारिक सहारे पर निर्भर रहना अब व्यावहारिक नहीं रह गया है। इसलिए यह जरूरी है कि व्यक्ति अपने कार्यकाल के दौरान ही ऐसी वित्तीय योजना बनाए जिससे रिटायरमेंट के बाद भी नियमित आय बनी रहे और उसे आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर न रहना पड़े।

क्यों जरूरी है रिटायरमेंट प्लानिंग

- युवावस्था में व्यक्ति शारीरिक और मानसिक श्रम से आय अर्जित कर सकता है।
- 60 वर्ष के बाद शारीरिक क्षमता धीरे-धीरे कम होने लगती है।
- बढ़ती उम्र के साथ स्वास्थ्य पर खर्च भी बढ़ता है।
- इसलिए बुजुर्गावस्था में नियमित आय का स्रोत होना बेहद जरूरी है।

पेंशन और सरकारी योजनाएं

सरकारी सेवा या कुछ निजी संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को मासिक पेंशन मिलती है। कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस) संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद आय प्रदान करती है। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए है, जिसमें 60 वर्ष के बाद 1000 रुपये से 5000 रुपये तक मासिक पेंशन मिलती है।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

- 60 वर्ष से अधिक आयु के लोग निवेश कर सकते हैं।
- ब्याज दर लगभग 8.2% वार्षिक।
- न्यूनतम निवेश 1000 रुपये और अधिकतम 30 लाख रुपये।
- अवधि 5 वर्ष, जिसे आगे 3 वर्ष बढ़ाया जा सकता है।
- ब्याज का भुगतान हर तिमाही किया जाता है।
- आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर छूट का लाभ मिलता है।

डाकघर मासिक आय योजना

- नियमित मासिक आय का सुरक्षित साधन
- ब्याज दर लगभग 7.4%।
- एकल खाते में अधिकतम निवेश 9 लाख रुपये।
- संयुक्त खाते में 15 लाख रुपये तक निवेश संभव।
- लॉक-इन अवधि 5 वर्ष।
- ब्याज का भुगतान हर महीने किया जाता है।

सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी)

- एकमुश्त निवेश के बाद हर महीने या तिमाही निश्चित राशि निकाल सकते हैं।
- केवल कुछ यूनिट्स बिकती हैं, बाकी निवेश बढ़ता रहता है।
- यह उन सेवानिवृत्त लोगों के लिए उपयोगी है जो पूंजी को सुरक्षित रखते हुए आय चाहते हैं।

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट

- वरिष्ठ नागरिकों को 6% से 8% तक ब्याज मिलता है।
- ब्याज दर बैंक और अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।
- यह एक सुरक्षित और कम जोखिम वाला निवेश माना जाता है।

संपत्ति से आय के विकल्प

- मकान, दुकान या जमीन किराये पर देकर नियमित आय प्राप्त की जा सकती है।
- अनुभव का उपयोग कर ट्यूशन, लेखन, सलाहकार कार्य किया जा सकता है।
- किराने की दुकान
- घर का बना खाद्य पदार्थ बेचना
- ट्यूशन या कोचिंग
- ब्लॉगिंग या ऑनलाइन काम

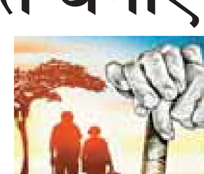

50 लाख निवेश करने पर संभावित आय

योजना	निवेश राशि	अनु. ब्याज	मा.आय
व. नागरिक बचत योजना	15,00,000	8%	10,000
डाकघर मासिक आय	9,00,000	7.4%	5,500
बैंक मियादी जमा	16,00,000	7%	9,300
अन्य पेंशन योजना	10,00,000	7.4%	6,000

कुल अनुमानित मासिक आय : लगभग 30,800

एक ही जगह निवेश न करें

रिटायरमेंट के बाद पूरी बचत एक ही जगह निवेश न करें। अलग-अलग योजनाओं में निवेश करने से जोखिम कम और आय स्थिर रहती है। यदि व्यक्ति बचत, निवेश और छोटे काम जारी रखे तो बुजुर्गावस्था में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सकता है। इससे आपको किी का मुंह नहीं ताकना पड़ेगा और बुढ़ापा आराम से कटेगा।

वनस्थली विद्यापीठ का 42वाँ दीक्षान्त समारोह संपन्न

जयपुर। वनस्थली विद्यापीठ का 42वाँ दीक्षांत समारोह शनिवार, 14 मार्च 2026 को आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे अध्यक्ष, राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी फोरम, भारत सरकार रहे।

वनस्थली के स्वागत द्वार पर विद्यापीठ के अध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री, कुलपति प्रो. ईना आदित्य शास्त्री, कोषाध्यक्ष प्रो. सुधा शास्त्री एवं वनस्थली सेंटर फॉर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के निदेशक प्रो. अंशुमान शास्त्री ने स्वागत किया। तत्पश्चात वनस्थली सेवा दल के बैण्ड द्वारा राष्ट्रीय सलामी के उपरान्त छात्राओं ने पारंपरिक शैली में तिलक लगा कर एवं सूत की माला पहना कर स्वागत गान के द्वारा मुख्य अतिथि का अभिनन्दन किया।

स्वागत के पश्चात मुख्य अतिथि ने वनस्थली की मूल प्रेरणा शक्ति स्थल 'श्री शांताबाई शिक्षा कुटीर व संस्थापकों के मूल निवास स्थान गाँधी घर का अवलोकन किया। कुलपति, प्रो. ईना आदित्य शास्त्री द्वारा मुख्य अतिथि को इस स्थान की महत्ता से अवगत कराया गया। तदुपरांत मुख्य अतिथि लक्ष्मीबाई मैदान में ध्वजारोहण कर वनस्थली सेवादल व एनसीसी कैडेट द्वारा द्वारा प्रस्तुत परेड में सम्मिलित हुए। तत्पश्चात मुख्य अतिथि कला मंदिर में छात्राओं एवं देश-विदेश के अग्रणी कलाकारों की चित्रकारी एवं पेटिंग्स का अवलोकन किया। तदुपरान्त वे वीरबाला मैदान में घुडसवारी, महदाजी शूटिंग रेंज में शूटिंग एवं मारूत मैदान में फ्लाइंग क्लब की गतिविधियों को देख कर अभिभूत हो गए। इसी क्रम में वे विद्यापीठ के शैक्षिक विभागों स्कूल ऑफ डिजाइन, स्कूल ऑफ ऑटोमेशन एवं सेंटर ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का परिदर्शन किया। वहीं, संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा सुर मंदिर सभागार में शास्त्रीय संगीत एवं राजस्थानी लोक नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

दीक्षान्त समारोह अपराह्न 2 बजे प्रारम्भ हुआ। कुलपति प्रो. ईना आदित्य शास्त्री ने दीक्षान्त समारोह आरम्भ होने की घोषणा की। वनस्थली की परम्परा के अनुसार मंगलाचरण एवं वनस्थली गीतिका के पश्चात कुलपति ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि इन अवसरों पर आम तौर पर औपचारिक जीवन परिचय दिया जाता है परन्तु इन परिचयों से सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान का आकलन नहीं किया जा सकता। वे इनसे कहीं ऊपर होते हैं जिन्हें शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। देश में विगत कई दशकों से प्रमुख सार्वजनिक हस्ती रहे हैं। विदित हो कि प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे भारत सरकार में राष्ट्रीय शैक्षिक प्रोद्योगिकी फोरम के अध्यक्ष हैं।

सरकारी स्कूलों के हिन्दी माध्यम के छात्रों को मिलेगी निशुल्क कोचिंग

एलन कोटा में नीट की निःशुल्क कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा 12 अप्रैल को

कोटा। एलएन माहेश्वरी परमार्थ न्यास एवं एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में संचालित एलन शिक्षा संबल कार्यक्रम के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षाओं की तिथियां जारी कर दी गई है। न्यास के सदस्य नवीन माहेश्वरी ने बताया कि सरकारी स्कूलों के हिन्दी माध्यम की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए यह कार्यक्रम शुरू किया था। अब नीट-2027 की तैयारी के लिए एडमिशन प्रक्रिया चल रही है, जिसमें कुछ बदलाव किए गए हैं।

इस वर्ष की प्रवेश परीक्षाओं दो बार ली जाएगी जिसकी तिथियां 12 अप्रैल और 10 मई 2026 निर्धारित की गई है। इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण बदलाव यह किया गया है कि 2025 में 12वीं पास कर चुके विद्यार्थी भी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। पहले 12वीं पास करने वाले वर्तमान वर्ष के विद्यार्थी ही योग्य होते थे। अब 2025 और 2026 में 12वीं पास करने वाले विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। इच्छुक विद्यार्थी https://lnmpnyas.org पर आवेदन कर सकते हैं।

इस योजना के तहत उत्तर भारत के हिन्दी भाषी प्रदेशों के सरकारी स्कूलों के चयनित 126 विद्यार्थियों को नीट-यूजी के लिए निःशुल्क कोचिंग के साथ-साथ निःशुल्क आवास व भोजन भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। इसमें 81 छात्राएं एवं 45 छात्र शामिल हैं। योजना के तहत एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट की ओर से कोटा में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी की एक साल के लिए निशुल्क कोचिंग (100 प्रतिशत स्कॉलरशिप) दी जा रही है। वहीं एल एन माहेश्वरी परमार्थ न्यास की ओर से इन विद्यार्थियों के निशुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था भी की जा रही है। शिक्षा संबल योजना के तहत मध्य भारत के राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड राज्यों के हिन्दी माध्यम के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

मौसम

सूखे और लू के खतरों ने बढ़ाई वैज्ञानिकों की टेंशन

भारत में इस साल गर्मी तोड़ेगी सारे रिकॉर्ड! आ रहा है सुपर अल-नीनो

मई-जून की तपिश अभी शुरू भी नहीं हुई है कि वैज्ञानिकों ने एक ऐसी चेतावनी जारी कर दी है, जिसने सबकी चिंता बढ़ा दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस साल सुपर अल-नीनो की दस्तक होने वाली है, जिसका सीधा असर भारत की गर्मी और मॉनसून पर पड़ेगा।

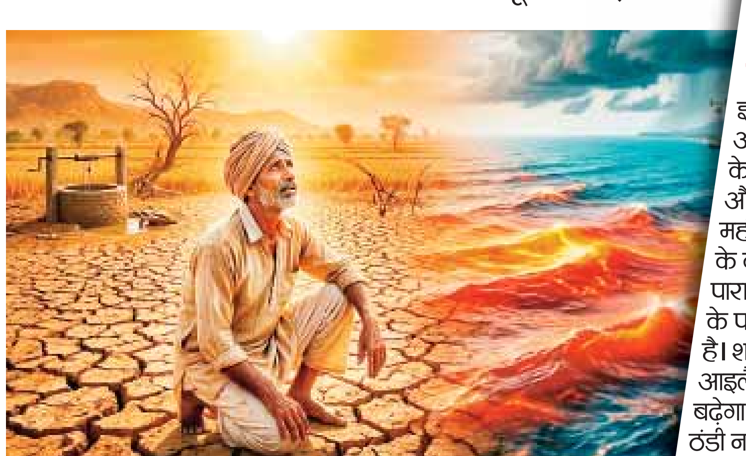

नई दिल्ली। अगर आपको लगता है कि इस बार की गर्मी पिछले साल के मुकाबले कम होगी, तो आप गलत हैं। अभी तो मार्च का महीना खत्म भी नहीं हुआ है और सूरज के तेवर तीखे होने लगे हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि साल 2026 इतिहास के सबसे गर्म सालों में से एक हो सकता है। इसके पीछे उन्होंने प्रशांत महासागर में बनने वाले 'सुपर अल-नीनो' को बताया है। इसका मतलब है कि भारत में इस बार न केवल गर्मी सारे रिकॉर्ड तोड़ सकती है, बल्कि मॉनसून पर भी काले बादल मंडरा रहे हैं। 13 मार्च 2026 को आई इस रिपोर्ट ने किसानों और सरकार की चिंता बढ़ा दी है।

क्या है यह सुपर अल नीनो

सामान्य 'अल नीनो' के दौरान प्रशांत महासागर की सतह का तापमान बढ़ जाता है, जिससे दुनिया भर के मौसम पर असर पड़ता है। लेकिन, जब यह तापमान सामान्य से बहुत ज्यादा (करीब 2-2.5 डिग्री सेल्सियस) बढ़ जाता है, तो उसे 'सुपर अल नीनो' कहा जाता है। इसके प्रभाव से भारत के कई हिस्सों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच सकता है। यह शक्तिशाली मौसमी बदलाव मानसून की हवाओं को कमजोर कर देता है, जिससे बारिश में देरी या कमी होने की संभावना

वैज्ञानिक क्यों हैं परेशान?

आमतौर पर अल नीनो हर कुछ सालों में आता है, लेकिन इस बार क्लाइमेट चेंज ने आग में घी का काम किया है। धरती का तापमान पहले से ही बढ़ा हुआ है, ऐसे में सुपर अल नीनो का आना लोगों पर डबल मार जैसा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि साल 2026 इतिहास का सबसे गर्म साल साबित हो सकता है।

क्या हम तैयार हैं?

सुपर अल-नीनो केवल गर्मी नहीं लाता, बल्कि जल संकट भी खड़ा करता है। ऐसे में जलाशयों में पानी का स्तर गिर सकता है और बिजली की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकती है। इसलिए, वैज्ञानिक प्रशासन को अभी से 'हीट एक्शन प्लान' और जल प्रबंधन पर काम शुरू करने की सलाह दे रहे हैं।

भारत पर क्या होगा असर?

इस नई 'सुपर अल नीनो' बला के कारण मार्च और अप्रैल के महीने से ही भारत के कई हिस्सों में पारा 45-48 डिग्री के पार जा सकता है। शहरों में 'हीट आइलैंड' का असर बढ़ेगा, जिससे रातें भी ठंडी नहीं होंगी। इससे पहले अल नीनो का सीधा संबंध भारत में कम बारिश से रहा है। अगर 'सुपर अल नीनो' आता है, तो मॉनसून में देरी हो सकती है या बारिश बहुत कम हो सकती है। कम बारिश का मतलब है फसलों की बर्बादी। इससे खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ सकते हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है।

7वीं फेल किसान का कमाल !

एक ही पेड़ पर उगा दिए 350 किस्म के आम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के एक किसान ने ऐसा कमाल किया है जिसे देखकर वैज्ञानिक भी हैरान रह जाते हैं। 84 साल के कलीमुल्लाह खान को पूरे देश में 'मैंगो मैन ऑफ इंडिया' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने एक ही पेड़ पर 350 से ज्यादा तरह के आम उगाकर अनोखा रिकॉर्ड बनाया है।

पढ़ाई में फेल, लेकिन खेती में बना लिया नाम

कलीमुल्लाह खान उत्तर प्रदेश के मलीहाबाद इलाके के रहने वाले हैं, जो अपने आमों के लिए मशहूर है। कलीमुल्लाह खान पढ़ाई में ज्यादा रुचि नहीं लेते थे और सातवीं कक्षा में फेल होने के बाद उन्होंने स्कूल छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने अपने परिवार के आम के बाग की देखभाल शुरू कर दी। यहीं से उनके जीवन का असली सफर शुरू हुआ।

ग्राफ्टिंग तकनीक से किया कमाल

कलीमुल्लाह खान ने ग्राफ्टिंग नाम की तकनीक का इस्तेमाल किया। इसमें एक पेड़ की शाखा को दूसरे पेड़ की जड़ों से जोड़ दिया जाता है। सालों की मेहनत और प्रयोग के बाद उन्होंने एक ऐसा पेड़ तैयार किया जिस पर आज 350 से ज्यादा किस्म के आम लगते हैं।

Ai+ ने लॉन्च किए नोवा पॉड्स क्लिप्स और नोवा वॉच

जबलपुर। टेक ब्रांड Ai+ ने भारत में अपने दो नए प्रीमियम वेयरेबल डिवाइस नोवा पॉड्स क्लिप्स और नोवा वॉच वियरबड्स लॉन्च किए हैं। कंपनी का दावा है कि ये प्रोडक्ट किफायती कीमत में प्रीमियम अनुभव देते हैं। नोवा पॉड्स क्लिप्स की कीमत 3,999 रुपये है। इसका ओपन-ईयर क्लिप डिजाइन इसे ईयररिंग की तरह पहनने योग्य बनाता है, जिससे लंबे समय तक इस्तेमाल में भी कानों पर दबाव नहीं पड़ता। इसमें ब्लूटूथ 6.0, 10mm ड्राइवर, IPX4 वाटर रेसिस्टेंस और करीब 4.5 घंटे का प्लेबैक टाइम मिलता है। वहीं नोवा वॉच वियरबड्स की कीमत 7,999 रुपये रखी गई है। 1.43 इंच AMOLED डिस्प्ले वाली इस स्मार्टवॉच की स्ट्रैप में ही ईयरबड्स दिए गए हैं, जिन्हें निकालकर इस्तेमाल किया जा सकता है और वापस लगाने पर वे चार्ज हो जाते हैं। इसमें 2GB लोकल म्यूजिक स्टोरेज, ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग, मल्टी-स्पोर्ट मोड्स, ENC नॉइज कैंसलेशन और चैट GPT वॉइस इंटीग्रेशन जैसे फीचर्स भी मिलते हैं। कंपनी का कहना है कि इन डिवाइस के जरिए प्रीमियम पर्सनल टेक्नोलॉजी को आम यूजर्स तक पहुंचाने की कोशिश की गई है।

20 मार्च को दिन और रात होंगे बराबर! बदलने वाला है दुनिया का मौसम

न्यूयार्क। 20 मार्च को आसमान से जुड़ी एक खास खगोलीय घटना होने जा रही है, जिसे मार्च इक्विनॉक्स कहा जाता है। इस दिन पृथ्वी ऐसी स्थिति में पहुंचती है जब दिन और रात लगभग बराबर हो जाते हैं। यह घटना हर साल होती है और इसे मौसम के बदलाव का अहम संकेत भी माना जाता है।अगर आप भी खगोलीय घटनाओं से प्रेम करते हैं, तो 20 मार्च का दिन आपके लिए बेहद खास होने वाला है। इस दिन आप एक ऐसी खगोलीय घटना के गवाह बनेंगे जो साल में सिर्फ दो बार होती है। इसे मार्च इक्विनॉक्स या वर्नल इक्विनॉक्स कहा जाता है। आसान भाषा में कहें तो इस दिन हमारी धरती पर दिन और रात की लंबाई लगभग बराबर (12-12 घंटे) होती है।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु ई– निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/127/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते है। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	8125WCRTP-11	मैन्युफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ इंडिविजुअल/आइसोलेटेड प्री–टेंशनएड प्री–स्ट्रेस्ड कंक्रीट (PSC) स्लीपर्स	38194.95 मीटर	02/04/2026
2	30251055	साइलेंट ब्लॉक फॉर एंकर लिंक	10710 नंबर	06/04/2026
3	34253073	पेंट सिंथेटिक इनेमल इंटीरियर फिनिशिंग वाइट	52080 लीटर	09/04/2026
4	81256172	मैन्युफैक्चरिंग एंड सप्लाई ऑफ ग्लूएड इंसुलेटेड रेल जॉइंट्स 6.5 मीटर लॉन्ग ऑफ G3(L) टाइप फॉर UIC 60/60E 1 रेल्स विथ आल फिटिंग्स	7376 नंबर	10/04/2026
5	38265007	टॉप हाउसिंग	2000 नंबर	14/04/2026
6	82255987	Pembrolizumab 100 mg इंजेक्शन (कीत्रुडा 100)	63 नंबर	15/04/2026
7	80261164	सप्लाई ऑफ LIQUIFIED ऑक्सीजन गैस	200000 cum	16/04/2026

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मो को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

हस्ता.

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए
जीवन साथी चाहिए जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना हो सम्पर्क करें
7566281535

वर/वधु चाहिए

वर/वधु चाहिए- (अन्य कलाम) 28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधू तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं संपर्क- 7400556967, 7400556967 (10411)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ायें।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान–सम्मान मिलेगा। घर–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक मान–सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन–पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें।

मकर किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई–बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते

मीन शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान–सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

54 साल बाद फिर चांद की तरफ बढ़ेंगे इंसानी कदम

वॉशिंगटन। लगभग 54 साल बाद इंसान एक बार फिर चांद की ओर उड़ान भरने की तैयारी में है! अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा अपने आर्टेमिस-2 मिशन को 1 अप्रैल को लॉन्च करने जा रही है। यह मिशन इसलिए खास है, क्योंकि साल 1972 में अपोलो मिशन के बाद पहली बार अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की कक्षा तक का सफर तय करेंगे।

इंसानों के कदम एक बार फिर से उस नीले आसमान को चीरकर चांद का चक्कर लगाने की तैयारी में हैं। लगभग 54 साल के लंबे इंतजार के बाद अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा अपने ऐतिहासिक

आर्टेमिस-2 मिशन के साथ अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए युग की शुरुआत करने की तैयारी में है। सब कुछ सही रहा तो अगले महीने की पहली तारीख यानी 1 अप्रैल को नासा अपनी आर्टेमिस-2 मिशन लॉन्च करने जा रही है। यह मिशन करीब 10 दिनों का होगा। साल 1972 के बाद यह पहली बार होगा जब इंसान एक बार फिर चंद्रमा की कक्षा तक का सफर तय करेंगे।

ये है मिशन का उद्देश्य

नासा के इस मिशन में स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट और ओरायन स्पेसक्राफ्ट की पहली क्रूड फ्लाइट इंसानों के साथ उड़ान भरेगी। इसमें चार अंतरिक्ष यात्री चांद के चारों ओर चक्कर लगाकर वापस पृथ्वी पर लौटेंगे। नासा के मुताबिक यह मिशन आने वाले समय में चंद्रमा की सतह पर उतरने वाले आर्टेमिस-3 मिशन के लिए लाइफ सपोर्ट सिस्टम और दूसरी जानकारी को परखने का एक बड़ा टेस्ट हो सकता है।

शब्द पहेली - 6165

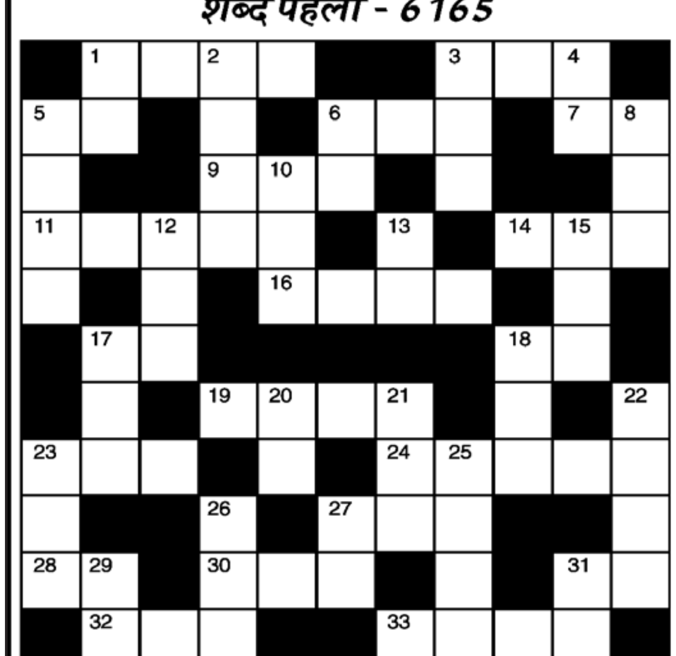

बाएँ से दाएँ
1.महीन व कीमती कपड़ा–4
3.गिरवी रखी वस्तु–3
5.चहा,पेय पदार्थ–2
6.ऐयार,गुप्तचर–3
7.संध्या,सांझ–2
9.रसद,किराणा सामग्री–3
11.करामात,करतब–5
14.विक्रय स्थल–3
16.कलाकार–4
17.चाहत,लगन–2
18.सद्,अच्छा–2
19.लंबा कोट–4
23.पानी की बूंद–3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण–5
27.लोभ,लालसा–3
28.दौड़ना(अंग्रेजी–2)
30.रेखा,लाइन–3
31.अकुवा,आकड़ा–2
32.अव्यवस्थित भीड़–3
33.अचानक,सहसा–4

ऊपर से नीचे
1.शराब–2
2.सम्राट,शहंशाह–4
3.सांभर जैसा खाद्य–3
4.सरुर, मद–2
5.चापलूस–4
6.प्राण, जीवन तत्व–2
8.चिंतन–3
10.भद्र, कुलीन–3
12.अपराध–3
13.पिता का भाई–2
15.यात्री दल–3
17.प्रेम लगन–3
18.भ्रमर,जलावर्त–3
20.चमड़ी,त्वचा–2
21.अनुकृति–3
22.आर्द्रक–4
23.कटि,मध्यांग–3
25.हठ करना, जिद करना,रोना–4
26.साजन,सनम–3
27.थूक,लेस–2
29.भीगा हुआ–2
31.उम्मीद,आशा–2

शब्द पहेली- 6164 का हल

■	स	ह	का	रि	ता	■	अ	चा	न	क
हा	र	■	य	■	ना	वि	क	■	त	र
थ	■	त	र	जु	मा	■	ल	ता	■	दा
मा	कू	ल	■	■	र	थ	■	क	वि	ता
र	■	घ	■	फ	ना	■	खा	■	र	■
ना	म	र	ख	ना	■	रा	ज	म	ह	ल
■	थ	■	त	■	मो	ह	■	ह	■	प
क	ना	त	■	रा	ह	■	■	क	पा	ल
र	■	ना	प	■	त	म	क	ना	■	पा
ता	ना	■	ली	ड	र	■	थ	■	का	ना
र	च	यि	ता	■	मा	ख	न	चो	र	■

सूडोकु बवाल - 6175

★★★★☆ कठिन

4							1	8
			6	7				2
			8					
	8	5						
	2			1			7	
						3	5	
					5			
1				4	7			
9	6							4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 6174 का हल

1	9	7	4	8	6	2	3	5
4	5	3	9	1	2	7	6	8
2	6	8	7	3	5	9	1	4
5	3	1	2	7	9	4	8	6
9	2	4	8	6	1	5	7	3
7	8	6	5	4	3	1	9	2
3	4	9	6	2	7	8	5	1
6	7	2	1	5	8	3	4	9
8	1	5	3	9	4	6	2	7

MANGAL SENACHA, BANGALORE

विशेष: विश्व खुशी दिवस, 20 मार्च

कभी दूर ना हो मन-जीवन से खुशी

आज के दौर में लोगों के पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं है, आर्थिक विकास भी हो रहा है, लेकिन फिर भी वास्तविक खुशी बहुत कम ही लोग महसूस कर पाते हैं। खुशी कोई चीज नहीं है, जिसे पैसा, सुख, सुविधाओं से पाया जा सकता है। खुशी तो जीवनशैली है। इसे महसूस करने के लिए अपनी सोच और जीने के अंदाज में बदलाव करना होगा।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

वर्तमान में इंसान जितनी सुख-सुविधाओं के संग जी रहा है, अब के पहले किसी भी दौर में इसकी कल्पना तक नहीं की गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इंसान फिर भी खुश नहीं है। साल 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इस बात पर गहराई से सोचा और खुशी की भूटान द्वारा तय की गई अवधारणा को न केवल वास्तविक खुशी के रूप में मान्यता दी बल्कि दुनिया भर को इस तरह की खुशी हासिल करने की दिशा में प्रेरित करने के लिए 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मनाए जाने की घोषणा भी की।

भूटान ने बताया जीएनएच का महत्व

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व खुशी दिवस मनाने के संबंध में निर्णय लेते हुए यह माना कि आर्थिक विकास के साथ-साथ लोगों की खुशी और कल्याण की वैश्विक नीतियों का लक्ष्य ही वास्तविक खुशी होती है। इसकी बुनियाद में भूटान की जो खुशी संबंधी अवधारणा थी, वह खुशी को सकल घरेलू उत्पाद के रूप में मान्यता देने की थी। भूटान ने वास्तव में जीडीपी की जगह जीएनएच यानी 'ग्रॉस नेशन हैप्पीनेस' की अवधारणा प्रस्तुत की थी। संयुक्त राष्ट्र ने इसे विश्व स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए ही 20 मार्च को वैश्विक खुशी के दिन के रूप में मान्यता दी और तब से हर साल यह दिन मनाया जाता है।

ऐसे बनती है हैप्पीनेस रिपोर्ट

विश्व खुशी दिवस के मौके पर हर साल वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की जाती है, जिसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों की कुछ निश्चित पैमानों के मुताबिक उनकी खुशी का आकलन किया जाता है। इस पैमाने के तहत खुशी के लिए जो मानक तय किए जाते हैं, उसमें किसी व्यक्ति के लिए मौजूद सामाजिक समर्थन, उसकी आय और उसका जीवन स्तर, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, व्यक्तिगत आजादी, उस देश और समाज में भ्रष्टाचार का स्तर, वहां के लोगों के बीच आपसी विश्वास और जीवन संबंधी उदारता को पैमाना बनाया जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले कई सालों से दुनिया के सबसे खुश देशों में फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे देश लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं, क्योंकि इन देशों में बेहतर सामाजिक सुरक्षा, संतुलित जीवनशैली और सामुदायिक विश्वास को खुशहाली का मुख्य कारण माना जाता है। दुर्भाग्य से हमारे अपने देश की स्थिति इस रिपोर्ट में अपेक्षाकृत काफी नीचे रही है। इससे स्पष्ट होता है कि वास्तव में खुशी पाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक संतुलन पर भी ध्यान देना जरूरी है।

खुशी दिवस मनाने का उद्देश्य

विश्व खुशी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव भर नहीं है। यह आधुनिक जीवन की कई गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में आज करोड़ों लोग तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा, नौकरी के दबाव, आर्थिक चिंताएं और सामाजिक अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे माहौल में खुशी और मानसिक संतुलन को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी हो गया है। चूंकि आज सफलता को लोग पद, पैसा और प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। ऐसे में विश्व खुशी दिवस हमें याद दिलाता है कि जीवन की यह वास्तविक सफलता, मानसिक संतोष और रिश्तों की गर्माहट में ही होती है।

असंतोष से दूर हो रही खुशी

देखने में आता है कि सोशल मीडिया की वजह से पहले की तुलना में लोग आपस में कहीं ज्यादा जुड़े रहते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि लोगों के बीच से सामाजिक संबंध आज बेहद कमजोर हो गए हैं। अकेलापन आज कई देशों में एक बड़ी सामाजिक समस्या बन चुका है। ऐसे में यह खुशी दिवस हमें परिवार, मित्रों और समाज के साथ वास्तविक जुड़ाव की अहमियत बताता है। किसी देश-समाज में चाहे जितना भी आर्थिक विकास हो गया हो, लेकिन अगर वहां लगातार तनाव रहता है, लोग अनेक किस्म के असंतोषों के साथ जी रहे होते हैं, तो वह विकास अधूरा ही कहलाएगा। इसलिए आज कई अर्थशास्त्री तथा नीति-निर्माता जीवन की गुणवत्ता को विकास का महत्वपूर्ण मापदंड मानते हैं। यही वजह है कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में लोगों के पास जीवन जीने के साधन चाहे जितने बढ़ गए हों, लेकिन वह खुशी के मामले में अतीत से काफी पिछड़े हुए हैं।

प्रकृति से दूरी ने कम की खुशी

यकीनन, मोबाइल फोन ने हमारे रोजमर्रा के जीवन के काम-काज को तो आसान बनाया है, लेकिन इसकी वजह से लगातार हम जितने ज्यादा लोगों के संपर्क में रहते हैं, हमारे असंतुष्ट और तनावग्रस्त होने की उतनी ही अधिक आशंका मौजूद रहती है। आज दुनिया के 97 फीसदी से ज्यादा लोग किसी न किसी वजह से अपने आपको इतिहास के किसी भी दूसरे समय के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यस्त पा रहे हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में आधे से ज्यादा लोगों का प्रकृति के साथ पहले जो सीधा रिश्ता हुआ करता था, वह रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो गया है। जिन लोगों का थोड़ा बहुत रिश्ता बचा भी है, वह बेहद औपचारिक तथा लेन-देन का हो गया है। प्रतिस्पर्धा की लगातार बढ़ती आदत हमें प्राकृतिक रूप से खुश नहीं रहने देती है। ऐसे में इस खुशी दिवस के मौके पर हर किसी को यह अपने मन में गांठ बांध लेनी चाहिए कि जीवन की असली सफलता और उपलब्धियां कहीं पहुंच जाना भर नहीं है बल्कि कहीं पहुंचकर भी खुश और संतुलित जीवन बिताना ही सही मायनों में जिंदगी की समग्र खुशी है। *

हमारे भीतर होते हैं खुशी के रसायन

आधुनिक मनोविज्ञान काफी पहले यह साबित कर चुका है कि खुशी को केवल भावनात्मक अनुभव ही नहीं बल्कि मानसिक और जैविक प्रक्रिया भी समझा जाता है। जब हम खुश होते हैं तो वैज्ञानिकों के मुताबिक हमारे शरीर में से कई महत्वपूर्ण रसायनों का स्राव होता है, जैसे डोपामाइन जो हमें प्रेरणा और आनंद की स्थिति में ले जाता है। सेरोटोनिन, जो मन को स्थिर और संतुलित बनाए रखता है। इसी क्रम में ऑक्सीटोसिन एक ऐसा रासायनिक स्राव है, जो हममें सामाजिक संबंधों और विश्वास से जुड़े हार्मोन पैदा करता है, जिससे कि हम खुश रहते हैं और एक-दूसरे के प्रति लगाव महसूस करते हैं। इसी तरह एंडोर्फिन भी इसी क्रम का एक हार्मोन है, जो खुश रहने पर हमारे शरीर में पैदा होता है और जिससे हम अपने दर्द को कम करने व खुशी को बढ़ाने में कामयाब होते हैं।

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

वैसे तो खुशी पाने के लिए अपने स्तर पर आप हर संभव प्रयास करते ही होंगे। लेकिन यहां हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे आसान और नायाब तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आपको जिंदगी में भरपूर खुशी हासिल होगी।

आपको खुशियों से भर देंगे ये आसान-नायाब तरीके

इस दुनिया का हर इंसान खुशी हासिल करना चाहता है। लोग खुशी के लिए न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन कई बार खुशी बड़ी-बड़ी चीजों से नहीं मिल पाती बल्कि छोटी-छोटी सी कोशिशों से मिल जाती है।

इमेजिनेशन: केवल 30 सेकेंड के लिए कल्पना करें कि जो चीजें आपके पास हैं (जैसे आपका घर, पसंदीदा डिवाइस या कोई प्यारा रिश्ता) वो आपके पास नहीं हैं। इनकी अनुपस्थिति वाली स्थिति से जब आप हकीकत में लौटेंगे और अपने पास इन चीजों को पाएंगे तो आपको उन चीजों के होने की असली खुशी भीतर तक महसूस होगी।

भविष्य के नाम खत: आने वाले कुछ वर्षों बाद जैसे जीवन की चाहत आप करते हैं, उसको ध्यान में रखते हुए 'स्वयं' को अपनी आज की खुशियों और सपनों के बारे में एक पत्र लिखें और उसे छिपा दें। जब कभी आप उसे पढ़ेंगे, खुशी मिलेगी।

पुराने किस्सों का पिटारा: बचपन की सुखद यादें या परिवार के साथ बिताई गई छुट्टियां 'हैप्पीनेस एंकर' की तरह काम करती हैं, जो भविष्य में कठिन समय आने पर हमें सहारा देती हैं। परिवार या पुराने दोस्तों को फोन करें और पुरानी यादें ताजा करें। अच्छी यादें दिल और दिमाग को सुकून देती हैं। बुजुर्गों से उनके चटपटे अनुभव और सीख देने वाली दिलचस्प कहानियां सुनना भी सुकून देता है।

साइलेंट डिस्को पार्टी: घर पर अकेले या परिवार के साथ हेडफोन लगाकर अपनी पसंद के गानों पर कुछ देर नाचें। इससे बिना किसी शोर-शराबे के तनाव कम होगा, मूड अच्छा होगा और आपको खुशी मिलेगी।

बच्चों वाली शरारतें: जब कभी मन करे चॉक लेकर स्लेट पर या पेन, पेंसिल से कॉपी में कुछ मजेदार चित्र बनाएं या हॉप-स्कॉच (पकड़ा-पकड़ी) जैसा कोई खेल खेलें। अपने 'इनर चाइल्ड' को बाहर लाना खुशी का बेहतरीन स्रोत है। कभी-कभी बच्चों की तरह बिना किसी खास वजह के जोर से हंसने की कोशिश करें। यह शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है, इससे मूड तुरंत हैप्पी फील करता है।

पास्ट-सेल्फ को 'थैंक यू' कहें: केवल भविष्य की चिंता करने की बजाय, हर हफ्ते कुछ मिनट निकालकर अपने 'पुराने स्वरूप' को धन्यवाद दें। अपने पुराने स्वरूप को धन्यवाद कहना खुद से जुड़ने और अपनी प्रगति को सराहने का एक खूबसूरत तरीका है। जैसे मुश्किल समय में डटे रहने के लिए, सही चुनाव करने के लिए, सीखने और बढ़ने के लिए, खुद पर विश्वास रखने के लिए, धैर्य के लिए।

द मिस्टेक सेलिब्रेशन: जब आपसे कोई छोटी गलती हो जाए, तो उस पर झुंझलाने के बजाय मुस्कुराएं और कहें, 'वाह, एक और सीख मिली!' अपनी गलतियों को उत्सव की तरह देखने से तनाव कम होता है।

नकली मुस्कान का जादू: विज्ञान कहता है कि भले ही आप अंदर से खुश न हों, लेकिन शीशे में देखकर जबरदस्ती मुस्कुराने से दिमाग में खुशी वाले न्यूरोकेमिकल्स रिलीज होते हैं। इससे खुशी का अहसास होता है। इसे 'फेक इट टिल यू मेक इट' कहते हैं।

मिट्टी से जुड़ाव: नंगे पैर मिट्टी या घास पर चलें। यह शरीर की इलेक्ट्रिकल ऊर्जा को संतुलित करता है और मन को शांत-खुश रखने में मदद करता है।

घर की सजावट बदलें: अपने रहने की जगह को व्यवस्थित करें। साफ-सुथरा और सजा हुआ घर मानसिक शांति और खुशी देता है।

पेड़ों-पक्षियों को निहारना: पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को निहारना मन को सुकून देता है। केवल एक मिनट के लिए किसी ऊंचे पेड़ को ऊपर की ओर देखें। यह आपको रोजमर्रा की भाग-दौड़ में ठहरने और प्रकृति से जुड़ाव महसूस कराएगा। किसी पार्क में बैठें और बस पक्षियों की चहचहाहट और हरकतों पर ध्यान दें। शोध बताते हैं कि पक्षियों के संग समय बिताने से खुशी मिलती है।

वर्क प्लेस के लिए: ऑफिस में तनाव को कम करने और छोटी-छोटी खुशियां ढूंढ़ने के लिए अपनी डेस्क पर ऐसी चीजें रखें, जो आपको मुस्कुराने पर मजबूर कर दें, जैसे कोई मजेदार मैग्नेट, छोटा पौधा या अपनी पसंदीदा वैकेशन की फोटो। बोरियत या स्ट्रेस के समय, दिन भर की छोटी-छोटी उपलब्धियों को लिखें। यह आपको एहसास कराएगा कि आप प्रगति कर रहे हैं। हर एक घंटे में 2-3 मिनट के लिए अपनी सीट से उठें। गहरी सांस लें या बस थोड़ा चलें, इससे दिमाग को ताजगी-खुशी मिलती है। *

लघुकथा / रंजना जायसवाल

राजा बेटा

आज सुबह से माया को अपने बेटे विक्रम की बहुत याद आ रही थी। उसे आज भी वह दिन याद है, जब वह उसका आंचल पकड़े दिन भर इधर से उधर घूमता रहता था। उसकी इस हरकत पर उसका नाम ही पड़ गया था पिछलग्गू। पर वक्त के साथ कितना कुछ बदल गया था। बगल वाली शुक्ला भाभी अपने दो छोटे बच्चों को छोड़ जब इस दुनिया से चली गई थीं। कितना डर गया था विक्रम। कहीं उसकी मां भी शुक्ला आंटी की तरह...।

उनके बच्चे बार-बार यही कहकर रो रहे थे, 'अब हम बिल्कुल शैतानी नहीं करेंगे, मां आप वापस आ जाओ।' बेचारे कहां जानते थे उनकी मां तो ऐसी दुनिया में चली गई थीं जहां से कोई लौटकर नहीं आता। विक्रम ने सहम कर पूछा था, 'मां! आप तो मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगी न'

'तुझे छोड़कर भला मैं कहां जा सकती हूं। तू तो मेरा राजा बेटा है।'

माया ने विक्रम के भोले चेहरे को पुचकारते हुए कहा था। 'और मां आप? राजा की मां तो रानी मां हुई न' वह खिलखिला कर हंस पड़ी थीं, 'हां बिल्कुल।'

'रानी मां कहां रहती हैं?' विक्रम के सवाल खत्म होने को नहीं आते थे। 'वोवो तो महलों में रहती हैं, अपने राजा बेटे के साथ।'

'मैं भी आप के साथ महलों में रहूंगा' विक्रम खुशी से चिल्ला पड़ा था, उसकी इस हरकत से उनकी आंखें भर आईं थीं। तभी एक तेज आवाज से माया की तंद्रा टूटी। वह वर्तमान में लौटी। उसकी नजर आश्रम के बोर्ड पर पड़ी जहां बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था 'वृद्धाश्रम।'

वह मन ही मन बुदबुदाई, 'राजा बेटे ने तो रानी मां के साथ रहने का वायदा किया था पर वह उन्हें यहां छोड़कर क्यों चला गया?' *

पुस्तक: महानगर में मौत, **लेखक:** अखिलेश श्रीवास्तव चमन, **मूल्य:** 225 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मर्मस्पर्शी लघुकथाएं

वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश श्रीवास्तव चमन का नया लघुकथा संग्रह 'महानगर में मौत' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। इसमें कुल जमा 55 लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं अपने छोटे कलेवर में भी जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं की श्याम-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। महानगरीय जीवनशैली ने किस तरह हमें संवेदनशून्य बना दिया है और हमारे रिश्तों में से भावनात्मक जुड़ाव छीजता जा रहा है, इसकी बानगी 'महानगर में मौत' और 'बीमारी' लघुकथाओं में देखी जा सकती है। हमारे समाज में सांप्रदायिकता और जातिवाद आज भी किस कदर हावी है और इस मानसिकता का स्वार्थी लोग कैसे दुरुपयोग करते रहते हैं, इसे प्रभावी तरीके से 'राजनीति' और 'इंटरव्यू' में पढ़ सकते हैं। 'अजूबा' और 'गाली' जैसी कुछ लघुकथाओं में लेखक ने आज के दौर की जीवनशैली और नेताओं पर कटाक्ष किया है। कह सकते हैं कि ये लघुकथाएं हमारे समय के विद्रूप को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। *

व्यंग्य / पंकज प्रसून

घर पहुंचा विश्व युद्ध!

कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे।

एआई इमेज

आजकल मेरी रीढ़ की हड्डी के स्थान पर 55 इंच का एक एलईडी पैनल फिट हो चुका है, जिस पर चौबीसों घंटे ब्रेकिंग न्यूज का हड़कंप मचा रहता है। मेरा हाल यह है कि मैं अपने घर के सोफे के बजाय एक अभेद्य बंकर में विराजमान होता हूं। शाम के सात बजने पर जैसे ही न्यूज चैनल चालू होता है, मेरे ड्राइंग रूम में भी जैसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो जाता है। एंकर महोदय इस तरह चिल्लाते हैं मानो मिसाइल का पिछला हिस्सा उन्हीं के स्टूडियो में रखा हो और वे बस माचिस दिखाने ही वाले हों। उनके चिल्लाने की आवृत्ति इतनी तीव्र होती है कि घर की छिपकलियां तक सरेंडर कर देती हैं।

मेरी इंद्रियों का पूरी तरह सैन्यीकरण हो चुका है। कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे। पत्नी ने तंज कसा, 'उठिए महाराज, यह कोई 'आयरन डोम' फेल होने की आवाज होने से रही, अरहर की दाल है, तीन सीटी में गलती है।' मगर उसे क्या पता कि जिसे वह दाल कहती है, मुझे उसमें बारूद की गंध आती है। शाम को पड़ोस का बच्चा छत पर पतंग उड़ा रहा था, नीले आसमान में वह लाल पतंग मुझे साक्षात किलर-ड्रोन नजर आई। मैं वहीं बालकनी में लेट गया और रेंगते हुए अंदर आया। मुझे पूरा यकीन था कि यह पतंग महज कागज का टुकड़ा होने के बजाय मोसाद द्वारा भेजा गया कोई सर्वेक्षण यान है, जो मेरी फटी हुई बनियान की जासूसी कर रहा है।

फेसबुक खोलता हूं तो लगता है कि देश का हर वह व्यक्ति, जिसके पास डेढ़ जीबी का डेटा पैक है, वह व्हाइट हाउस का मुख्य सलाहकार बना बैठा है। जिस आदमी को यह पता तक है कि पड़ोस की गली में नाली क्यों जाम है, वह भी फेसबुक पर दुनिया का नक्शा लेकर समझा रहा है कि ईरान को मिसाइलें किस एंगल से छोड़नी चाहिए थीं। हमारे मित्र वर्मा जी, जो मोहल्ले की क्रिकेट टीम में 'एक्स्ट्रा' खिलाड़ी बनने के लायक भी नहीं समझे जाते, फेसबुक पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बने घूम रहे हैं। उन्होंने पोस्ट डाली है- 'अगर मैं नेतन्याहू की जगह होता, तो अब तक बटन दबा चुका होता।' नीचे उनके साढ़ू ने कमेंट किया है, 'भाई साहब, पहले सुबह मोटर चलाकर पानी तो भर लिया कीजिए, भाभी चिल्ला रही हैं।' न्यूज चैनलों पर बैठने वाले रक्षा विशेषज्ञ तो और भी अद्भुत हैं। वे ऐसे चहकते हैं जैसे युद्ध के बजाय गांव का मेला चल रहा हो। एक रिटायर्ड सैन्य अधिकारी ने पेन उठाकर नक्शे पर ऐसी लकीर खींची जैसे वे स्कूल में बच्चों को 'क' से कबूतर सिखा रहे हों। उन्होंने कहा, 'देखिए, यहां से मिसाइल जाएगी और सीधे किचन में गिरेगी।' मैंने डर के मारे चाय का कप नीचे रख दिया, कहीं मिसाइल मेरी चाय में ही लैंड न कर जाए।

ऑफिस से घर लौटकर चैन की उम्मीद थी, मगर वहां द्विपक्षीय वार्ता पहले ही विफल हो चुकी थी। पत्नी ने पूछा, 'सब्जी लाए?' मैंने कहा, 'युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव है, टमाटर की कीमतों ने बैलिस्टिक मिसाइल की गति पकड़ ली है।' पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने जो 'वाक-युद्ध' शुरू किया, उसके सामने न्यूज चैनल के एंकर भी पानी भरें। उसने कहा, 'ये जो चौबीस घंटे टीवी देखते हो, इससे दिमाग का सॉफ्टवेयर करप्ट हो गया है। घर में गृहयुद्ध की स्थिति है और तुम्हें ईरान-इजराइल की चिंता है।' झगड़ा बढ़ा तो उसने बेलन हाथ में उठा लिया। उस क्षण मुझे अहसास हुआ कि असली हाइपरसोनिक वेपन तो यही है। मैंने तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर दी। बिना शर्त माफी मांगना ही सबसे सुरक्षित डिफेंस सिस्टम है।

रात को जब टीवी बंद करता हूं और सन्नाटा छाता है, तो दिल के किसी कोने में एक सिहरन दौड़ जाती है। टीवी के पर्दे पर जो आग दिखती है, वह दूर किसी के घर को सचमुच राख कर रही होती है। आसमान में उड़ती पतंग जब ड्रोन लगने लगे और कुकर की सीटी सायरन बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने के बजाय हमारे दिमागों के भीतर घुसकर बमबारी कर रहा है। हम सब एक ऐसे 'वॉर जोन' में जी रहे हैं, जहां शांति एक ब्रेकिंग न्यूज बनकर रह गई है और हमारी संवेदनाएं कहीं मलबे में दबी पड़ी हैं। मिसाइल शायद मेरे घर पर गिरने से रही, मगर उस डर की मिसाइल ने मेरे सुकून को तो जख्मी कर ही दिया है। टीवी का रिमोट हाथ में है, पर जीवन का कंट्रोल शायद उन लोगों के हाथ में है, जो युद्ध की कमेंट्री बेचकर अपना घर चला रहे हैं। *

इंडियन वेल्स मास्टर्स : लिंडा को 6-3, 6-4 से हराया

एलेना और आर्यना में आज होगा खिताबी मुकाबला

सबालेंका ने 1 घंटे 28 मिनट में जीता मैच, लिंडा को हराकर फाइनल में एंट्री

एजेंसी ▸▸| मुंबई

आर्यना सबालेंका ने इंडियन वेल्स मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स का सेमीफाइनल खेल रही 21 साल की लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही अपनी पकड़ बना ली थी। सबालेंका ने डबल-ब्रेक में 5-1 की बढ़त बना ली और बेहद कम समय में सेट जीत लिया। दो गेम बाद सबालेंका ने ओपन कोर्ट में फोरहैंड विनर मारकर मैच 1 घंटे 28 मिनट में खत्म कर दिया। चेक खिलाड़ी ने दूसरे सेट के आखिर में मैच में अपनी पकड़ बना ली। उन्होंने अपनी सर्विंग की काबिलियत दिखाई, जब उन्होंने दो ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 3-2 कर दिया और स्कोर सिर्फ एक ब्रेक तक ही सीमित रखा। नोस्कोवा ने दूसरे सेट में सबालेंका की सर्विंग के समय 4-3, 30-40 पर एक ब्रेक पॉइंट भी हासिल किया, लेकिन लगातार तीन बड़ी सर्व ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को 6-3, 5-3 से जीत की कगार पर पहुंचा दिया।

सबालेंका के कॅरियर की 20वीं जीत

नोस्कोवा पर सबालेंका की सेमीफाइनल जीत इंडियन वेल्स में उनके करियर की 20वीं जीत है। सबालेंका पहली दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी हैं, जो 1989 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से लगातार सालों में फाइनल में पहुंची हैं और विक्टोरिया अजारेंका के साथ इंडियन वेल्स फाइनल में तीन अलग-अलग बार पहुंचने वाली केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

इस साल मेरा दबदबा रहे

सबालेंका ने कहा, ' मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि मैं रविवार को पूरी तरह से तैयार रहूं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलूंगी और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करुंगी कि इस साल मेरा दबदबा रहे।' सबालेंका ने शुक्रवार को जीत हासिल करके 2026 में अपना रिकॉर्ड 12-1 कर लिया। उन्होंने लगातार छठी बार किसी डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले उन्हें आखिरी हार पिछले साल अगस्त में सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टरफाइनल में रयबाकिना से ही मिली थी।

रयबाकिना ने स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया

रयबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में यूक्रेन की नौवें नंबर की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया। सबालेंका को 2026 में एकमात्र हार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में रयबाकिना से मिली थी। सबालेंका निश्चित रूप से उस हार का बदला लेने के साथ इंडियन वेल्स के फाइनल में अपने 0-2 के रिकॉर्ड में सुधार करना चाहेगी।

भांबरी और गोरानसन का सफर सेमीफाइनल में थमा

इंडियन वेल्स। भारत के युकी भांबरी और स्वीडन के उनके साथी आंद्रे गोरानसन का कैलिफोर्निया में खेले जा रहे इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में शानदार अभियान सेमीफाइनल में हारने के साथ समाप्त हो गया। भांबरी और गोरानसन की गैरवरीय जोड़ी फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच और मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट से 5-7, 7-6(7), 5-10 से हार गई। यह एक कड़ा मुकाबला था, जिसका फैसला टाईब्रेकर से हुआ। भांबरी और गोरानसन पहले सेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद हार गए। उन्होंने दूसरे सेट में बेहतर खेल दिखाया और टाईब्रेकर में जीत दर्ज करके मुकाबला को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया।लेकिन निर्णायक टाईब्रेकर में रिंडरकनेच और वाचेरोट ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल कर ली। इस मैच में हार के बावजूद इस टूर्नामेंट में 33 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। वह पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

द्रविड़, बिन्नी और मिताली को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

बीसीसीआई ने जारी की नमन अवॉर्ड विजेताओं की सूची

एजेंसी ▸▸| मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 15 मार्च को नई दिल्ली में होने वाले बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स 2026 में भारतीय क्रिकेट में शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाएगा। यह सालाना समारोह अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और एज-ग्रुप क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को पहचान देता है, साथ ही उन लोगों को सम्मानित करता है, जिन्होंने भारत में इस खेल में खास योगदान दिया है। इस बार 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य ऑलराउंडर रोजर बिन्नी और पूर्व बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनकी लंबी सेवा के लिए प्रतिष्ठित कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को देश में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में उनके अहम योगदान के लिए बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

शुभमन को मिलेगा पॉली उमरीगर पुरस्कार

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सीजन के लिए पॉली उमरीगर पुरस्कार मिलेगा, जबकि स्मृति मंधाना पांचवीं बार बेस्ट अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर का अवॉर्ड जीतेंगी। वहीं बिन्नी को भारत की ऐतिहासिक 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत में एक खिलाड़ी के तौर पर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। टूर्नामेंट में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने थे।

विजेताओं की लिस्ट

- पॉली उमरीगर अवॉर्ड 2024-25 : श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष)- शुभमन गिल
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर– स्मृति मंधाना
- वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट- 2024-25 महिला - दीप्ति शर्मा
- वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला-2024-25 - स्मृति मंधाना
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू- महिला - श्रीचरणी
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय डेब्यू- पुरुष - हर्षित राणा
- 2024-25 के बीसीसीआई घरेलू टूर्नामेंट में श्रेष्ठ प्रदर्शन- मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन
- 2023-24 में घरेलू क्रिकेट में श्रेष्ठ अंपायर- उल्हास गांधे
- माधवराव सिंधिया अवॉर्ड : 2024-25 में रणजी ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले - एलीट ग्रुप - हर्ष दुबे (विदर्भ)

शेफाली और म्हात्रे को किया जाएगा पुरस्कृत

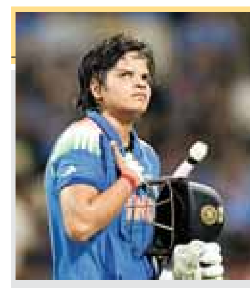

भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाले कप्तान आयुष म्हात्रे को भी पुरस्कृत किया जाएगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए भी सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह का एक बड़ा आकर्षण हाल ही में आईसीसी खिताब जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित करना होगा, जिसमें आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025, आईसीसी टी20 विश्व कप 2026, महिला विमेंस क्रिकेट विश्व कप 2025, और पुरुष और महिला अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीमें शामिल हैं।

खबर संक्षेप

खिलाड़ियों के डाइट सप्लीमेंट पर खेल मंत्रालय सख्त

नई दिल्ली। भारत के डोपिंग में खराब रिकार्ड को देखते हुए खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को खिलाड़ियों के लिए तैयार किए गए पोषण और खाद्य पूरकों की उचित जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया, ' यह कदम दूषित, मिलावटी या गलत लेबल वाले पोषण संबंधी सप्लीमेंट से खिलाड़ियों का प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है।'

हमने नहीं लगाया किसी भी खिलाड़ी पर जुर्माना : पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि उसने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रहने के कारण टीम के किसी भी सदस्य पर जुर्माना नहीं लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की टीम के सुपर आठ चरण से बाहर होने के बाद खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया गया, लेकिन पीसीबी के प्रवक्ता आमिर मीर ने इसका खंडन किया। मीर ने कहा, 'किसी भी खिलाड़ी पर जुर्माना नहीं लगाया गया है, लेकिन बोर्ड खिलाड़ियों के लिए एक फार्मूला तैयार करने के बारे में सोच रहा है क्योंकि अच्छा प्रदर्शन करने पर उन्हें अच्छी प्रोत्साहन राशि मिलती है।'

धोनी का आईपीएल में यह अंतिम सत्र हो सकता है

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान का मानना है कि आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) महेंद्र सिंह धोनी का चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की तरफ से एक खिलाड़ी के रूप में यह अंतिम सत्र हो सकता है। जैसे-जैसे 2026 का आईपीएल करीब आ रहा है, धोनी के संन्यास को लेकर चर्चाएं फिर से तेज हो गई हैं। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से संजू सैमसन को लेकर अपनी टीम से जुड़ा है, जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि धोनी इस बार खेल के मैदान पर कम दिखेंगे और वह मेंटोर (मार्गदर्शक) की भूमिका निभा सकते हैं।

लोकेश ने लगाई 8.21 मीटर की छलांग, बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

लोकेश का लंबी कूद में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन, जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

भारत के युवा एथलीट लोकेश सत्यनाथन ने अर्कांसस के फेयेटविले में एनसीएए इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पुरुषों की लंबी कूद में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतकर अपने करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर नया इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

इससे वहां लंबी कूद के भारत के स्टार एथलीट जेस्विन एल्ड्रिन (8.42 मीटर) और मुरली श्रीशंकर (8.41 मीटर) के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं। टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी की तरफ से खेल रहे लोकेश ने अपने चौथे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके पहला स्थान हासिल किया। लोकेश ने यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न मिसिसिपी के डी ऑन्ड्रे वार्ड को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 8.20 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया। कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी के ताफदज़वा चिकोम्बा 8.15 मीटर की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर रहे। लोकेश ने बाद में कहा, ''मैं ईश्वर का आभार व्यक्त करता हूं क्योंकि मैं जानता हूं कि उनके बिना कुछ भी संभव नहीं है। मैं निश्चित रूप से बेंगलुरु में रह रहे अपने परिवार और अपने कोच का भी आभार व्यक्त करता हूं, जो यहां मेरे लिए परिवार की तरह हैं।'

महिला एशियाई कप

चीन ने ताइवान को हराया सेमीफाइनल में किया प्रवेश

पर्थ। मौजूदा चैंपियन चीन ने ताइवान को 2-0 से हराकर 2027 विश्व कप में अपनी जगह पक्की करने के साथ महिला एशियाई कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। चीन और ताइवान के बीच भू-राजनीतिक तनाव है और दोनों के बीच 90 मिनट तक कोई गोल नहीं हुआ। इसके बाद अतिरिक्त समय के तीसरे ही मिनट में शाओ जिकिन ने गोल करके मैच का पहला गोल किया और फिर आखिर में एक आत्मघाती गोल से चीन का दूसरा गोल हुआ। वहीं शुक्रवार को हुए मुकाबले में सैम केर ने एक गोल किया और एक गोल में मदद की, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने उत्तर कोरिया को 2-1 से हराकर विश्व कप में अपनी जगह पक्की कर ली।

नई जर्सी में नजर आएंगे केकेआर के खिलाड़ी, दिखाई देगा गोल्डन पैच

आईपीएल : 29 मार्च को केकेआर का पहला मैच मुंबई इंडियंस के साथ

एजेंसी ▸▸| मुंबई

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी नई जर्सी लॉन्च की। जारी की गई जर्सी में एक बार फिर से चमकदार सुनहरे पैच लौट आए हैं। कंधों और बाजू में ये पैच दिखेंगे। जर्सी का रंग बैंगनी ही रखा गया है। केकेआर आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे सफल टीम है। उसने तीन बार खिताब जीता। 2012 व 2014 में गौतम गंभीर और 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस फ्रेंचाइज ने खिताब जीता। 2021 में उसे फाइनल में हार मिली थी।

18 मार्च से प्री सीजन कैंप

केकेआर आगामी सीजन से पहले 18 मार्च से कोलकाता में प्री सीजन ट्रेनिंग शुरू करेगी। एक दिन पहले से खिलाड़ी इसके लिए पहुंचना शुरू हो जाएंगे। सबसे पहले तेजस्वी सिंह, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, प्रशांत सोलंकी और सार्थक रंजन जैसे अनकैप्ड खिलाड़ी कैंप का हिस्सा बनेंगे। रहाणे, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती एक-दो दिन की देरी से केकेआर के कैंप में शामिल होंगे। केकेआर से पहले पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स ने भी नई जर्सी जारी की थी। साथ ही पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी अपनी नई जर्सी लॉन्च की।

पूर्वोत्तर से खिताब हासिल करने वाले बने पहले खिलाड़ी

मयंक चक्रवर्ती ने रचा इतिहास बने भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी मयंक चक्रवर्ती ने अपने उभरते करियर की आखिरी बाधा पार करते हुए अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल कर लिया, जिससे वह भारत के 94वें ग्रैंडमास्टर बन गए। वह के पूर्वोत्तर से यह प्रतिष्ठित खिताब हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

असम के गुवाहाटी के रहने वाले 17 वर्षीय चक्रवर्ती 2024 में इंटरनेशनल मास्टर बने थे। उन्होंने 'होटल स्टॉकहोम नॉर्थ बाय फर्स्ट होटल्स चेस टैलेंट्स टूर्नामेंट' के आठवें दौर में एक दौर बाकी रहते ही यह उपलब्धि हासिल कर ली। उन्होंने इस दौर में स्वीडिश आईएम फिलिप लिंडग्रेन को हराया। लिंडग्रेन पर जीत के दौरान चक्रवर्ती अपने खेल के चरम पर थे। उन्होंने जरूरी 6.5 अंक जुटाए, जो उनका अंतिम ग्रैंडमास्टर नॉर्म पक्का करने के लिए काफी थे। आखिरी दौर में उन्होंने इंग्लिश इंटरनेशनल मास्टर जोना बी विलो के साथ एक रोमांचक ड्रॉ खेला और इस तरह अपने अब तक के सबसे यादगार प्रदर्शन पर मुहर लगा दी। इस प्रक्रिया में चक्रवर्ती ने 2500 ईएलको रेटिंग का अहम आंकड़ा भी पार कर लिया। उनकी मौजूदा रेटिंग इस सीमा से कुछ अंक ऊपर है, जिससे अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के नियमों के अनुसार उनका ग्रैंडमास्टर खिताब पक्का हो गया है।

21 अंक वाली प्रणाली अच्छा काम कर रही

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता साइना नेहवाल ने बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) से स्कोरिंग में प्रस्तावित बदलाव पर सतर्कता बरतने का आग्रह किया है और उनका मानना है कि वर्तमान की 21 अंक की प्रणाली खेल की गति और दमखम बनाए रखती है। बैडमिंटन की विश्व में सर्वोच्च संस्था बीडब्ल्यूएफ ने वर्तमान तीन गेम वाली 21 अंक की प्रणाली को तीन गेम की 15 अंक वाली प्रणाली में बदलने का प्रस्ताव किया है। इस बदलाव पर सदस्य 25 अप्रैल को डेनमार्क के होर्सेंस में बीडब्ल्यूएफ की वार्षिक आम बैठक में मतदान करेंगे। साइना ने कहा, ' बैडमिंटन की परंपरा समृद्ध है तथा ऑल इंग्लैंड ओपन और बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप जैसे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों की गति और सहनशक्ति की परीक्षा होती है।'

आईपीएल-2026

पीटरसन ने छोड़ा दिल्ली कैपिटल्स का साथ, मेंटॉर पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से होगी, जिससे पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) फ्रेंचाइजी के मेंटॉर पद से इस्तीफा दे दिया है। 45 वर्षीय पीटरसन का कहना है कि वह इस भूमिका के लिए जरूरी समय नहीं दे पाएंगे। हालांकि, इस टूर्नामेंट में कमेंट्री बॉक्स में वापसी करेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल फरवरी में पीटरसन को आईपीएल 2025 में इस भूमिका के लिए नियुक्त किया था। इस बीच पीटरसन ने सपोर्ट स्टाफ के साथ मिलकर काम किया, जिसमें क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव, हेड कोच हेमांग बदानी, असिस्टेंट कोच मैथ्यू मॉट और गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल शामिल थे।

इंग्लैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा, मैं इस आईपीएल सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का मेंटॉर नहीं रह पाऊंगा। मैं इस काम के लिए जरूरी समय नहीं दे सकता। इस सीजन के लिए सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। हालांकि, मैं कमेंट्री बॉक्स में आप सभी से फिर मिलूंगा। आईपीएल दुनिया की सबसे बेहतरीन लीग है। मैं जल्द ही आप सभी को देखने के लिए बेताब हूं।

केकेआर को झटका!, राणा हो सकते हैं बाहर

कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज हर्षित राणा आईपीएल 2026 के पूरे सीजन से बाहर हो सकते हैं। केकेआर के लिए ये बड़ा झटका है क्योंकि वे कोलकाता के लिए पिछले कुछ सीजन से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। हर्षित को टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में जगह मिली थी लेकिन चोट के कारण वह टूर्नामेंट नहीं खेल पाए थे। हर्षित राणा की जगह टीम इंडिया में मोहम्मद सिराज को रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया गया था। अब खबर सामने आ रही है कि युवा गेंदबाज आईपीएल के लिए फिट नहीं हो सकते हैं।

स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त

मन्नेपल्ली ने गिंटिंग को दी कड़ी चुनौती, लेकिन जीत से चूके

एजेंसी ▸▸| बासेल

भारत के थारुन मन्नेपल्ली के इंडोनेशिया के एंथोनी सिनिसुका गिंटिंग से तीन गेम तक चले क्वार्टर फाइनल के रोमांचक मुकाबले में हारने के साथ ही स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज भारतीय खिलाड़ी मन्नेपल्ली को 250,000 अमेरिकी डॉलर इनामी टूर्नामेंट में गिंटिंग से 19-21 21-19 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

गिंटिंग ने किया सेमीफाइनल में प्रवेश

चोट से उबरकर गिंटिंग ने की वापसी

गिंटिंग पिछले साल पीठ की समस्या से परेशान रहे थे और वह इस चोट से उबरकर वापसी कर रहे हैं। गिंटिंग ने शुरुआत में ही 6-2 की बढ़त बना ली, हालांकि मन्नेपल्ली ने वापसी करते हुए स्कोर 11-11 से बराबर कर दिया, लेकिन इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने 16-12 की बढ़त बनाई और फिर चार गेम प्वाइंट हासिल किए। मन्नेपल्ली ने तीन गेम प्वाइंट बचाए लेकिन इंडोनेशिया का खिलाड़ी पहला गेम जीतने में सफल रहा।

मैच को निर्णायक गेम तक खींचा

दूसरे गेम में मन्नेपल्ली ने 6-6 की बराबरी से आगे निकलते हुए पहले 11-7 और फिर 19-13 की बढ़त हासिल कर ली। गिंटिंग ने इसके बाद शानदार वापसी की और लगातार छह अंक हासिल कर 19-19 से स्कोर बराबर कर लिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और मैच को निर्णायक गेम तक खींच दिया। तीसरे गेम में गिंटिंग ने मन्नेपल्ली को बहुत कम मौके दिए। उन्होंने शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी और मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

गैस एंजेसियों के बाहर लगी लंबी-लंबी लाईन

कुकिंग गैस संकट : प्रशासन के दावों और हकीकत के बीच खाई

जबलपुर। जिला प्रशासन भले ही एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक होने का दावा कर रहा हो, लेकिन शहर की तस्वीर कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। जबलपुर की अलग-अलग गैस एजेंसियों के बाहर सुबह 8 बजे से लेकर रात 1 बजे तक सिलेंडर के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। ईरान–इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच जैसे-जैसे खाड़ी क्षेत्र में हालात गंभीर होते जा रहे हैं, वैसे-वैसे शहर में घबराहट बढ़ती जा रही है। परिणामस्वरूप लोग एहतियात के तौर पर गैस सिलेंडर की व्यवस्था करने में जुट गए हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव का असर अब जबलपुर की रसोई तक महसूस किया जा रहा है। पेट्रोलियम उत्पादों की वैश्विक सप्लाई और शिपिंग मार्गों पर संभावित असर की खबरों ने आम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। यही कारण है कि घरेलू गैस की मांग अचानक बढ़ गई है, जबकि कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति प्रभावित होने से होटल, रेस्टोरेंट और केटरिंग व्यवसाय पर भी दबाव साफ नजर आ रहा है।

सुबह से देर रात तक कतारें

शहर के कई इलाकों में गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की भीड़ देखी जा रही है। कई लोग खाली सिलेंडर लेकर सुबह से लाइन में खड़े हैं। कुछ स्थानों पर स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि लोगों को टोकन सिस्टम लागू करना पड़ा। घरेलू उपभोक्ता रवि पांडे ने बताया, "पांच दिन से गैस के लिए परेशान हूं। ऑनलाइन बुकिंग की, ओटीपी भी आया, लेकिन डिलीवरी नहीं हुई। रोज ऑफिस से छुट्टी लेकर एजेंसी आना पड़ रहा है।" वहीं सुशील नामक उपभोक्ता ने कहा, "छह दिन से बुकिंग की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन नंबर ही नहीं लग रहा। समझ नहीं आ रहा कि गैस कब मिलेगी।" कई उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें डर है कि यदि हालात और बिगड़े तो गैस मिलना और मुश्किल हो जाएगा, इसलिए वे पहले से इंतजाम करना चाहते हैं।

बुकिंग सिस्टम पर बढ़ता दबाव

टोल-फ्री और मोबाइल बुकिंग नंबरों पर कॉल नहीं लगने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। ऑनलाइन पोर्टल और ऐप पर भी सर्वर स्लो होने की बात सामने आ रही है। एजेंसी संचालकों के मुताबिक, सामान्य दिनों की तुलना में बुकिंग में अचानक 30 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि घरेलू गैस का स्टॉक पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन अचानक बढ़ी मांग के कारण वितरण व्यवस्था प्रभावित हुई है। कई उपभोक्ता अतिरिक्त सिलेंडर लेने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे कृत्रिम दबाव बन रहा है।

होटल उद्योग ढहने की कगार पर

कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई में रुकावट का असर शहर के होटल और रेस्टोरेंट पर साफ दिखाई दे रहा है। कई होटलों ने वैकल्पिक ईंधन का उपयोग शुरू कर दिया है। इंडक्शन कुकर, डीजल भट्टी और अन्य साधनों से खाना बनाया जा रहा है। शादी सीजन होने के कारण केटरर्स की चिंता और बढ़ गई है। आयोजनकर्ताओं को मेन्यू सीमित करने या वैकल्पिक व्यवस्था करने पर विचार करना पड़ रहा है। होटल संचालकों का कहना है कि यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो खाने-पीने की वस्तुओं के दाम भी प्रभावित हो सकते हैं।

प्रशासन अलर्ट मोड पर

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने संबंधित विभागों और गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक कर वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कालाबाजारी, जमाखोरी और कृत्रिम संकट पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता है और उपभोक्ताओं को घबराने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही आम जनता से अपील की गई है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के अनुसार ही सिलेंडर बुक करें।

दबिश : 47 उपभोक्ताओं की गैस डायरी भी जब्त

हॉकर ने अपने घर में रखे थे 10 सिलेंडर

भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के ग्राम झिन्ना में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण का खुलासा किया है। यहां से पुलिस ने 6 घरेलू और 4 व्यवसायिक गैस सिलेंडर सहित 47 गैस डायरी जब्त किए। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि आरोपी सुनील पटेल गैस एंजेसी संजीवनीनगर गुलौआ चौक में हॉकर का काम करता है और उसने ग्राम झिन्ना, मीरगंज, आमाहिनौता, कूडन, शिल्पीनगर, भेड़ाघाट उपभोक्ताओं के नाम पर 47 गैस डायरी अपने घर रखी थी और सिलेंडरों को असुरक्षित तरीके से अपने घर में रखा था। कुल 10 गैस सिलेंडर जब्त किए गए। घटना के संबंध में भेड़ाघाट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात मुखबिर की सूचना पर भेड़ाघाट पुलिस और क्राइम ब्रांच टीम ने ग्राम झिन्ना मोहल्ला मीरगंज निवासी हॉकर 41 वर्षीय सुनील पटेल के घर पर दबिश दी, जहां 6 घरेलू और 4 व्यवसायिक गैस सिलेंडर असुरक्षित तरीके से रखे पाए गए। इसके अलावा विभिन्न उपभोक्ताओं के नाम से जारी 47 गैस बुक भी बरामद की गईं। आरोपी सिलेंडरों और गैस बुक के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में सामने आया कि सुनील पटेल संजीवनी नगर गुलौआ चौक स्थित एक दीप गैस एजेंसी में हॉकर का काम करता है। उसने झिन्ना मीरगंज, आमा हिनौता, कूडन, शिल्पी नगर और भेड़ाघाट क्षेत्र के उपभोक्ताओं की गैस बुक अपने घर में नियम विरुद्ध तरीके से रखी थीं। रिहायशी इलाके में बिना सुरक्षा मानकों के ज्वलनशील गैस सिलेंडरों का भंडारण जन सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। कलेक्ट्रेट की खाद्य शाखा के अधिकारी कुंजन सिंह राजपूत ने निरीक्षण के बाद आरोपी के खिलाफ लिखित प्रतिवेदन पुलिस को सौंपा। भेड़ाघाट पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3 और 7(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुर्घटना : सिहोरा में खटारा वाहन बना आग का गोला

टाटा सूमो में आग भड़की, 1 जिंदा जला

जबलपुर। जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर दूर सिहोरा तहसील के वार्ड क्रमांक 3 में शनिवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। सड़क किनारे लंबे समय से खड़ी एक पुरानी टाटा सूमो में अचानक आग भड़क उठी। वाहन के भीतर सो रहे एक व्यक्ति की जिंदा जलने से मौत हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पास की एक दुकान भी उसकी चपेट में आकर पूरी तरह जल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह अचानक धुआं उठता दिखा और कुछ ही मिनटों में गाड़ी आग के गोले में बदल गई। लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तेज लपटों और धुएं के कारण कोई भी वाहन के पास नहीं पहुंच सका।

सिहोरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वाहन के अंदर भारी मात्रा में प्लास्टिक और सूखा कचरा भरा हुआ था। आशंका है कि रात में मच्छरों से बचने के लिए जलाई गई अगरबत्ती की चिंगारी से आग लगी। सूखी पन्नियों और ज्वलनशील सामान ने आग को तेजी से फैलने में मदद की। जहरीले धुएं और तेज लपटों के कारण अंदर सो रहे व्यक्ति को बाहर निकलने का मौका नहीं मिल पाया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक पिछले कई वर्षों से उसी टाटा सूमो में रह रहा था। वह कचरा बीनकर उसी वाहन में जमा करता था और पास में ही खाना बनाता था। मानसिक रूप से अस्वस्थ बताए जा रहे इस व्यक्ति की अभी तक औपचारिक पहचान नहीं हो सकी है। पुराना वाहन और उसमें भरा कचरा हादसे की बड़ी वजह बना। लोगों का कहना है कि कई बार उसे समझाया गया था, लेकिन वह वाहन में रहना नहीं छोड़ता था।

दुकान भी जली, जांच जारी

आग की लपटों ने बगल की दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दुकान का सामान जलकर नष्ट हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिहोरा सिविल अस्पताल भेज दिया है। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं घटना के कारणों की भी जांच की जा रही है।

आईजी की रिपोर्ट पर संज्ञान लिए बिना ही मप्र हाईकोर्ट ने युवती का आवेदन किया निरस्त

जबलपुर। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में कहा कि एनडीपीएस केस से जुड़ी आईजी की रिपोर्ट पर संज्ञान लिए बिना ही मप्र हाईकोर्ट ने युवती का आवेदन निरस्त कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की खंडपीठ ने हाईकोर्ट का आदेश निरस्त करते हुए आवेदिका की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली। आवेदिका खुशी कौर की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मदन महल पुलिस ने युवती को एनडीपीएस मामले में 11 जनवरी 2026 को गिरफ्तार किया था। आवेदिका का आरोप है कि ट्रेन यात्रा के दौरान अभद्र व्यवहार का विरोध करने पर उन्हें झूठे एनडीपीएस प्रकरण में फंसा दिया गया तथा उनका मोबाइल फोन व अन्य निजी सामान भी गायब कर दिया गया। पूर्व में मप्र हाईकोर्ट ने 5 फरवरी 2026 को जमानत आवेदन निरस्त कर दिया गया था। उक्त आदेश के विरुद्ध आवेदिका द्वारा विशेष अनुमति याचिका दायर की गई। सुको ने कहा कि प्रकरण में कथित रूप से बरामद मादक पदार्थ की मध्यवर्ती मात्रा की है तथा आवेदिका एक महिला है। न्यायालय को यह भी अवगत कराया गया कि आवेदिका के संबंध में जांच पूर्ण हो चुकी है और उसके विरुद्ध कोई पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। इन परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए न्यायालय ने आवेदिका को जमानत प्रदान करना उचित माना।

आईटीबीपी के जवान से साइबर ठगी

लिंक भेजकर खाते से 2 लाख उड़ाये

जबलपुर। गोराबाजार थानान्तर्गत अज्ञात व्यक्ति ने आईटीबीपी पदस्थ प्रधान आरक्षक के मोबाईल फोन पर बिजली बिल अपडेट करने के नाम पर लिंक भेजकर उसके खाते से एक लाख 90 हजार रूपए उड़ा दिये। मोबाईल पर कुछ देर बाद मैसेज आने पर आईटीबीपी जवान पता चला कि वह साईबर ठगी का शिकारहो गया है। अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। गोराबाजार पुलिस ने बताया कि विनायक नगर चरगवां निवासी श्रीमती सरिता देवी के पति नरेन्द्र कुमार आईटीबीपी पटालियन 36 रेजीमेंटल ई कम्पनी में प्रधान आरक्षक केपद पर कार्यरत है। वर्तमान में वे उत्तराखंड में अपने सेवाएं दे रहे हैं गत वर्ष नवम्बर में नरेन्द्र का अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने पर उन्हें ईलाज के लिए आईटीबीपी अस्पताल नोएडा में भर्ती कराया गया था जहां दो सप्ताह तक उनका ईलाज चला। इसी दौरान गत 27 नवम्बर को सुबह 10 बजे उसके मोबाईल फोन पर वाट्अप कॉल व एपी नाम से लिंक आई नरेन्द्र के बात करने पर कॉलर ने बताया कि आपका बिजली बिल अपडेट करना हैं नरेन्द्र ने लिंक क्लिक किया तो मोबाईल हेंग हो गया कुछ घंटों में उनके मोबाईल पर 9 मैसेज आये जिसमें खाते से एक लाख 89 हजार 998 रूपऐ निकलने की जानकारी मिली।

नौकरी के नाम पर एक लाख निकाले

तिलवारा थाना अन्तर्गत एक बेरोजगार युवक को टेलीग्राम पर वर्क फ्राम होम का विज्ञापन देखना भारी पड़ गया। युवक ने जब सम्पर्क करने एक नम्बर पर कॉल किया तो अज्ञात व्यक्ति ने उसके खाते से यूपीआई के जरिए एक लाख 11 हजार 8 सौ रूपए निकाल लिए। तिलवारा पुलिस ने बताया कि कॉल भैरव मंदिर सगड़ा निवासी वेंकटेस सिदाम ने रोजगार तलाशने के लिए टेलीग्राम पर एक विज्ञापन देखा जिसमें वर्क फ्राम होम लिखा था। विज्ञापन पर दिये नम्बर पर जब उसने सम्पर्क किया तो किसी ने भीम एप के जरिए उसके अलग-अलग खातों से एक लाख 11 हजार 8 सौ रूपए निकाल लिये।

रिछाई के बाद अब 'नया बाजार' मामले का होगा समाधान

जबलपुर। नगर निगम प्रशासन इन दिनों शहर के लंबित औद्योगिक और व्यापारिक मामलों को सुलझाने के लिए 'एक्शन मोड' में नजर आ रहा है। रिछाई औद्योगिक क्षेत्र के जटिल टैक्स मामलों को सफलतापूर्वक सुलझाने के बाद, निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार अब शहर के हृदय स्थल नया बाजार की समस्याओं के निराकरण के लिए खुद मैदान में उतर आए हैं। निगमायुक्त ने नया बाजार क्षेत्र का दौरा किया और वहां की जमीनी स्थितियों का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों से बाजार की वर्तमान स्थिति, लंबित प्रकरणों और व्यापारियों की समस्याओं की विस्तृत जानकारी ली। दौरे के दौरान निगमायुक्त के तेवर स्पष्ट थे,वे केवल फाइलों की स्थितियों को देखकर शीघ्र ही धरातल पर समाधान निकालेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नया बाजार के मामलों का गहन अध्ययन कर जल्द से जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

7 किलो गांजा जब्त, 200 लीटर लाहन नष्ट

कोतवाली और रांझी पुलिस ने पकड़े तस्कर

हरिभूमि जबलपुर।

क्राईम ब्रांच के साथ दो थानों की पुलिस टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में दबिश देकर मादक पदार्थ गांजे और कच्ची शराब की तस्करी में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से 7 किलो 495 ग्राम गांजा और 55 लीटर कच्ची शराब तथा नगदी 1015 रुपए जब्त करते हुए लगभग 200 लीटर लाहन नष्ट किया है। जब्त गांजे की कीमत लगभग 3 लाख 74 हजार रुपए का बताया गया है।

कोतवाली थाना प्रभारी मानस द्विवेदी ने बताया कि गत रात मुखबिर की सूचना पर क्राईम ब्रांच और कोतवाली पुलिस की टीम ने गोपाल बाग तलैया में गांजा लेकर ग्राहक के इंतजार में खड़े गोपालबाग दमोहनाका कोतवाली निवासी 34 वर्षीय चंद्रहास पटेल को गिरफ्तार कर उसके पास से 7 किलो 325 ग्राम गांजा जब्त करते हुए आरोपी के विरूद्ध धारा 8, 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

इसी तरह रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि गत दिवस क्राईम ब्रांच व रांझी पुलिस की टीम ने पेट्रोलिंग के दौरान बापूनगर क्षेत्र गांजा और दो कुप्पियों में शराब लेकर जा रहे खेरमाई मंदिर के पास बापूनगर निवासी राहुल सोनकर उर्फ बाबू तथा 18 वर्षीय करन बर्मन को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर करन के पास से पालीथीन में 30 पाउच गांजा, गांजा ब्रिकी के कुल 1015 रूपये और 8 हजार 500 रुपए के कीमत का 170 ग्राम गांजा जब्त किया गया। वहीं आरोपी राहुल उर्फ बाबू सोनकर के पास से 55 लीटर कच्ची शराब जब्त की गई। शराब के संबंध में पूछताछ करने पर नाले किनारे जंगल में लाहन से कच्ची शराब बनाना बताया एवं आरोपी करन बर्मन ने पूछताछ पर बाबू सोनकर द्वारा गांजे की पाउच 100-100 रूपये में बिकवाना तथा 300 रूपये कमीशन देना बताया। आरोपी राहुल सोनकर की निशादेही में नाले के पास बनी टंकी में भरे लाहन लगभग 200 लीटर मौके पर नष्ट कर दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट तथा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

उल्लेखनीय है कि पकड़ा गया आरोपी राहुल उर्फ बाबू सोनकर के विरूद्ध अवैध बसूल, बलवा, आबकारी, आम्र्स एक्ट सहित पूर्व से 6 अपराध पंजीबद्ध हैं।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14–15 वर्ष की बालिकाओं को लगाई जा रहा निःशुल्क वैक्सीन

जिले के 34 केंद्रों पर एचपीवी टीकाकरण अभियान करीब 2000 किशोरियों को लगाया गया टीका

हरिभूमि, जबलपुर।

जिले में किशोरी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशन में 14 से 15 वर्ष की आयु वर्ग की बालिकाओं को निःशुल्क टीका लगाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा ने बताया कि जबलपुर जिले में अब तक करीब 2000 किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाया जा चुका है। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में शामिल है और यह महिलाओं में पाए जाने वाले कैंसरों में दूसरे नंबर का सबसे खतरनाक कैंसर माना जाता है। इसकी रोकथाम के लिए एचपीवी वैक्सीन प्रभावी और सुरक्षित उपाय है।

सीएमएचओ डॉ. मिश्रा ने अभिभावकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया और यूट्यूब पर फैल रही भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि वैक्सीन से बांझपन या अन्य गंभीर समस्याएं होने के दावे पूरी तरह गलत और अवैज्ञानिक हैं। यह टीका कई वर्षों से निजी अस्पतालों में भी लगाया जा रहा है और वैज्ञानिक रूप से सुरक्षित साबित हुआ है।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. विनोद गुप्ता ने बताया कि जिले के 34 स्वास्थ्य संस्थानों में किशोरी बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाया जा रहा है। अभिभावक अपनी बेटियों का पंजीयन यू-विन पोर्टल के माध्यम से या सीधे नजदीकी टीकाकरण केंद्र पर जाकर भी करा सकते हैं।

जबलपुर से रीवा शटल कैमा स्टेशन में शार्ट टर्मिनेट होगी

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल अंतर्गत रीवा-सतना सेक्शन में कैमा स्टेशन पर अधोसरंचनात्मक कार्य तुर्की रोड और बगहाई रोड में डबल लाइन ब्लॉक सेक्शन को कमिशनिंग के लिए प्री-नानइंटरलॉकिंग एवं नानइंटरलॉकिंग कार्य के चलते जबलपुर-रीवा-जबलपुर शटल एक्सप्रेस ट्रेन कैमा रेलवे स्टेशन पर शार्ट टर्मिनेट/ओरजिनेट रहेगी। गाडी संख्या 11705 जबलपुर-रीवा शटल एक्सप्रेस जो दिनांक 16 मार्च से 23 मार्च 2026 तक (08 ट्रिप) जबलपुर से प्रस्थान कर वह कैमा तक ही संचालित होगी। अर्थात यह रेलसेवा कैमा-रीवा स्टेशनों के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी। गाडी संख्या 11706 रीवा-जबलपुर शटल एक्सप्रेस जो दिनांक 16 मार्च से 23 मार्च 2026 तक (08 ट्रिप) रीवा के स्थान पर कैमा से प्रस्थान करेगी अर्थात यह रेलसेवा रीवा-कैमा स्टेशनों के मध्य आंशिक निरस्त रहेगी।

लोक अदालत

महापौर ने करदाताओं को परोसी चाय खुद भी कतार में लगकर भरा टैक्स

जबलपुर। शहर में आयोजित लोक अदालत के दौरान नगर निगम के संभागीय कार्यालयों में एक अनोखा और सेवाभावी दृश्य देखने को मिला। करदाताओं की सुविधा के लिए पहुंचे महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने नागरिकों से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और उन्हें चाय-पानी परोसकर सेवा भाव का उदाहरण पेश किया। लोक अदालत में अपने करों का भुगतान करने पहुंचे नागरिकों का स्वागत इस बार औपचारिकता से नहीं बल्कि आत्मीयता से किया गया। महापौर स्वयं विभिन्न संभागीय कार्यालयों में पहुंचे और करदाताओं को चाय-पानी देकर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। कड़ी धूप और लंबी कतारों के बीच महापौर के इस व्यवहार ने नागरिकों का दिल जीत लिया। संभाग क्रमांक 4 छोटी लाइन फाटक स्थित कार्यालय में महापौर ने आम नागरिक की तरह कतार में लगकर अपने मकान का टैक्स जमा किया। उन्होंने किसी भी प्रकार की वीआईपी सुविधा लेने से इंकार करते हुए यह संदेश दिया कि नियम और प्रक्रिया सभी के लिए समान हैं।

इस दौरान महापौर ने करदाताओं से नगर निगम की व्यवस्थाओं को लेकर फीडबैक भी लिया, जहां नागरिकों ने निगम की पहल और व्यवस्थाओं की सराहना की।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240